{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 01 अप्रैल 2026
चैत्र शुक्ल 14 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 186
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स	-	71,947.55
निफ्टी	-	22,331.40
सोना	-	1,48,260
चांदी	-	2,45,000
डॉलर	-	94.39

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

इंडिगो ने वॉल्श को बनाया सीईओ

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने विलियम वॉल्श को नया सीईओ बनाने का ऐलान किया है। वह अभी इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल हैं और जुलाई के बाद अगस्त तक इंडिगो जॉइन कर सकते हैं। यह फैसला पिछले सीईओ पीटर एल्बर्स के इस्तीफे के कुछ ही हफ्तों बाद लिया गया है। वॉल्श पहले ब्रिटिश एयरवेज और आईएजी के सीईओ भी रह चुके हैं। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) की ओर से एविएशन नियमों में बदलाव चलते दिसंबर के पहले हफ्ते में इंडिगो में क्रू मेंबर्स की भारी कमी हो गई थी। इसके कारण 1 से 10 दिसंबर के बीच इंडिगो की 5000 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हुईं थीं।

सूरत की बिल्डिंग में आग, 5 की मौत

सूरत। गुजरात के सूरत में एक मकान में मंगलवार दोपहर को आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 4 महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। मृतकों में शहनाज बेगम अंसारी (उम्र 65 वर्ष), हुसा बेगम अंसारी (उम्र 18 वर्ष), शबीन अंसारी (उम्र 28), परवीन अंसारी (उम्र 19) और शुभान अंसारी (उम्र 4) शामिल हैं। पड़ोसियों से मिली जानकारी के मुताबिक, शहर के लिंबायत इलाके का यह मकान एक व्यापारी का है, जिसमें करीब 8 टन साड़ियों का स्टॉक रखा हुआ था। इससे घर में पैदल चलने तक की जगह नहीं बची थी। इसी के चलते आग इतनी तेजी से भड़की कि किसी को बचने का मौका नहीं मिला।

लिएंडर पेस भाजपा में हुए शामिल

कोलकाता। भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस ने मंगलवार को औपचारिक रूप से भाजपा का हाथ थाम लिया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले यह एक बेहद अहम घटनाक्रम माना जा रहा है। कोलकाता में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ पेस की हालिया मुलाकात के बाद से ही इस कदम की काफी वक्त से अटकलें लगाई जा रही थीं। लिएंडर पेस के भाजपा ज्वाइन करने की टाइमिंग काफी अहम है। पेस के लिए पार्टी की राजनीति कोई नई बात नहीं है। साल 2021 में वह पहले भी तृणमूल कांग्रेस से जुड़ चुके हैं। 2022 में गोवा विधानसभा चुनावों के दौरान उन्होंने टीएमसी के लिए जोर-शोर से प्रचार किया था। हालांकि, उन्होंने खुद कोई चुनाव नहीं लड़ा था। अब भाजपा में शामिल होने का उनका फैसला, उस पुराने जुड़ाव से पूरी तरह अलग होने का संकेत है। इसके साथ ही, यह बंगाल के मतदाताओं के लिए भी एक साफ मैसेज है, क्योंकि राज्य में एक जोरदार राजनीतिक मुकाबले की तैयारी चल रही है।

कुछ ना कहना

ईरान को बर्बाद करने की कसम खाने वाले ट्रंप के हौसले पस्त!

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में चल रही लड़ाई के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान को चार से छह हफ्तों के भीतर समाप्त करने के संकेत दिए हैं। ट्रंप का मानना है कि अमेरिका अब मिडिल ईस्ट की ऊर्जा पर निर्भर नहीं है, ऐसे में वह होर्मुज स्ट्रेट को खोले बिना ही ईरान के साथ चल रहे युद्ध को समाप्त कर सकते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ईरान में यूएस मिलिट्री कैंपेन खत्म करने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने अपने सहयोगियों को संकेत दिया कि वह चार से छह हफ्ते के टाइमलाइन में ईरान के खिलाफ मिलिट्री ऑपरेशन खत्म करने के लिए तैयार हैं, भले ही होर्मुज स्ट्रेट बंद रहे।

लक्ष्य हासिल करने के बाद खत्म कर सकते हैं मिलिट्री ऑपरेशन

ट्रंप का मानना है कि यदि अमेरिका ईरान की नौसैनिक और मिसाइल क्षमताओं को कमजोर करने जैसे अपने मुख्य उद्देश्यों को हासिल कर लेता है, तो होर्मुज स्ट्रेट के बंद रहने के बावजूद वह अपनी दुश्मनी खत्म कर सकता है और जीत का एलान कर सकता है।

अमेरिका मिडिल ईस्ट की उर्जा पर निर्भर नहीं

ट्रंप ने स्पष्ट किया कि होर्मुज स्ट्रेट से होकर जाने वाला 84 प्रतिशत तेल एशियाई बाजारों में जाता है। ऐसे में इसे फिर से खोलना अब एशिया और यूरोप की प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि अमेरिका अब मिडिल ईस्ट की ऊर्जा पर निर्भर नहीं है। ट्रंप के इस फैसले से शायद होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान का कंट्रोल और अधिक बढ़ जाएगा, अगर ट्रंप ऐसा करते हैं तो ईरान का दुनिया के इस सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक पर नियंत्रण बना रह सकता है, जिससे इसे फिर से खोलने के लिए डिप्लोमैटिक कोशिशों पर फोकस होगा।

ट्रंप का यू-टर्न

गौरतलब है कि ट्रंप ने ईरान को बार-बार चेतावनी दी थी कि अगर ईरान ने होर्मुज से जहाजों की आवाजाही को रोका तो भीषण हमले किए जाएंगे। ईरान को बार-बार बर्बाद करने की धमकी देने के बाद होर्मुज स्ट्रेट को बिना खुलवाए पीछे हटना ट्रंप का बड़ा यू-टर्न है। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप और उनके सलाहकारों का मानना है कि अगर वह होर्मुज को जबरन खुलवाने की कोशिश करते हैं तो युद्ध लंबा खींच सकता है, ऐसे में ट्रंप प्रशासन ने तय किया है कि वह होर्मुज को खुलवाने की बजाय मौजूदा रणनीति सैन्य अभियानों को कम करने से पहले ईरान की नौसेना और मिसाइल क्षमताओं को कमजोर करने पर फोकस कर रहा है।

अब अमेरिका नहीं करेगा किसी की मदद

डोनाल्ड ट्रम्प ने वैश्विक ऊर्जा संकट और होर्मुज स्ट्रेट की स्थिति को लेकर कड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब अमेरिका किसी भी देश की मदद के लिए आगे नहीं आएगा और देशों को अपने हालात खुद संभालने होंगे। सोशल मीडिया पर जारी बयान में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि जो देश, खासकर ब्रिटेन, होर्मुज स्ट्रेट से ईंधन नहीं ला पा रहे हैं, उन्हें अमेरिका से तेल खरीदना चाहिए क्योंकि अमेरिका के पास पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। उन्होंने दो टूक अंदाज में कहा कि अगर देश चाहें तो ╒हिम्मत दिखाएं और खुद होर्मुज स्ट्रेट जाकर तेल ले लें╒, क्योंकि अमेरिका अब उनकी मदद के लिए नहीं आएगा। राष्ट्रपति ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि ईरान काफी हद तक कमजोर हो चुका है और क्षेत्र में सबसे कठिन चरण पहले ही पार हो चुका है। उनके अनुसार अब बाकी देशों को अपनी ऊर्जा जरूरतों को लेकर खुद पहल करनी होगी। इस बयान को वैश्विक राजनीति और ऊर्जा बाजार में अमेरिका की बदलती नीति के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे अंतरराष्ट्रीय संबंधों और तेल आपूर्ति की रणनीतियों पर व्यापक असर पड़ सकता है।

डेडलाइन के आखिरी दिन 9 नक्सलियों का सरेंडर

10 लाख कैश लेकर आई महिला नक्सली; पुलिस का दावा- दंतेवाड़ा नक्सल मुक्त, कांकेर में 14 एक्टिव

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ में नक्सली खात्मे के डेडलाइन का मंगलवार को आखिरी दिन था। इस दिन 3 जिलों के 9 नक्सलियों ने सरेंडर किया है, जिसमें 6 महिला नक्सली शामिल है। दंतेवाड़ा में 5, सुकमा में 2 और कांकेर में 2 नक्सलियों ने जंगल से निकलकर पुलिस को हथियार सौंप दिए हैं। पुलिस ने दावा किया है कि, दंतेवाड़ा में अब एक भी नक्सली नहीं बचे हैं। जिले में सक्रिय अंतिम 5 नक्सलियों ने हथियार डाल दिए हैं। इन पर 9 लाख रुपए का इनाम घोषित था। वहीं, कांकेर में 14 नक्सली अब भी एक्टिव है। सुकमा की 2 महिला नक्सली 8-8 लाख की इनामी है, वे अपने साथ 10 लाख कैश लेकर आए थे, जो पुलिस को दे दिए हैं।

सुकमा में 2 महिला नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इन पर 8-8 लाख का इनाम था। वे माओवादी कैडर के रैंक कंपनी के सदस्य है, सुकमा के ही रहने वाली है। सरेंडर के बाद इनसे मिले इनपुट के बाद हथियारों और 10 लाख कैश का बड़ा डंप भी मिला है।

कांकेर में 14 नक्सली सक्रिय

कांकेर जिले में पिछले 6 दिन में 11 नक्सली मुख्यधारा में लौट चुके हैं। जिले में अभी भी करीब 14 नक्सली सक्रिय हैं। इनमें डीवीसीएम स्तर के चंदर और रूपी शामिल है। पुलिस आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों से जानकारी जुटाकर अब इलाके में छिपे बाकी नक्सलियों से संपर्क शुरू कर रही है। पुलिस उन्हें समझाकर मुख्यधारा में लाने की कोशिश कर रही है। दंतेवाड़ा पुलिस लाइन कारली में मंगलवार को पूना मारगेम-पुनर्वास से पुनर्जीवन अभियान के तहत सरेंडर कार्यक्रम हुआ। इसमें दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी से जुड़े 5 नक्सली मुख्यधारा में लौटे है। इनमें 4 महिला कैडर शामिल हैं। पुलिस ने अलग-अलग ऑपरेशन के दौरान इंसास, एसएलआर, कार्बाइन, लॉन्चर समेत कई हथियार भी बरामद किए हैं। एसपी गौरव राय ने दावा किया है कि अब दंतेवाड़ा जिला भी नक्सल मुक्त हो चुका है। यहां की आबो हवाओं में अब हिंसा नहीं बल्कि अमन, चैन और शांति महसूस की जा सकती है।

अवैध रिश्ते से जन्मी संतान को भी पेंशन का अधिकार, हाईकोर्ट का अहम फैसला

पहली पत्नी को कानूनी हकदार मानते हुए भी बेटी के अधिकार को दी मान्यता, फैसला बन सकता है नजीर

कोलकाता। कोलकत्ता हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है, कि अवैध रिश्ते से जन्मी संतान को भी पेंशन का अधिकार मिल सकता है। अदालत का यह निर्णय भविष्य में ऐसे मामलों के लिए एक अहम नजीर बन सकता है। यह मामला पूर्वी रेलवे में कार्यरत एक गेटमैन से जुड़ा था, जिसने अपनी पहली पत्नी को बिना तलाक दिए दूसरी शादी कर ली थी। रिटायरमेंट के बाद उसने अपनी सर्विस और पेंशन बुक में पहली पत्नी और बेटे के बजाय दूसरी पत्नी और उससे जन्मी बेटी का नाम दर्ज करा दिया।

पहली पत्नी ने इस फैसले को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। महिला का कहना था कि उसे मिर्गी की बीमारी के चलते पति ने छोड़ दिया और बिना जानकारी दिए दूसरी शादी कर ली। उसने यह भी आरोप लगाया कि 2012 के बाद से उसे कोई गुजारा भत्ता नहीं मिला, जबकि पहले उसे हर महीने 1000 रुपये देने का आदेश था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह स्पष्ट हुआ कि दंपति के बीच कानूनी रूप से तलाक नहीं हुआ था। ऐसे में जस्टिस कृष्ण राव ने कहा कि पहली पत्नी ही कानूनी रूप से पेंशन की हकदार है।

हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि दूसरी शादी भले ही हिंदू विवाह अधिनियम के तहत वैध नहीं मानी जा सकती, लेकिन उस संबंध से जन्मी संतान के अधिकारों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने आदेश दिया कि दूसरी पत्नी से जन्मी 15 वर्षीय बेटी का नाम भी सर्विस और पेंशन रिकॉर्ड में शामिल किया जाए। अदालत ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए यह सुनिश्चित किया कि पहली पत्नी के अधिकार सुरक्षित रहें, साथ ही निर्दोष संतान को उसके अधिकारों से वंचित न किया जाए। इस फैसले को सामाजिक न्याय और संवेदनशीलता के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की घोषणाओं पर हमला बोलते हुए कहा...

स्मार्ट सिटी मिशन मोदी सरकार की कार्यशैली का उदाहरण, घोषणाएं बड़ी पर जवाबदेही शून्य

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि बड़ी घोषणाएं करना और फिर बिना किसी जवाबदेही के बढ़चढ़कर इसका प्रचार करना मोदी सरकार की कार्यशैली है। राहुल ने कहा कि स्मार्ट सिटी मिशन इसी शैली का एक उदाहरण है। उन्होंने लोकसभा में 19 मार्च को उनके द्वारा पूछे गए प्रश्न और सरकार के उत्तर का हवाला देते हुए यह दावा भी किया कि स्मार्ट सिटी मिशन धोखे के अलावा कुछ भी नहीं है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर एक पोस्ट में कहा, कोई शहर स्मार्ट नहीं हो सकता, अगर वह अपने नागरिकों को बुनियादी गरिमा - साफ पानी, स्वच्छ हवा और सुरक्षा नहीं दे पाता। आपको मोदी सरकार का स्मार्ट सिटी मिशन तो याद ही होगा, जिसके तारीफों के पुल बांधते प्रधानमंत्री थकते नहीं थे। उन्होंने कहा, अब जब यह योजना अपने समापन की ओर है तो मैंने संसद में सरकार से इसके वास्तविक परिणामों का हिसाब मांगा। और जो सच सामने आया उसे धोखे के अलावा कुछ और कह ही नहीं सकते, इस योजना का उद्देश्य कभी भी पूरे शहर का विकास करना ही नहीं था।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि देश को एक आधी-अधूरी योजना को पूरे बदलाव की कहानी बनाकर बेचा गया। उन्होंने कहा, सवाल पूछे कि कैसे होते हैं स्मार्ट सिटी, सफलता किस आधार पर तय हुई, कितने शहर सच में बदले, लोगों के जीवन में क्या ठोस बदलाव आया? तो कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा, सिर्फ बताया गया की करीब 48,000 करोड़ रुपये खर्च हुए, और 97 प्रतिशत प्रोजेक्ट पूरे बता दिए, लेकिन अगर सब पूरा है, तो आपके शहर में क्या बदला? राहुल गांधी ने दावा किया, जमीनी हकीकत अलग कहानी कहती है- दूषित पानी और खुले सीवर से मौतें हो रही हैं,गिरते पुल और धंसती सड़कें इस विफलता को और उजागर कर रही हैं। उन्होंने कहा, यह योजना मोदी सरकार की असली कार्यशैली का उदाहरण है- घोषणाएं बड़ी, प्रचार उससे बड़ा, और जवाबदेही शून्य। कांग्रेस नेता ने कहा, आप अपने शहर को सूची में खोजिए और खुद तय कीजिए कि क्या यह वही स्मार्ट सिटी है जिसका सपना आपको बेचा गया था?

पीएम मोदी ने दिए देशवासियों को 9 संकल्प...

पानी बचाने का, एक पेड़ मां के नाम और स्वच्छता का मिशन

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात की राजधानी गांधीनगर के कोबा पीठ स्थित सम्राट संप्रति संग्रहालय की वास्तुकला और डिजाइन की प्रशंसा कर कहा कि यह भारत की भव्यता और पहचान को खूबसूरती से प्रतिबिंबित करता है। 31 मार्च, 2026 को उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि संग्रहालय की सात गैलरी देश की सांस्कृतिक समृद्धि और विविधता को दिखाती हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आज भगवान महावीर जयंती के पावन पर्व पर मुझे पवित्र जैन तीर्थ आने का सौभाग्य मिला है। सर्वप्रथम में भगवान महावीर के चरणों में प्रणाम करता हूं। मैं कोबा तीर्थ से सभी देशवासियों को भगवान महावीर जयंती की शुभकामनाएं देता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि हजारों वर्ष की भारतीय विरासत, जैन धर्म का समयातीत ज्ञान, हमारी धरोहरें और उनसे मिलने वाली प्रेरणाएं... उन्हें आने वाली सदियों तक अमर बनाने के लिए, नए और आधुनिक रूप में अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए हमारे संतों ने जैन हेरिटेज म्यूजियम की संकल्पना की।

आज का यह अवसर 9 संकल्पों को फिर से दोहराने का है...

- पहला संकल्प- पानी बचाने का
- दूसरा संकल्प- एक पेड़ मां के नाम
- तीसरा संकल्प- स्वच्छता का मिशन
- चौथा संकल्प- वोकल फॉर लोकल
- पांचवां संकल्प- देश दर्शन
- छठा संकल्प- प्राकृतिक खेती को अपनाना
- सातवां संकल्प- स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना
- आठवां संकल्प-योग और खेल को जीवन में लाना
- नौवां संकल्प- गरीबों की सहायता का संकल्प

दसवां संकल्प- भारत की विरासत का संकल्प — जो आप सभी ने स्वयं से जोड़ लिया है।

सूरत में भीषण आग : 10 टन साड़ियों के बीच फंसा परिवार, 5 लोगों की दर्दनाक मौत

सूरत। सूरत के लिंबायत इलाके में एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं, एक 4 वर्षीय बच्चा और एक अन्य सदस्य शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मौत का कारण दम घुटना और गंभीर रूप से झुलसना बताया गया है। इस दर्दनाक घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए अवैध गोदामों और रिहायशी मकानों में व्यवसाय किए जाने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। घटना मीठी खाड़ी के पास स्थित एक रिहायशी सोसाइटी की है, जहां घर के भीतर भारी मात्रा में कपड़ा रखा हुआ था। बताया जा रहा है कि करीब 10 टन साड़ियां घर में स्टॉक की गई थीं, जिससे आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, संकरी गलियों के कारण दमकल विभाग को मौके पर पहुंचने में काफी कठिनाई हुई। फायर ब्रिगेड की टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक परिवार के पांचों सदस्य जान गंवा चुके थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को हुए इस हादसे के बाद मौके पर पहुंचे सूरत नगर निगम के मेयर दक्षेश मावानी ने घटना को अत्यंत दुखद बताया। उन्होंने कहा कि घर में बड़ी मात्रा में कपड़ा भंडारित होने के कारण राहत और बचाव कार्य बेहद कठिन हो गया। मेयर ने घोषणा की कि अब नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीमें रिहायशी इलाकों का सर्वे करेंगी। यदि किसी मकान में व्यावसायिक या ज्वलनशील सामग्री पाई गई, तो उसे तुरंत सील कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पश्चिम बंगाल में अधिकारियों के ट्रांसफर पर निर्वाचन आयोग को कोर्ट से राहत

याचिका खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने कहा- मतदान से पहले प्रशासनिक तबादलों पर रोक नहीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के ट्रांसफर को चुनौती देने वाली जनहित याचिका कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मंगलवार को खारिज कर दी। निर्वाचन आयोग को राहत प्रदान करते हुए कोर्ट ने कहा कि मतदान से पहले प्रशासनिक तबादलों पर कोई रोक नहीं है।

दरअसल याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए दावा किया था कि मुख्य सचिव, गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों के बड़े पैमाने पर तबादले राज्य के प्रशासनिक कामकाज को प्रभावित करेंगे और निर्वाचन आयोग के आदेशों को निरस्त किया जाना चाहिए। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि निर्वाचन आयोग के अधिकारी अपने निर्णय लेने में स्वतंत्र हैं और उन्हें मनमाने तौर पर चुनौती नहीं दी जा सकती।

यहां बताते चलें कि पश्चिम बंगाल में 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में आयोजित होगा।

केरलम चुनाव के लिए बीजेपी ने घोषणापत्र में गरीब महिलाओं को फूड हेल्थ सिक्योरिटी कार्ड देने का वादा किया

तिरुवनंतपुरम। केरलम विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने मंगलवार को अपना घोषणापत्र जारी कर दिया। इस घोषणापत्र में बीजेपी ने कई वादे किए हैं। वादा है कि अगर सरकार बनी तो गरीब परिवार की महिलाओं को हर महीने फूड हेल्थ सिक्योरिटी कार्ड दिया जाएगा, जिससे वे राशन खरीद सकते हैं। महिलाओं और विधवाओं को भी आर्थिक मदद दी जाएगी। साथ ही साथ बुजुर्गों के लिए भी पेंशन का वादा किया गया है।

घोषणापत्र में बीजेपी ने वादा किया है कि सरकार बनने पर इंश्योरेंस स्कीम लाई जाएगी, जिसमें सभी को कवर किया जाएगा। साथ ही केरल में एक एम्स खोलने का वादा भी किया गया है। सभी महिलाओं को फूड एंड हेल्थ सिक्योरिटी कार्ड्स मिलेगा, जिससे हर महीने 2,500 रुपये तक का राशन खरीद सकेंगे। विधवाओं को हर महीने 3 हजार रुपये की पेंशन मिलेगी। 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को भी 3 हजार रुपये की पेंशन दी जाएगी। पूरे राज्य में मोबाइल हॉस्पिटल सर्विस शुरू करेंगे। एंबुलेंस की फ्री सुविधा भी मुहैया कराई जाएगी। खेती का इंश्योरेंस किया जाएगा।

साल में दो बार एलपीजी सिलेंडर पर सब्सिडी मिलेगी। ये सब्सिडी ओणम और क्रिसमस पर मिलेगी। सभी घरों में पानी का कनेक्शन लगाया जाएगा। हर महीने 20 हजार लीटर पानी फ्री मिलेगा। डेवलप्ड केरला प्रोजेक्ट के तहत तिरुवनंतपुरम से कन्नूर, कोझिकोड से कालपेट्टा और थ्रिसूर से पलक्कड़ तक हाई स्पीड रेल कॉरिडोर शुरू होगा।

चेनगन्नूर से पांबा और पांबा से पथनामथिट्टा तक सबरी रेल शुरू होगी। नीलंबुर से नांजागुड तक नई रेलवे लाइन शुरू होगी। साथ ही थ्रिसूर-गुरुवयूर लाइन का तिरुर तक विस्तार किया जाएगा। तिरुवनंतपुरम और कोझिकोड में मेट्रो रेल शुरू की जाएगी।

किन्नर समुदाय को ओबीसी में शामिल करना 'दिखावा' : हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

-सरकार को कोर्ट से झटका, नई नीति तक 3 प्रतिशत अतिरिक्त अंक देने का आदेश

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ ने किन्नर (ट्रांसजेंडर) समुदाय को ओबीसी सूची में शामिल करने के राज्य सरकार के फैसले पर कड़ी टिप्पणी करते हुए इसे ╒महज दिखावा╒ और ╒आंखों में धूल झोंकना╒ करार दिया है।

जस्टिस अरुण मोंगा और योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने 12 जनवरी 2023 की उस अधिसूचना पर सवाल उठाए, जिसमें किन्नर समुदाय को ओबीसी सूची में क्रमांक 92 पर शामिल किया गया था। अदालत ने अपने रिपोर्टेबल फैसले में स्पष्ट निर्देश दिया कि जब तक राज्य सरकार इस विषय पर स्पष्ट और समुचित आरक्षण नीति नहीं बनाती, तब तक किन्नर समुदाय के अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश के लिए 3 प्रतिशत अतिरिक्त अंक (एडिशनल वेटेज) दिया जाए।

यह मामला जालोर जिले की रानीवाड़ा तहसील की निवासी गंगा कुमारी द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ने पहले वर्ष 2021 में 1प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की मांग को लेकर याचिका दायर की थी।

रथ पर विराजे भगवान महावीर, शहर में निकली शोभायात्रा

उड्डुपीढोल और बैगा नृत्य बने आकर्षण, जगह-जगह हुआ शहर में स्वागत

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

अहिंसा, दया और करुणा का संदेश देने वाले जैन समाज के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2625वां जन्म कल्याणक महोत्सव 31 मार्च को मुख्यालय में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा ने पूरे नगर को धर्ममय वातावरण में बदल दिया, जहां हर ओर जय महावीर के जयघोष गूंजते रहे। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के तहत श्री पार्श्वनाथ भवन से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। चांदी के आकर्षक रथ में विराजित भगवान महावीर की प्रतिमा और कंधों पर सजी पालकी श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बनी रही। जैसे ही शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया और जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा।

यह शोभायात्रा राजघाट चौक, महावीर चौक, नावेल्टी हाउस चौक, नया सराफा और हनुमान चौक जैसे प्रमुख मार्गों से होते हुए दादाबाड़ी पहुंची। यात्रा के दौरान शहर का माहौल पूरी तरह धार्मिक रंग में रंगा नजर आया। जगह-जगह स्वागत मंच बनाए गए थे, जहां श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया। शोभायात्रा में सकल जैन समाज के महिला-पुरुष, युवक-युवतियां और बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। समाज की एकजुटता और उत्साह देखने लायक था। इस बार शोभायात्रा की विशेष आकर्षण उड्डुपीढोल नृत्य और बैगा गेड़ी नृत्य रहे, जिनकी मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इसके अलावा भजन-कीर्तन, धार्मिक गीत और ध्वनि यंत्रों के माध्यम से पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण बना रहा। शोभायात्रा से पूर्व शहर के जैन मंदिरों में भगवान महावीर का विधि-विधान से स्वर्ण एवं रजत कलशों से अभिषेक किया गया। साथ ही सामूहिक भक्तामर पाठ, पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति के अध्यक्ष आदित्य सेठिया ने अपने उद्बोधन में भगवान महावीर के पंच सिद्धांत सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का महत्व बताते हुए कहा कि वर्तमान समय में इन सिद्धांतों का पालन ही समाज में शांति, सद्भाव और संतुलन स्थापित कर सकता है। उन्होंने कहा कि अहिंसा परमो धर्म का संदेश आज के वैश्विक परिप्रेक्ष्य में और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। गौरतलब है कि भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति के तत्वावधान में इस अवसर पर चार दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। इन आयोजनों में धार्मिक अनुष्ठान, सामाजिक गतिविधियां और सेवा कार्य शामिल रहे। समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन, श्रद्धा और सामाजिक एकता का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला। यह महोत्सव न केवल जैन समाज के लिए, बल्कि पूरे शहर के लिए आस्था और प्रेरणा का केंद्र बना।

कार हादसे की चश्मदीद बनी 8 साल की बच्ची, बताया खौफनाक मंजर

केवलारी चौराहे के पास जली कार से सुरक्षित निकली पूर्वी, राहगीर ने बचाई थी जान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बीते दिनों बैहर से मलाजखंड की ओर जा रही एक कार केवलारी चौराहे के पास अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई थी। टक्कर के बाद कार में भीषण आग लग गई, जिसमें सवार कुछ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे में 8 वर्षीय बच्ची पूर्वी राहांगडाले चमत्कारिक रूप से सुरक्षित बच गई, जिसने अब उस भयावह घटना का आंखों देखा हाल बताया है। पूर्वी के अनुसार, कार अचानक नियंत्रण खो बैठी और सड़क से नीचे उतर गई। टक्कर के तुरंत बाद वाहन में आग लग गई और चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। उसने बताया कि आग तेजी से फैलने लगी, जिससे कार में बैठे लोगों को संभलने का मौका नहीं मिल पाया। बच्ची ने बताया कि इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक वाहन चालक ने साहस दिखाते हुए उसकी मदद की और उन्हें कार से बाहर निकाल लिया।

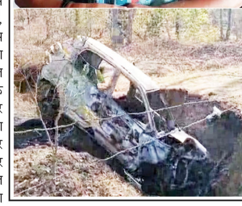

हाल ही में हुए भीषण सड़क हादसे में 8 वर्षीय पूर्वी राहांगडाले का सुरक्षित बच जाना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा रहा है। बैहर-मलाजखंड मार्ग पर केवलारी चौराहे के पास हुए इस दर्दनाक हादसे में जहां एक ही परिवार के तीन लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए, जानकारी के अनुसार एक आल्टो कार बैहर से मलाजखंड की ओर जा रही थी। केवलारी चौराहे के पास अचानक कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई और जोरदार टक्कर के बाद उसमें आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि अंदर बैठे लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल सका और स्थिति भयावह हो गई। कार में कुल 6 लोग सवार थे, जिनमें एक ही परिवार के पांच सदस्य और पड़ोस की 8 वर्षीय बच्ची पूर्वी राहांगडाले शामिल थी। सभी लोग पोण्डी (परसवाड़ा) से पौनी जा रहे थे। पूर्वी ने बताया कि हादसे के समय वह कार में सो रही थी। अचानक खांसी और घुटन महसूस होने पर उसकी नींद खुली। जब उसने आंखें खोलीं तो चारों तरफ अफरा-तफरी और आग का माहौल था। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक वाहन चालक ने साहस का परिचय देते हुए कार का कांच तोड़ा और उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस घटना में पूर्वी के पैर में मामूली चोट आई है, लेकिन वह पूरी तरह सुरक्षित है। घटना के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने मानवता और साहस का परिचय देते हुए तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। जलती कार के कांच तोड़कर पहले बच्ची को बाहर निकाला गया, इसके बाद चालक और उनकी मां को गंभीर हालत में बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि कार में फंसे अन्य तीन लोगों को बचाया नहीं जा सका। इस दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। एक ओर जहां तीन लोगों की मौत से शोक का माहौल है, वहीं दूसरी ओर एक मासूम का सुरक्षित बच जाना लोगों के लिए राहत की बात है।

बालाघाट में 01 अप्रैल से नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ, प्रवेशोत्सव की तैयारियां पूरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ 01 अप्रैल 2026 से होने जा रहा है। इस अवसर पर जिले की सभी शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में उत्साहपूर्वक प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री जीपी बर्मन ने बताया कि जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन 01 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से सांदीपनि विद्यालय, बालाघाट में किया जाएगा। कार्यक्रम को भव्य एवं आकर्षक बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। इस दौरान नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, पुष्प वर्षा एवं स्वागत गीतों के साथ अभिनंदन किया जाएगा, साथ ही उन्हें पाठ्यपुस्तकों का वितरण भी किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में सांसद, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व के प्रति प्रेरित किया जाएगा। शिक्षा विभाग द्वारा सभी विद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे प्रवेशोत्सव को उत्सव के रूप में मनाते हुए अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करें तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाएं। प्रवेशोत्सव के माध्यम से शासन का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को स्कूल से जोड़ना और शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना है।

बजरंग घाट में हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी तैराकी संघ बालाघाट के तत्वाधान में दिनांक 02 अप्रैल 2026 दिन गुरूवार को बजरंग घाट में स्थित सिद्धपीठ हनुमान मंदिर परिसर में हनुमान जन्मोंत्सव के उपलक्ष्य में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है । सर्वप्रथम प्रातः 5:30 बजे भगवान का जन्मोत्सव मनाया जायेगा इसके उपरांत 6:00 बजे से 108 हनुमान चालीसा का पाठ तत्पश्चात संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया जायेगा, उक्त कार्यक्रम के पश्चात हवन पूजन रखा गया है । ठीक 11:00 बजे नगर पालिका परिषद, बालाघाट द्वारा निर्मित टिन शेड का लोकार्पण एंव नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमति भारती ठाकुर का अभिनंदन किया जायेगा । अभिनंदन समारोह कार्यक्रम के संपन्न होने के पश्चात दोपहर 12:30 बजे से महा भंडारा रखा गया है । नगर के सभी श्रद्धालू जनों से निवेदन है कि सभी कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढाये । उक्त धार्मिक आयोजन में तैराकी संघ के अध्यक्ष संजीव भाउ अग्रवाल सचिव महेन्द्र सुराना, कोषाध्यक्ष के.के.अग्रवाल उपाध्यक्ष लक्ष्मीचंद नागेश्वर, नितेन्द्र श्रीवास्तव, राजेशवर्मा, शिवमुनेश्वर, संदीपसिंहचंदेल, सुरेशरंगलानी, सहसचिव सुनीलसुनेरी, कमलेशहेमने, टोलूराम नगपूरे, सुमित चौरे, मनोहर इसरानी, ज्ञानीराम बाहे, प्रवक्ता संजीव चीनू जैन एंव तैराकी संघ के सभी सदस्यों ने बालाघाट के समस्त श्रद्धालू भक्तो एंव नागरिकों से उक्त आयोजन में पधारकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है ।

सरसों की भावांतर योजना के तहत खरीदी अब 16 अप्रैल से शुरू होगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन ने सरसों उत्पादक किसानों को राहत देते हुए भावांतर भुगतान योजना के तहत सरसों की खरीदी की तिथि में बदलाव किया है। पहले यह खरीदी 01 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होना निर्धारित थी, अब इसे आगे बढ़ाकर 16 अप्रैल 2026 से शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में जारी निर्देश के अनुसार, नई तिथि से प्रदेश के पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर सरसों की खरीदी की जाएगी। इस निर्णय से किसानों को अपनी उपज की बेहतर तैयारी और विक्रय के लिए अतिरिक्त समय मिल सकेगा। उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि बालाघाट जिले में भावांतरण योजना में सरसों के विक्रय के लिए 2154 किसानों का पंजीयन किया गया है। भावांतरण योजना में सरसों की खरीदी जिले की 07 कृषि उपज मंडी में की जाएगी। सरसों का समर्थन मूल्य 6200 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित है। भावांतरण योजना में सरसों की खरीदी के लिए जिले के मंडी स्तरीय केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। भावांतर योजना में सरसों की खरीदी सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में की जाएगी और नीलामी के दौरान व्यापारियों द्वारा बोली लगाने की सम्पूर्ण कार्यवाही की वीडियोग्राफी की जाएगी। जिले के मंडी स्तरीय खरीदी केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि पर अपने नजदीकी खरीदी केंद्र में आवश्यक दस्तावेजों के साथ पहुंचकर अपनी उपज का विक्रय करें। भावांतर भुगतान योजना के तहत किसानों को बाजार भाव और समर्थन मूल्य के अंतर की राशि का भुगतान किया जाता है, जिससे उन्हें उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके। सरकार के इस निर्णय को किसानों के हित में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

यादव समाज का जिला सम्मेलन एवं सम्मान समारोह संपन्न, शिक्षा और नशामुक्ति पर दिया गया जोर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। यादव समाज संगठन बालाघाट द्वारा स्नेह नगर स्थित वैध लॉन में आयोजित जिला सम्मेलन एवं जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह उत्साह, सामाजिक समरसता और एकजुटता के माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिलेभर से बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए और सामाजिक विकास से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण जी की पूजा-अर्चना से की गई। इसके पश्चात मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया। समारोह के दौरान बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने यादव समाज के लिए भवन निर्माण हेतु आर्थिक सहायता देने की घोषणा की, जिसका समाजजनों ने तालियों के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मौसम हरिनखड़े ने समाज को एकजुट रहने और सामाजिक हित में कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति के लिए शिक्षा, संगठन और आपसी सहयोग सबसे महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि खीरसागर पारधी तथा विधायक मधु भगत ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने युवाओं को नशामुक्त जीवन अपनाने और समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में गोंदिया से पधारे शिवसेना प्रभारी एवं समाज संरक्षक अमृतलाल यादव, जिलाध्यक्ष गुलाब यादव, युवा जिला अध्यक्ष मतेश यादव सहित अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और समाज की एकता, शिक्षा एवं विकास के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। कार्यक्रम में विधायक मधु भगत, विधायक अनुभा मुंजारे सहित अनेक जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। वहीं विशेष अतिथि के रूप में पंकज यादव, देवकीशन यादव, राजू यादव तथा बालकृष्ण यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गुलाब यादव ने की, जबकि संरक्षक अमृतलाल यादव विशेष रूप से मौजूद रहे। इस आयोजन को सफल बनाने में यादव समाज संगठन बालाघाट, महिला संगठन, युवा संगठन, नगर संगठन सहित जिले के विभिन्न ब्लॉकों लालबर्रा, बैहर, लांजी, गढ़ी, उकवा, बिरसा, किरनापुर, चरेगांव, परसवाड़ा, वारासिवनी और तिरोड़ी के समाजजनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समारोह के अंत में समाज के जनप्रतिनिधियों एवं सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। इसके बाद सामूहिक भोजन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह आयोजन न केवल समाज की एकजुटता का प्रतीक बना, बल्कि शिक्षा, नशामुक्ति और सामाजिक उत्थान के लिए सामूहिक संकल्प का भी संदेश दे गया।

अवैध रूप से संचालित पैथोलॉजी लैब पर कार्रवाई

मौली पेथो-लेब के संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं वैधानिक व्यवस्थाओं के पालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन लगातार सख्ती बरत रहा है। इसी कड़ी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप द्वारा मौली पेथो-लेब के संचालक चंद्रशेखर पटले को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है कि क्यों न उनके विरुद्ध दंडात्मक एवं वैधानिक कार्यवाही की जाए। चंद्रशेखर पटले को 07 दिनों के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 मार्च 2026 को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सरेखा के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. निषांत नंदा गौली के नेतृत्व में गठित निरीक्षण दल ने बालाघाट हॉस्पिटल लिमिटेड परिसर स्थित मौली पेथो-लेब का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। जांच में सामने आया कि लैब का संचालन बिना वैध पंजीयन एवं अनुज्ञप्ति के किया जा रहा था। साथ ही, अन्य क्लीनिक के पंजीयन प्रमाण-पत्र एवं लाइसेंस का अवैध उपयोग किया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान लैब में उपलब्ध रिपोर्ट्स पर पैथोलॉजिस्ट डॉ. मोनिका लिल्हारे के स्कैन किए हुए हस्ताक्षर पाए गए, जबकि उनकी नियमित उपस्थिति नहीं थी। निरीक्षण दल को यह भी जानकारी मिली कि लैब में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा ही जांच कर रिपोर्ट तैयार की जाती थी और डॉक्टर के हस्ताक्षरयुक्त सील का उपयोग किया जाता था। इसके अलावा बायो-मेडिकल वेस्ट प्रबंधन के लिए आवश्यक पंजीयन एवं अधिकृत संस्था से अनुबंध भी उपलब्ध नहीं पाया गया। जांच के दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि लैब संचालक चंद्रशेखर पटले निरीक्षण के समय उपस्थित नहीं थे। वहीं, हॉस्पिटल परिसर में किराये पर संचालित इस लैब के अनुबंध का नवीनीकरण संबंधी दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किए गए। इन सभी तथ्यों के आधार पर संबंधित संचालक के विरुद्ध मध्यप्रदेश नर्सिंग होम एक्ट 1973 के प्रावधानों के उल्लंघन का मामला बनता पाया गया है। इसी परिप्रेक्ष्य में उन्हें 7 दिवस के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं करने पर नियमानुसार दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध रूप से संचालित स्वास्थ्य संस्थानों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत लामता

जनपद पंचायत बालाघाट जिला बालाघाट(म.प्र.)

क्रमांक/ दिनांक 30.03.2026

निविदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत लामता में वित्तीय वर्ष 2026-27 में किये जाने वाले विभिन्न मदों (15 वॉ वित्त आयोग, 5 वा वित्त, विधायक निधि, सांसद निधि,गौण खनिज, sbm, वी बी जी राम जी, राज्य वित्त, स्टाम्प शुल्क अन्य)से निर्माण कार्य हेतु आवश्यक सामग्री सीमेंट गिट्टी रेत,लोहा,पेंट, गार्डन सामग्री, डिजिटल बोर्ड, तार, जाली,पोल मुरूम,मिट्टी,ईट, पाइप व अन्य सामग्री क्रय किया जाना व सेंटरिंग, मिक्सर मशीन, वाइब्रेटर किराए पर लिया जाने ग्राम पंचायत कार्यालय हेतु फर्नीचर, ई कक्ष संबंधित कंप्यूटर सामग्री,स्वच्छता संबंधी चेयर और कचरा पेटी क्रय किया जाने स्ट्रीट लाइट संबंधी नवीन कार्य व मरम्मत कार्य किया जाने हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय में मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

उक्त निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय में 30 मार्च 2026 से 05 अप्रैल 2026 तक कार्यालय समय पर जमा की जा सकती है अधिक जानकारी के लिए कार्यालय ग्राम पंचायत से संपर्क किया जा सकता है।

श्री हुलासमाल कोचर, सरपंच | श्री राजेंद्र मानेश्वर, उपसरपंच | आशीष रहाँगडाले, सचिव

शरद जायसवाल- सहायक सचिव

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत लामता जनपद पंचायत बालाघाट जिला बालाघाट

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक, बालाघाट में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक, बालाघाट में आज एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, बी.एड. कॉलेज तथा आईटीआई के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न तकनीकी गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने आधुनिक मॉडल एवं

प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। इन मॉडलों में वर्तमान समय में लोगों को हो रही समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उनके समाधान हेतु नवाचारपूर्ण विचारों को प्रदर्शित किया गया, जो समाज के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। इसके साथ ही पोस्टर मेकिंग एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री धनवाले (सेवानिवृत्त प्राध्यापक, शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज) एवं श्री कस्बे सर (सेवानिवृत्त प्राध्यापक, पीजी कॉलेज) उपस्थित रहे। साथ ही छत्तीसगढ़ से पधारे श्री तिवारी सर एवं श्री भंडारी सर भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में सभी डायरेक्टर, प्राचार्य एवं समस्त कर्मचारियों ने विशेष सहयोग प्रदान किया, जिसके परिणामस्वरूप यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया।

नगर पालिका की लापरवाही से सपनों का आशियाना अंधेरे में

बिल वसूली व्यवस्था न होने से 6 घंटे बिजली गुल, हितग्राही परेशान

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका की अव्यवस्थित कार्यप्रणाली का खामियाजा अब हितग्राहियों को भुगतना पड़ रहा है। सपनों के आशियाना पीएम आवास में रहने वाले लोगों को 30 मार्च को करीब 6 घंटे तक बिना बिजली के परेशान होना पड़ा। जानकारी के अनुसार नगर पालिका द्वारा यहां अस्थायी कनेक्शन के माध्यम से बिजली तो उपलब्ध करा दी गई है, लेकिन बिजली बिल वसूली के लिए कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं बनाई गई है। इसके चलते हितग्राही नियमित रूप से बिल जमा नहीं कर पा रहे हैं।

इसी अव्यवस्था के चलते नगर पालिका द्वारा समय-समय पर बिजली सप्लाई काट दी जाती है, जिससे यहां रहने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। 30 मार्च को भी इसी कारण अचानक बिजली बंद कर दी गई, जिससे पूरे क्षेत्र में अंधेरा छा गया और लोग घंटों तक परेशान होते रहे। हितग्राहियों का कहना है कि बिजली कटौती के दौरान नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया और न ही समस्या के समाधान के लिए तत्काल कोई पहल की गई। हालांकि बाद में आपसी सहमति के आधार पर बिल भुगतान की प्रक्रिया पूरी की गई, जिसके बाद बिजली सप्लाई बहाल की गई। नगर पालिका द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत फिल्टर प्लांट के आगे विकसित की जा रही आवासीय साइट पर करोड़ों रुपए की लागत से बनाए गए फ्लैटों में रह रहे हितग्राही आज भी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। योजना के तहत कई परिवारों को मकान तो आवंटित कर दिए गए, लेकिन आवश्यक सुविधाएं अब तक पूरी तरह उपलब्ध नहीं कराई जा सकी हैं। कॉलोनी में बिजली, पानी, सड़क और साफ-सफाई जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं अधूरी हैं। न तो नियमित रूप से कचरा वाहन यहां पहुंचता है और न ही नालियों की सफाई की जाती है। इससे कॉलोनी में गंदगी का माहौल बना हुआ है और रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे गंभीर समस्या बिजली व्यवस्था को लेकर सामने आई है। बताया जा रहा है कि नगर पालिका द्वारा बिजली बिल जमा करने की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं बनाई गई है, जिसके चलते आए दिन विवाद की स्थिति बनती रहती है। 30 मार्च की दोपहर करीब 3 बजे ऐसा ही एक मामला सामने आया, जब बिजली बिल जमा नहीं होने के कारण स्वयं नगर पालिका द्वारा ही कॉलोनी की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। बिजली बंद होने से हितग्राही घंटों तक अंधेरे और गर्मी में परेशान होते रहे। प्रारंभ में लोगों को यह तक जानकारी नहीं थी कि बिजली क्यों बंद हुई है। शाम होते-होते स्थिति स्पष्ट हुई, जिसके बाद रहवासियों ने आपसी सहयोग से राशि एकत्र कर बिजली बिल जमा कराया। इसके बाद रात करीब 9 बजे बिजली आपूर्ति पुन: बहाल हो सकी। रहवासियों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं यहां अक्सर होती रहती हैं, जिससे उन्हें बार-बार परेशानी झेलनी पड़ती है। वहीं, कॉलोनी तक पहुंचने वाला मार्ग भी अब तक पूरी तरह तैयार नहीं हो सका है, जिससे आवागमन में दिक्कत होती है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी और संबंधित इंजीनियर इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। कॉलोनी की देखरेख केवल कुछ कर्मचारियों के भरोसे छोड़ी गई है, जिसके कारण समस्याएं लगातार बनी हुई हैं। हितग्राहियों का कहना है कि शासन की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ उन्हें अधूरा ही मिल रहा है। मकान तो मिल गया, लेकिन सुविधाओं के अभाव में जीवन कठिन बना हुआ है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द कॉलोनी में सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि वे बेहतर और सुरक्षित वातावरण में रह सकें। यह स्थिति न केवल योजना के क्रियान्वयन पर सवाल खड़े करती है, बल्कि जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्न चिन्ह लगाती है।

भरवेली से लापता नाबालिक लड़की महाराष्ट्र राज्य के वर्धा जिले से दस्तयाब

अपहरण और दुष्कर्म के आरोप में मुख्य आरोपी और उसके दो सहयोगी गिरफ्तार, तीनों न्यायिक अभिरक्षा में भेजे गए जिला जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र से लापता एक नाबालिक लड़की को महाराष्ट्र राज्य के वर्धा जिले से दस्तयाब कर लिया गया। यह नाबालिक लड़की 7 दिन से लापता थी। जिसके अपहरण और दुष्कर्म के आरोप में मुख्य आरोपी और उसके दो सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार मुख्य आरोपी में सुमित पिता धनेंद्र गौतम 24 वर्ष और उसके दो सहयोगी जितेंद्र पिता श्यामलाल कटरे 31 वर्ष, मोहित पिता प्रभु दयाल बिसेन 24 वर्ष तीनों ग्राम खरखड़ी थाना खैरलांजी निवासी है। सभी को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। ज्ञात होगी इस नाबालिक लड़की की दस्तयाबी पर 10 हजार रुपये इनाम घोषित किया गया था

प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 एवं 23 मार्च की दरमियानी रात भरवेली थानाक्षेत्र से एक नाबालिक लड़की घर से बिना बताए निकल गई थी। दूसरे दिन इस लड़की के परिजनों ने उसकी काफी खोज भी नहीं की है किन्तु नहीं मिली। जिसके गुम होने की रिपोर्ट भरवेली पुलिस थाना में की गई थी। भरवेली पुलिस ने इस नाबालिक लड़की का अपहरण करने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की थीऔर पुलिस अधीक्षक द्वारा इस नाबालिक लड़की को दस्तयाब करने 10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था । वरिष्ठ पुलिस

अधिकारियों के निर्देशन में एक टीम बनाई गई थी।लगातार की जा रही तलाश के दौरान हाल में सूचना मिली कि यह नाबालिक लड़की महाराष्ट्र राज्य के वर्धा जिला के सेलू थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम घोरड़ मैं है। 29 और 30 मार्च की दरमियानी की रात पुलिस टीम ने ग्राम घोरड़ के एक फार्म हाउस में इस नाबालिक लड़की को सुमित गौतम के साथ दस्तयाब किये और दोनों को भरवेली थाना लाये।भरवेली थाना क्षेत्र में रहने वाली नाबालिक लड़की से सुमित गौतम पूर्व परिचित थाम बताया गया है कि 1 वर्ष पहले एक वैवाहिक कार्यक्रम में सुमित और इस नाबालिक लड़की की जान पहचान हुई थी और तभी से दोनों मोबाइल से बातचीत करने लगे थे और दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए थे और इस प्रेम संबंध के चलते सुमित गौतम ने इस नाबालिक लड़की को अपने दो साथी के साथ कार में भगा कर ले गया था। । लड़की से पूछताछ करने पर उसने सुमित गौतम द्वारा अपने दोस्तों के साथ स्विफ्ट कार में ले जाने और सुमित गौतम द्वारा शादी का प्रलोभन देकर उसके साथ दुष्कर्म करने के संबंध में बताई।

इस मामले में इस नाबालिक लड़की का अपहरण और उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम और अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है। भरवेली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सुमित गौतम के सहयोगी जितेंद्र कटरे और मोहित बिसेन को भी गिरफ्तार कर लिए। तीनों आरोपी ग्राम खरखड़ी थाना खैरलांजी निवासी है। 31 मार्च को भरवेली पुलिस ने तीनो आरोपी को बालाघाट की विशेष अदालत में पेश कर दिए जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। इस मामले में और भी आरोपी सकते हैं इस मामले में प्रयुक्त और स्विफ्ट कार जप्त करना शेष रह गया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस नाबालिक लड़की को दस्तयाब करने और इस मामले के आरोपियों को गिरफ्तार करने में भरवेली थाना प्रभारी भूपेंद्र पन्द्रों के नेतृत्व में उप निरीक्षक आर पी मेश्राम, प्रधान आरक्षक राहुल गौतम साइबर सेल से आरक्षक तिलक अड़मे के अलावा खैरलांजी पुलिस की सराहनीय भूमिका रही।

जाति जनगणना को लेकर आदिवासी समाज की बैठक, जागरूकता अभियान को लेकर की चर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के स्थानीय आदिवासी समाज के भवन में 31 मार्च को अखिल भारतीय आदिवासी समाज के अंतर्गत आने वाले दसों ब्लॉकों के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और नागरिकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी वर्षों में प्रस्तावित जाति जनगणना को लेकर समाज में जागरूकता बढ़ाने और पिछली जनगणना में हुई त्रुटियों से सबक लेने पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में समाज के पदाधिकारी भुवनसिंह कुर्राम और श्री मरकाम ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2026-27 के दौरान जाति आधारित जनगणना प्रस्तावित है। इसको ध्यान में रखते हुए समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक सही जानकारी पहुंचाना और उन्हें जागरूक करना बेहद आवश्यक है, ताकि इस बार जनगणना में किसी प्रकार की त्रुटि न हो। उन्होंने बताया कि पिछली बार हुई जाति जनगणना के दौरान समाज के कई लोगों को इसकी सही जानकारी नहीं थी, जिसके कारण आंकड़ों में काफी विसंगतियां रह गई थीं। जागरूकता के अभाव में कई परिवारों की सही जानकारी दर्ज नहीं हो सकी, जिससे समाज की वास्तविक स्थिति शासन तक नहीं पहुंच पाई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में समाज स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत गांव-गांव और घर-घर जाकर लोगों को जनगणना की प्रक्रिया, उसके महत्व और सही जानकारी दर्ज कराने के बारे में बताया जाएगा। सामाजिक पदाधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि जब तक समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी सही जानकारी नहीं देगा, तब तक शासन-प्रशासन तक समाज की वास्तविक स्थिति नहीं पहुंच पाएगी। इसलिए सभी समाजजनों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भी अपने सुझाव रखते हुए कहा कि युवाओं को इस अभियान में विशेष रूप से जोड़ा जाए, ताकि वे डिजिटल और अन्य माध्यमों से अधिक से अधिक लोगों तक जानकारी पहुंचा सकें। कार्यक्रम में दसों ब्लॉकों से पहुंचे समाजजनों ने एकजुट होकर यह संकल्प लिया कि इस बार जाति जनगणना को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ सफल बनाया जाएगा। बैठक के अंत में समाज के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने यह विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों से न केवल समाज में जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि आने वाली जनगणना में समाज की सही और पूर्ण जानकारी दर्ज हो सकेगी, जिससे भविष्य में योजनाओं का लाभ भी समाज को बेहतर तरीके से मिल सकेगा।

एएनएम की बैठक में संयुक्त एसोसिएशन का गठन, मांगों को लेकर आंदोलन की रणनीति तैयार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी एएनएम ने मंगलवार को अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से शहर मुख्यालय के आम्बेडकर चौक स्थित उद्यान में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में जिले के सभी विकासखंडों से बड़ी संख्या में एएनएम शामिल हुईं, जहां एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करने का निर्णय लिया गया।

बैठक के दौरान सर्वसम्मति से संयुक्त एएनएम एसोसिएशन का गठन किया गया। संगठन के गठन के साथ ही कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई, जिसमें जिलाध्यक्ष पद पर श्रीमती गीता मेश्राम को मनोनीत किया गया। इसके अलावा उपाध्यक्ष के रूप में वीणा तांडी और चैनवती, सचिव पद पर रानी चक्रवती एवं माधुरी चोरनेले, सहसचिव के रूप में गायत्री राणा और सीमा मर्सकोले को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसी तरह कोषाध्यक्ष पद पर शीला राहंगडाले और रेखा पटले, प्रवक्ता के रूप में तरन्नुम परविन और योगिता शिवाले, जबकि मीडिया प्रभारी के रूप में ललिता अमूले और श्रीता जैसवाल को नियुक्त किया गया। सभी पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने और एएनएम की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। नव-नियुक्त जिलाध्यक्ष श्रीमती गीता मेश्राम ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि एएनएम लंबे समय से विभिन्न समस्याओं से जूझ रही हैं, जिनमें प्रमुख रूप से नर्सिंग कैडर से एएनएम को बाहर किया जाना और वेतन विसंगति शामिल है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि एएनएम को पुन: नर्सिंग कैडर में शामिल किया जाना चाहिए और उनकी वेतन संबंधी समस्याओं का जल्द समाधान किया जाना आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता है, तो संगठन द्वारा चरणबद्ध आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। इसके लिए सभी एएनएम को एकजुट रहकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना होगा। बैठक में उपस्थित एएनएम ने भी अपने-अपने विचार रखते हुए कार्य परिस्थितियों में सुधार, सम्मानजनक वेतन और सेवा सुरक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया। सभी ने एक स्वर में कहा कि लंबे समय से लंबित समस्याओं का समाधान अब टालना संभव नहीं है।

माता कर्मा जयंती पर सामाजिक एकता का संदेश, प्रवीण मदनकर निर्विरोध युवा जिलाध्यक्ष बने

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला तेली साहू समाज द्वारा भक्त शिरोमणी माता कर्मा की जयंती श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में समाज की एकजुटता, संगठन विस्तार और युवाओं की भूमिका को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिए गए। खास बात यह रही कि युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष पद के लिए हुए निर्वाचन में आपसी सहमति से प्रवीण मदनकर को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया, जिसने समाज में एकता का मजबूत उदाहरण प्रस्तुत किया। मंगलवार को स्थानीय होटल शीतल पैलेस में आयोजित कार्यक्रम सुबह 11 बजे से प्रारंभ हुआ, जिसमें समाज के पदाधिकारी, महिला प्रकोष्ठ की सदस्याएं और बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का माहौल पूरी तरह श्रद्धा और अनुशासन से भरा रहा।

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष राजेंद्र मानवटकर, संरक्षक नारायण मदनकर, कोषाध्यक्ष गोधन लांजेवार, उपाध्यक्ष हीरा बावनकर, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष ज्ञानेश्वरी भोंगाड़े एवं उपाध्यक्ष सुनीता मानवटकर सहित अन्य गणमान्य अतिथि मंचासीन रहे। सभी अतिथियों और उपस्थितजनों ने माता कर्मा एवं संत जगनाडे महाराज के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात आरती और प्रसाद वितरण किया गया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने माता कर्मा के जीवन, उनके त्याग, सेवा और समाज के प्रति समर्पण को याद करते हुए कहा कि उनके आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने, शिक्षा को बढ़ावा देने और सामाजिक समरसता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। साथ ही संगठन को मजबूत करने और जिलेभर में कार्यकारिणी के विस्तार की आवश्यकता भी बताई गई। जयंती समारोह के दौरान युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन प्रक्रिया भी संपन्न हुई। इस पद के लिए प्रवीण मदनकर, केशव बैस सिहराटोला, वारासिवनी, शिव अगासे सांवगी और महेश मेहरकर ग्राम खारी, लालबर्रा ने दावेदारी प्रस्तुत की थी। हालांकि समाज की एकता को सर्वोपरि रखते हुए सभी प्रत्याशियों ने आपसी सहमति से प्रवीण मदनकर को समर्थन दे दिया। इसके चलते उन्हें निर्विरोध युवा जिला अध्यक्ष घोषित किया गया। यह निर्णय समाज में आपसी समन्वय और परिपक्वता का उदाहरण माना जा रहा है। प्रवीण मदनकर के निर्वाचित होने पर उपस्थितजनों ने उनका स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दीं। जिला अध्यक्ष राजेंद्र मानवटकर ने उन्हें शीघ्र कार्यकारिणी का विस्तार करने और समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। नवनियुक्त युवा जिलाध्यक्ष प्रवीण मदनकर ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे।

करोड़ों खर्च फिर भी ग्रामीण प्यासे, विभाग की उदासीनता से गहराया जल संकट

नल जल योजना हुई फेल, गर्मी शुरू होते ही नियमित रूप से नही मिल रहा पानी, ग्रामीणजन परेशान, जिम्मेदार मौन

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

गर्मी की दस्तक के साथ ही ग्रामीण इलाकों में जल संकट ने विकराल रूप धारण करना शुरू कर दिया है। शासन द्वारा हर घर नल, हर घर जल के तहत करोड़ों रूपयों की नल-जल योजना प्रारंभ की गई है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में नल सूखे पड़े हुए है। जिससे लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लग रहे है। लालबर्रा विकासखंड की नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी, अमोली, पनबिहरी, बकोड़ा, मिरेगांव, बोरी सहित अन्य पंचायतों के ग्रामीणजनों को विगत दिवस से नियमित रूप से नल-जल योजना का पानी नही मिल पा रहा है एवं कुछ पंचायतों में पानी तो नल में आ रहा है किन्तु पर्याप्त मात्रा में नही आ पा रहा है। ऐसी स्थिति में इस भीषण गर्मी में ग्रामीणजनों को पानी के लिए खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि गर्मी के दिनों में नल-जल योजना का पानी नियमित रूप से मिलना चाहिए किन्तु ऐसा लालबर्रा विकासखण्ड में नही हो रहा है। कुछ स्थानों पर तो दो से तीन दिन में एक बार पानी दिया जा रहा है वह भी बहुत कम मात्रा में। जिसका मुख्य कारण बताया जा रहा है कि कई स्थानों की पाइपलाईन क्षतिग्रस्त हो चुकी है। साथ ही पूर्व में जो पाइपलाईन बिछाई गई है वह सही तरीके से नही बिछाई गई है जिसके कारण भी नियमित रूप से पानी नही मिल पा रहा है। जबकि इस समस्या से कई बार जिम्मेदारों को अवगत करवा दिया गया है लेकिन उनके द्वारा भी इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। इस तरह से पीएचई विभाग की उदासीनता के चलते नल-जल योजना फेल होते नजर आ रही है और करोड़ों खर्च के बाद में ग्रामीणजन प्यासे है। पांढरवानी, अमोली, पनबिहरी, मिरेगांव, बकोड़ा सहित अन्य ग्रामों के ग्रामीणजनों ने शासन-प्रशासन से नल-जल योजना की पाइपलाईन में आई तकनीकी खराबी को दुरूस्त कर नियमित रूप से पर्याप्त पानी प्रदाय करने की मांग की है।

करोड़ों की लागत, फिर भी खाली बाल्टी

आपकों बता दे कि सरकार ने इस मंशा से नल जल योजना शुरू की थी कि महिलाओं को पानी के लिए दूर न जाना पड़े और शुध्द पेयजल घर पर ही मिले। जिसके लिए सरकार के द्वारा करोड़ों रूपयों की लागत से नल-जल योजना के माध्यम से गांव-गांव में पाइपलाईन बिछाई गई है और बड़ी-बड़ी पानी की टंकियों का निर्माण किया गया। साथ ही छिंदलई वैनगंगा नदी का पानी जाम में बने जल शोधन संयंत्र केन्द्र में पानी फिल्टर कर पाइपलाईन के माध्यम से ग्रामीणजनों को पानी सप्लाई हेतु घर-घर में नल कनेक्शन भी किया गया है। लेकिन पाइपलाईन में आई तकनीकी खराबी के कारण या फिर वैनगंगा नदी में जल स्तर कम हो जाने के कारण क्षेत्रीयजनों को वर्तमान समय में पर्याप्त पानी नही मिल पा रहा है। किन्तु जानकारी मिल रही है कि पाइपलाईन जगह-जगह से खराब हो जाने के कारण क्षेत्रीयजनों को पर्याप्त पानी नही मिल पा रहा है। वहीं इस समस्या को दुरूस्त करने में पीएचई विभाग ध्यान नही दे रहा है जिसके कारण वर्तमान में यह पूरी व्यवस्था विफल साबित होते नजर आ रही है।

गर्मी शुरू होते ही कुओं का जलस्तर हुआ कम

गर्मी शुरू होते ही गांवों के कुएं एवं हेंडपंप का जलस्तर नीचे चला गया है, जिससे लोग पूरी तरह सरकारी नल योजना पर निर्भर थे, लेकिन वहां से भी निराशा ही हाथ लग रही है। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग ने कागजों पर काम पूरा दिखाने के लिए गांव की गलियों में पाइपलाईन तो बिछा दी और घरों के बाहर कनेक्शन भी दे दिये, लेकिन इन नलों से पानी की एक बूंद भी नहीं टपकती। लोगों का कहना है कि प्रशासन केवल आंकड़े बाजी में लगा है, जबकि हकीकत में जनता प्यासी है। वहीं भीषण गर्मी को देखते हुए ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि नल जल योजना की तकनीकी खामियों को तुरंत दूर किया जाये। यदि समय रहते जलापूर्ति शुरू नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी भयावह हो सकती है। फिलहाल, ग्रामीण निजी टैंकरों या दूर-दराज के जल स्त्रोत से पानी ढोने को मजबूर हैं, जिससे उनकी दैनिक दिनचर्या और आर्थिक स्थिति दोनों प्रभावित हो रही है।

4-5 दिनों से नही मिल रहा है पानी - मुकेश

मुकेश शर्मा ने बताया कि नल जल योजना का पानी नहीं मिलने के कारण ग्रामीणजन दूर स्थित हेंडपंप व कुएं से पानी ला रहे है जिससे उन्हे परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं जाम जल शोधन केन्द्र या पाइपलाईन में आई तकनीकी खराबी के कारण पानी नही मिल पा रहा है और 4 से 5 दिनों से नल-जल योजना का पानी नही मिल रहा है जिसके कारण सभी पानी के लिए परेशान हो रहे है।

तकनीकी खराबी को दुरूस्त कर नियमित पानी सप्लाई करें पीएचई विभाग - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि नल जल योजना ठप्प होने जाने के कारण लोगों के घरों में शुध्द पेयजल नहीं पहुंच पा रहा हैं परंतु पांढरवानी पंचायत की स्वयं की नल जल योजना संचालित है इसलिए हम लोग ग्रामीणों को शुध्द पेयजल उपलब्ध करवा रहे है किन्तु अन्य पंचायतों के ग्रामीणों को नल-जल योजना का नियमित रूप से पानी नही मिलने से उन्हे पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। श्री खान ने बताया कि हमारे पास पानी के स्त्रोत पर्याप्त है जिससे हम लोगों तक पानी पहुंच पा रहे हैं, संबंधित विभाग से चर्चा की गई है उनका कहना है कि जल्द व्यवस्था में सुधार कर लोगों के घरों तक शुध्द पेयजल पहुंचाने का प्रयास किया जायेगा। हमारा पीएचई विभाग से मांग है कि जो तकनीकी खराबी है है उसे जल्द दुरूस्त कर क्षेत्रीयजनों को नियमित रूप से पानी सप्लाई करें।

इनका कहना है-

टेल क्षेत्र में पानी पहुंचाने के लिए कुछ स्थानों पर एक दिन में पानी सप्लाई किया जा रहा है एवं कुछ स्थानों पर नियमित रूप से नल-जल योजना का पानी मिल रहा है। साथ ही जिस स्थान पर पानी स्टोर होता है उस स्थान पर रेत जमा हो गई है जिसकी जल्द सफाई करवाई जायेगी, जिसके बाद क्षेत्रीयजनों को पर्याप्त मात्रा में पानी मिलेगा।

विजय तिवारी
प्रभारी एसडीओं
पीएचई विभाग लालबर्रा।

महात्मा फुले एवं डॉ. अंबेडकर संयुक्त जयंती समारोह का भव्य आयोजन 14 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के महात्मा फुले प्रतिमा स्थल पर महात्मा फुले, बिरसा मुंडा, डॉ. भीमराव अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के तत्वाधान में 14 अप्रैल को महात्मा 'योतिबाराव फुले एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर की संयुक्त रूप से जयंती समारोह कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया है। चर्चा में समिति के सदस्य, सामाजिक सदस्य प्रमोद चौहान ने बताया कि इस जयंती समारोह के अंतर्गत 11 अप्रैल से विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला से प्रारंभ होगी। जिसमें 11 अप्रैल को महात्मा 'योतिबाराव फुले जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जायेगा, 13 अप्रैल को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा, जिसमें बच्चों के द्वारा गीत, नृत्य, नाटक एवं संविधान पर आधारित प्रस्तुतियां दी जायेगी। 14 अप्रैल को प्रात: 8.30 बजे मोटरसाइकिल रैली निकाली जायेगी तत्पश्चात महापुरूषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन किया जायेगा। जिसके बाद दिनभर विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगें एवं दोपहर 2 बजे से भव्य कव्वाली कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। जिसमें मुंबई के प्रसिध्द कलाकार सुरज आतिश अपनी प्रस्तुति देंगे। आगे बताया कि इस अवसर पर समिति के द्वारा समारोह के दौरान उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया जायेगा तथा समाज में जागरूकता एवं एकता का संदेश दिया जायेगा। श्री चौहान ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य है कि समाज के महापुरूषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने एवं नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। आगे बताया कि उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मान. इंजीनियर किशोर (बालाघाट) उपस्थित रहेंगे। वहीं प्रमुख अतिथियों में (जी.एस.टी. कमिश्नर जबलपुर) लोकेश लिल्हारे, (सहायक भविष्य निधि आयुक्त जबलपुर) रूपसिंह मड़ावी, (आर्थोपेडिक विशेषज्ञ) डॉ.अजीत गनवीर, (जनरल फिजिशियन) डॉ. देव प्रकाश लिल्हारे, विशेष अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत पांढरवानी सरपंच अनीस खान, समाजसेवी श्यामलाल पंचेश्वर एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष झनकार सिंह उइके करेगें एवं कार्यक्रम का संचालन संयोजक देवानंद बोकर के द्वारा किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील महात्मा फुले, बिरसा मुंडा, डॉ. भीमराव अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने की है।

खारी में नवनिर्मित श्रीराम मंदिर का लोकार्पण एवं श्रीमद् भागवत महापुराण का भव्य आयोजन 4 से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी. दूर ग्राम पंचायत खारी में भक्ति और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। बजरंग दल, श्रीराम मंदिर महिला वाहिनी सेवा समिति एवं समस्त ग्रामवासियों के तत्वाधान में आगामी 4 अप्रैल से नवनिर्मित श्रीराम मंदिर का लोकार्पण, प्राण प्रतिष्ठा एवं संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण का भव्य आयोजन होने जा रहा है। साथ ही ग्रामीणों के जनसहयोग से निर्मित इस भव्य मंदिर का कार्य पूर्ण हो चुका है, जिसे अब जनमानस को समर्पित किया जायेगा। इस भव्य आयोजन को शास्त्रोक्त विधि से संपन्न करवाने के लिए वाराणसी से आचार्य पंकज मिश्रा, अयोध्या से आचार्य आनंद तिवारी एवं मैहर से पंडित अनिल तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। वहीं कार्यक्रम की सफलता के लिए बजरंग दल समिति, श्रीराम मंदिर महिला वाहिनी समिति एवं समस्त ग्रामवासी दिन-रात तैयारियों में जुटे हुए हैं और तैयारी अंतिम चरण में है। वहीं इस 8 दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण से पूरे ग्राम में ज्ञान की गंगा बहेगी जिसका क्षेत्रीयजन पुण्यलाभ अर्जित करेगें।

कलश यात्रा के साथ होगा शुभारंभ

आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 8 दिवसीय इस धार्मिक महोत्सव का आगाज 4 अप्रैल को भव्य कलश शोभायात्रा के साथ होगा। इसी दिन मंदिर का लोकार्पण, गणेश पूजन और भागवत महात्म्य के साथ कार्यक्रम की शुरूआत होगी। वहीं श्रीमद् भागवत कथा में वृंदावन की सुप्रसिध्द कथावाचिका बाल विदुषी वेदिका मिश्रा द्वारा 4 अप्रैल से 10 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक भगवान श्रीकृष्ण की जीवनलीलाओं पर संगीतमय प्रवचन दिये जायेगें। जिसमें 4 अप्रैल को कलश शोभा यात्रा, मंदिर लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न होगा। 5 अप्रैल को भक्ति ज्ञान वैराग्य एवं धुंधकारी उध्दार, 6 अप्रैल को भगवान श्रीराम एवं शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा, सुखदेव-परीक्षित जन्म, गजेंद्र मोक्ष, 7 अप्रैल को अजामिल उपाख्यान, ध्रुव-प्रहलाद चरित्र, वामन अवतार एवं राम-कृष्ण जन्मोत्सव, 8 अप्रैल को गोवर्धन पूजन एवं भगवान की संपूर्ण बाल लीलाएं, 9 अप्रैल को श्रीकृष्ण-रूखमणी विवाह प्रसंग, 10 अप्रैल को उध्दव प्रसंग, कलयुग वर्णन, सुदामा चरित्र एवं व्यास पूजन, 11 अप्रैल को हवन, कन्या पूजन, अतिथि सम्मान एवं विशाल महाप्रसादी वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया जायेगा।

इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील समिति के सदस्य दिनेश सपाटे, श्रीराम चौहान, उमेश सपाटे, हरिश मानेश्वर, कमलेश गौतम, अंकित बाहेश्वर, तपेश गौतम, दिपांशु ठाकरे, विकास ठाकरे, अंकित हटवार, प्रफुल हरिनखेडे, रितिक सार्वे, मोन्टु बोपचे, किशोर ठाकरे, कमलेश माने, दिपक मात्रे, अवनिश गौतम, दुर्गाप्रसाद चौधरी, यशवंत राणा, आकाश गोयल, डेविड वर्मा, शैलेष गौतम, निरज हरिनखेड़े, भागचंद बाहेश्वर, चित्रसेन बोपचे, कपिल ठाकरे, मोहित सपाटे, डिलेश बड्डे, पवन सपाटे, शैलेष शेंडे, अभय बाहेश्वर, हेमंत सार्वे, राकेश लानगे, थानसिंह बोपचे, मनीष बडडे, आशीष सपाटे, नरेश सपाटे, सागर बारमाटे, राकेश गोयल, हिमांशु मोहतुरे, खिलेन्द्र कारे सहित बजरंग दल, श्रीराम मंदिर महिला वाहिनी सेवा समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं ग्रामीणजनों ने की है।

रमपुरी से मोहगांव जाम पहुंच मार्ग खराब, आवागमन में हो रही परेशानी

ग्रामीण एवं राहगीरों ने सड़क का जल्द निर्माण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी. दूर ग्राम पंचायत रमपुरी से मोहगांव जाम पहुंच मार्ग करीब दो किमी. की सड़क का खस्ताहाल हो चुका है। जिसके कारण इस मार्ग से आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है एवं पूर्व में हादसे भी हो चुके। वहीं इस सड़क का निर्माण करवाने की लंबे समय से मांग की जा रही है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है। आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत रमपुरी से मोहगांव जाम की ओर जाने वाले मार्ग कुछ दुरी तक कच्चा है एवं कुछ दुरी तक विगत वर्ष पूर्व सीमेन्टीकरण सड़क का निर्माण किया गया था। लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण सीमेन्टीकरण सड़क भी उखड़ चुकी है। जिसके कारण आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही मार्ग में बने गड्डों के कारण दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। जबकि इस मार्ग से आधा दर्जन से अधिक ग्रामों के ग्रामीणजन आवागमन करते है। वहीं बरसात के दिनों में इस मार्ग से आवागमन करने वाले राहगीर, ग्रामीण एवं किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या से कई बार जिम्मेदार जनप्रतिनिधि एवं सड़क विभाग को अवगत करवा चुके है। लेकिन उनके द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे सभी में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीण एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से रमपुरी से मोहगांव जाम पहुंच मार्ग का जल्द निर्माण करवाने की मांग की है ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

सड़क का जल्द निर्माण करवाये प्रशासन - श्यामलाल

रमपुरी सरपंच श्यामलाल मानेश्वर ने बताया कि रमपुरी से मोहगांव जाम पहुंच मार्ग तालाब की सीमा तक सड़क खराब हो चुकी है पूर्व में कुछ दुरी तक सीमेन्टीकरण सड़क का निर्माण किया गया था। लेकिन बरसात के दिनों में उसके ऊपर से पानी बहने के कारण वह पुरी तरह से खराब हो चुकी है एवं गड्डे बन गये है जिसके कारण आने-जाने में परेशानी होती है और दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। श्री मानेश्वर ने बताया कि इस मार्ग से ग्रामीणजन एवं राहगीर आवागमन करते है, लेकिन बरसात के दिनों में काफी परेशानी होती है। शासन-प्रशासन से मांग है कि इस सड़क का जल्द पक्का निर्माण करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

मिर्च का परिवहन कर रहे ३ ट्रकों पर मंडी प्रशासन की बड़ी कार्यवाही

ट्रक की क्षमता से अधिक मिर्च पर 66 हजार से अधिक का वसूला जुर्माना

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी। नगर के मुख्य मार्ग पर कृषि उपज के अवैध परिवहन को रोकने के लिए मंडी प्रशासन ने सक्रियता दिखाते हुए बड़ी कार्यवाही की है। मंडी उड़नदस्ता दल ने ३१ मार्च की सुबह क्षेत्र निरीक्षण के दौरान तीन ट्रकों को पकड़ा। यह कार्यवाही एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल के निर्देशानुसार एवं कृषि उपज मंडी सचिव गेलनसिंह मसराम के मार्गदर्शन में की गई। इन वाहनों में क्षमता से अधिक मिर्च लदी हुई थी और परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज नही होने पर म.प्र. कृषि उपज मंडी अधिनियम १९७२ के तहत कुल ६६६१९ रुपये का जुर्माना वसूला गया।

चेकिंग के दौरान पकड़ाया अवैध परिवहन

मंडी उड़नदस्ता दल प्रभारी नगेंद्र रंगारे के साथ विशाल राजपूत ,विक्रांत देशमुख ,नखन सिंह धुर्वे एवं रूपलाल ऊईके जब क्षेत्र में निरीक्षण कर रहे थे। तभी नागपुर से बालाघाट की ओर आ रहे तीन ट्रकों को रोककर उनकी जांच की गई। जांच के दौरान पाया गया कि वाहनों में निर्धारित मापदंड से कहीं अधिक मात्रा में मिर्च भरी हुई थी और चालकों के पास इसके वैध कागजात मौजूद नहीं थे।

यह हुई कार्यवाही

मंडी अधिनियम की धारा १९,६ के उल्लंघन पर प्रशासन ने ५ गुना मंडी शुल्क, निराश्रित शुल्क और समझौता शुल्क के तहत चालानी कार्यवाही की गई। जिसमें वाहन क्रमांक एम एच ४० डीसी ५६२५ जो गुजरात किराना बालाघाट का ट्रक है,जिसमें ४८.६१ क्विंटल मिर्च ज्यादा थी। जिस पर १८७०८ रुपए की चालानी कार्यवाही की गई। इसी प्रकार ट्रक क्रमांक एम एच ४० बी एल ३७४९ जो फिज़ा कॉरपोरेशन बालाघाट का ट्रक था जिसमें ५७.९७ क्विंटल मिर्च अधिक थी जिस पर २१३२६ रुपए की चालानी कार्यवाही की गई। वहीं एम एच ४० सी डी ५७८० जो कासम कच्छी बालाघाट कतराक था उसमें ४१.८१ क्विंटल मिर्च ज्यादा थी। जिस पर २६५८५ रुपए की चालानी कार्यवाही की गई। इस प्रकार तीनों ट्रैकों पर कुल १४८.३९ क्विंटल मिर्च अधिक होने पर ६६६१९ रुपए के चालान से दंडित किया गया। वहीं गाड़ियों को शुल्क जमा करने पर छोड़ दिया गया।

५ गुना मंडी शुल्क के तहत की गई कार्यवाही-नागेंद्र रंगारे

निरीक्षक नागेंद्र रंगारे ने बताया कि नगर और आसपास के क्षेत्रों में कृषि उपज के अवैध परिवहन की शिकायत पर उड़नदस्ता दल लगातार सड़कों पर निगरानी रखे हुए है। इसी कड़ी में तीन ट्रक मिले जिसमें कृषि उपज मिर्च भरी हुई थी जिसका कांटा कराया गया तो उसमें नियम अनुसार अधिक मिर्च भरी हुई थी। जिस पर मंडी अधिनियम की धारा १९,६ के तहत प्रकरण तैयार कर कुल ६६६१९ रुपए ५ गुना मंडी शुल्क के रूप में लिया गया। यह सभी ट्रक बालाघाट के है जो नागपुर से आ रहे थे शुल्क लेने के बाद सभी को छोड़ दिया गया है। शासन के नियमों का उल्लंघन कर बिना दस्तावेजों के कृषि उपज का परिवहन करना दंडनीय है। यह कार्रवाई व्यापारियों को सचेत करने के लिए है कि वे मंडी शुल्क की चोरी ना करें।

श्रीराम मंदिर निर्माण को लेकर सर्वसमुदाय की बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के श्रीराम मंदिर को भव्य रूप में मनाने हेतु श्री राम मंदिर परिसर में सर्वसमुदाय की उपस्थिति में बैठक आहूत की गई। बैठक के दौरान मौजूद लोगों ने श्रीराम मंदिर को भव्य रूप में बनाने हेतु अपनी अपनी राय दी। बैठक में समिति के गठन, कार्यकारिणी का निर्माण,नक्शा बनवाने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में बताया कि श्री राम मंदिर की लगभग ६५ एकड़ जमीन है मगर कुछ लोगों के द्वारा विभिन्न स्थानों पर कब्जा कर लिया है। जिसके कारण लगभग ४५ एकड़ ही जमीन बची हुई है जिसके कागजात भी समिति के पास मौजूद है मंदिर की भूमि को संरक्षित किया जाएगा ।उस जमीन को बेचा नहीं जाएगा बल्कि सभी के सहयोग से एक भव्य मंदिर का निर्माण किया जाएगा।

मंदिर निर्माण कर मंदिर की कब्जा की हुई जमीन को करेंगे अतिक्रमण मुक्त- योगेंद्र निर्मल

पूर्व विधायक डॉक्टर योगेंद्र निर्मल ने कहा कि लंबे समय से मंदिर निर्माण को लेकर चर्चा हो रही थी। आज बहुत खुशी की बात है कि बहुत जल्द समिति का गठन करके मंदिर का निर्माण किया जाएगा। मंदिर निर्माण के साथ ही विद्यार्थियों के लिए लाइब्रेरी बनाने की बात सभी ने रखी है। मंदिर की जमीन अतिक्रमण की बात समाने आई है उसे भी मुक्त किया जाएगा और बहुत जल्द मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

सभी के सहयोग से किया जाएगा भव्य मंदिर का निर्माण कार्य -विवेक पटेल

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि भगवान चाहे तो रावण को अकेले मार सकते थे उन्होंने सबरी की झूठी बेर खाई। और सामाजिक समरता का परिचय दिया,नल, नीर, सुग्रीव को उन्होंने जमा किया और मिलकर रावण को मारा। हम भी सभी लोगों के सहयोग से भव्य मंदिर का निर्माण करेंगे। कौन व्यक्ति क्या बोल रहा है हमें उसकी बातों पर ध्यान नहीं देना है बस हमें मंदिर का निर्माण करना है। यह खुशी का पल है कि लंबे इंतजार के बाद अब भव्य रूप में मंदिर का निर्माण किया जाएगा। हम भगवान राम को मानने वाले सनातन धर्म के लोग है बहुत जल्द मंदिर की ड्राइंग और बजट सभी के समक्ष रखा जाएगा और सभी को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के हर घरों से दान राशि ली जाएगी। चाहे कितना भी दान दे सभी का सहयोग मंदिर बनाने में लगेगा।

ये रहे मौजूद

इस दौरान विक्रम देशमुख,निरंजन बिसेन, अजय देवनाथ बिसेन, छगन हनवत, तम्मू खंडेलकवर, विक्की ऐडे, कैलाश दुल्हानी, सुदेश गुड्डू सोनी, शैलेन्द्र शेट्टी, किशोर बंसोडकर,झामसिंह भगत,हर्ष ठाकुर, धीरज रूसिया,शैलेन्द्र तिवारी,प्रबल मिश्रा, जगमोहन निराला, हितेंद्र पात्रे,सौरभ पटेल, वीरू सोहने, विजय बिसेन,शशि श्रीवास्तव, प्रवीण रूसिया, संजय अग्रवाल सहित सभी भक्तजन मौजूद रहे।

सूने मकान में लाखों की चोरी चोरों ने हाथ साफ कर पुलिस को दी चुनौती

अज्ञात चोरों ने शिवधाम वासियों की फिर उड़ाई नींद

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम वारा के वार्ड नंबर २० शिवधाम मोहल्ला में सोमवार मंगलवार की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने एक बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने शासकीय ठेकेदार प्रवीण खरोले के सूने मकान को निशाना बनाते हुए करीब ७ तोला सोना, आधा किलो चांदी और नगदी सहित लाखों के माल पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय परिवार उपचार हेतु गोंदिया गया हुआ था।

उपचार के लिए बाहर था परिवार पीछे से हो गई वारदात

प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व जनपद सदस्य श्रीमती रंजीता खरोले का स्वास्थ्य ३० मार्च की सुबह अचानक खराब हो गया था। उनके पति शासकीय ठेकेदार प्रवीण खरोले उन्हें सुबह १० बजे उपचार के लिए गोंदिया के एक निजी अस्पताल ले गए थे। अस्पताल में श्रीमती खरोले का ऑपरेशन होने के कारण पूरा परिवार दोनों पुत्र और पुत्री भी ३१ मार्च को घर में ताला लगा होने से वह गोंदिया अस्पताल चले गए थे। ३१ मार्च को अस्पताल से छुट्टी होने पर पूरा परिवार वापस घर के लिए निकला। तो इस दौरान सबसे पहले शाम करीब ४.३० बजे जब उनका पुत्र आदर्श खरोले घर वापस लौटा तो उसके होश उड़ गए। घर के मुख्य दरवाजे के ताले का कुंदा टूटा हुआ था और अंदर का सारा सामान अस्त व्यस्त बिखरा पड़ा था। घटना की सूचना तत्काल डायल ११२ और स्थानीय पुलिस थाने को दी गई जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और जांच शुरू कर दी है।

चोरी गई संपत्ति का विवरण

चोरों ने घर के दोनों बेडरूम की अलमारियों के लॉकर तोड़कर कीमती जेवरात और नगदी पार कर दी। चोरी गई सामग्री में मुख्य रूप से सोना के ३ मंगलसूत्र,२ कान के टॉप्स व अन्य जेवर कुल करीब ७ तोला। वहीं चांदी के ५० तोले की २ नग पायल, १ चांदी की चैन और २ अंगूठी सहित करीब १७००० रुपये नगदी अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर लिया गया।

शिवधाम में भय व्याप्त

शिवधाम मोहल्ले के निवासियों ने पुलिस प्रशासन के प्रति भारी नाराजगी व्याप्त है। शिवधाम में चोरी की यह पहली घटना नहीं है इससे पहले भी कई बार चोरियों हो चुकी हैं। लेकिन पुलिस आज तक एक भी मामले का खुलासा नहीं कर पाई है। बार बार हो रही वारदातों से क्षेत्र में भय और असुरक्षा का माहौल है। फिलहाल पुलिस अज्ञात आरोपियों की तलाश में जुट गई है। लेकिन अब देखना यह होगा कि क्या इस बार चोर कानून के शिकंजे में आते हैं या हर बार की तरह पुलिस के हाथ खाली ही रहते हैं।

पुलिस प्रशासन अज्ञात चोरो को गिरफ्तार करें-प्रवीण खरोले

प्रवीण खरोले ने बताया की सोमवार की सुबह मेरी पत्नी की तबीयत खराब होने पर हम गोंदिया के निजी अस्पताल में उपचार के लिए गए थे। जहां डॉक्टर के द्वारा ऑपरेशन किया गया इस दौरान हम घर में ताला लगाकर गए थे तो पूरा घर सुना था। मंगलवार की शाम करीब ४.३० बजे हम घर आए तो देखे की मुख्य दरवाजे में ताला लगाने वाला कुंडा उखड़ा हुआ है। ताला लगा हुआ है अंदर पूरा सामान बिखरा हुआ था जिसकी सूचना हमने पुलिस को दी। पुलिस ने घटना का निरीक्षण किया है थाने में शिकायत किये हैं इस चोरी में अज्ञात चोरों ने करीब ७ तोला सोना और ५० तोला से अधिक चांदी सहित नकद करीब १७००० की चोरी की है। पुलिस प्रशासन से मांग है कि वह अज्ञात चोर को जल्द गिरफ्तार कर उन्हें उनकी सामग्री वापस करवायें।

जर्जर मार्ग से ग्रामीण हलाकान पक्की सड़क बनाने की उठी मांग

कासपुर से केरा मार्ग बना हादसों का सबब

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कासपुर कालागोटा केरा को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग वर्तमान में बदहाल हो रहा है। यह कच्चा मार्ग इस कदर जर्जर हो चुका है कि यहां से गुजरना राहगीरों के लिए किसी जोखिम भरे सफर से कम नहीं है। सड़क पर जगह जगह हुए गहरे गड्ढे और उभरी हुई नुकीली गिट्टियां ना केवल आवागमन को बाधित कर रही है बल्कि आए दिन राहगीर दुर्घटना का शिकार होकर चोटिल हो रहे हैं। कासपुर कालागोटा केरा जाने वाला यह मार्ग क्षेत्र के लिए एक सीधा संपर्क की तरह है। यह मार्ग कासपुर से बालाघाट जाने के लिए सबसे सीधा और सटीक रास्ता है जो केरा और भांडी होते हुए सीधे जिला मुख्यालय को जोड़ता है। इसके साथ ही यह मार्ग कालागोटा ,मंगेझरी और महाराजपुर होते हुए डोंगरमाली की ओर भी जाता है। इस मार्ग पर रोजाना एक दर्जन से अधिक गांवों के हजारों लोगों का आवागमन होता है। स्कूल जाने वाले बच्चे हों या अस्पताल जाने वाले मरीज कच्चा रास्ता होने के कारण हर किसी को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क की हालत इतनी खराब है कि दोपहिया और चार पहिया वाहनों का संतुलन बिगड़ना आम बात हो गई है। कच्चे मार्ग पर मिट्टी धंसने और गिट्टियों के बाहर निकल आने से वाहन चालकों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। रात के समय स्थिति और भी भयावह हो जाती है जिससे अनहोनी का डर बना रहता है। ग्रामीणों के बीच इस बात को लेकर भी आक्रोश है कि मार्ग का कुछ हिस्सा स्वीकृत होने की चर्चा तो हैं लेकिन धरातल पर अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। ग्रामीणों की शासन प्रशासन से पुरजोर मांग है कि इस पूरे कच्चे मार्ग का अविलंब पक्का कर पूर्व में स्वीकृत निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ कर जर्जर हो चुके हिस्सों की तत्काल मरम्मत कराई जाए ताकि दुर्घटनाओं पर अंकुश लग सके।

बारिश में स्कुल के विद्यार्थीयों को आने जाने में होती परेशानी-शुभम बिसेन

छात्र शुभम बिसेन ने बताया कि कासपुर से आखर टोला रोड़ है जो बहुत ज्यादा खराब है। चलने लायक नहीं है इसमें जो गड्ढे बने हुए उसमें पानी जमा हो जाता है बहुत दिक्कत होती है। दुर्घटनाग्रस्त लोग होते हैं हम स्कूल जाते हैं तो साइकिल मोटरसाइकिल चलाने में दिक्कत होती है। कोई बड़ा वाहन आने पर धूल उड़ती है जिससे हमारे कपड़े खराब हो जाते हैं यह मार्ग बहुत दिनों से खराब है। इसे बनाने पर ध्यान देना चाहिए अभी कुछ आया है बोलते हैं परंतु स्पष्ट कुछ नहीं है। इसके पहले यहां मुरूम डाली गई थी उसके बाद कुछ नहीं किया गया है यह पूरी सड़क यदि बन जाती है तो आने जाने में हमें सुविधा होगी।

कच्चा मार्ग होने से आये दिन हो रही दुर्घटनायें-श्यामलाल बोरीकार

राहगीर श्यामलाल बोरीकार ने बताया कि मैं बीरसोला रहता हूं इस मार्ग से सप्ताह में २ बार आना जाना होता है। हम मदनपुर से कासपुर तक पक्की सड़क से आते हैं फिर यहां से कालागोटा ,मंगेझरी ,महाराजपुर या भांडी तरफ जाना हो कच्चा मार्ग है। मार्ग में बहुत ज्यादा गड्ढे है क्योंकि यह कच्चा मार्ग है पक्का नहीं है पत्थर निकल गए हैं मुरूम का रोड पड़ता है दुर्घटनाएं होती रहती है। यदि देखें तो इधर गांव के बस्ती में पक्की सीसी सड़क है उसके अलावा मुख्य सड़क कच्ची है जिसे बनाना चाहिए ताकि आवागमन अच्छा हो।

मार्ग बनाने की मांग को लेकर कई बार प्रयास किया गया-कृष्णा लालू हनवत

जनपद सदस्य कृष्णा लालू हनवत ने बताया कि यह कासपुर से केरा मार्ग है जो बालाघाट को जोड़ता है। करीब १० पंचायत से अधिक ग्राम के लोग यहां से आना जाना करते हैं यह हमारे लिए सरल मार्ग है। जो अती क्षतिग्रस्त है बारिश में तो हमे चलना मुश्किल हो जाता है अभी बड़े.बड़े गड्ढे हैं। अभी कुछ मार्ग स्वीकृत हुआ है परंतु कासपुर से केरा तक करीब २ किलोमीटर का कच्चा मार्ग है जिस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। यहां पर बड़े वाहन आना जाना नहीं कर पाते हैं गड्ढे हो गए हैं कीचड़ हो जाता है। बालाघाट हमें बारिश के समय ७ किलोमीटर घूम कर जाना पड़ता है एक दर्जन ग्राम के लोग इस मार्ग से वारासिवनी आते जाते हैं। हमारे द्वारा मार्ग की मांग को लेकर कई बार प्रयास किया गया परंतु अभी तक हुआ कुछ नहीं।

गुडरुघाट में वीरांगना रानी अवंती बाई की प्रतिमा का हुआ अनावरण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम गुडरुघाट में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की भव्य प्रतिमा का अनावरण समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन रानी अवंती बाई लोधी संगठन गुडरुघाट के तत्वाधान में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी एवं बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे उपस्थित रहीं। अतिथियों ने विधिवत प्रतिमा का अनावरण कर दीप प्रज्वलित किया तथा पुष्प अर्पित कर वीरांगना को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी ने वीरांगना रानी अवंती बाई की प्रतिमा समर्पित करने के अवसर को अपने लिए सौभाग्य बताया और इसके लिए आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे ऐतिहासिक और प्रेरणादायक कार्य समाज को नई दिशा देने का कार्य करते हैं तथा आने वाली पीढियों को महापुरुषों के आदर्शों से जोड़ते हैं। श्री पारधी ने कहा कि उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष कर देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनके आदर्श आज भी समाज को प्रेरित करते हैं। साथ ही शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक उन्नति के लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। उपस्थित जनसमुदाय से आह्वान किया गया कि महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके बताए मार्ग पर चलें तथा समाज के विकास में सक्रिय योगदान दें। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामकुमार नगपुरे अध्यक्ष किसान गर्जना संगठन बालाघाट, अनिल मस्करे सरपंच सावरगांव ने की। इस दौरान दिलीप बिसेन,दुर्गा प्रसाद लिल्हारे ,खेमराज दमाहे ,प्रकाश उके ,सुनीता मानसिंह बहेटवार ,दीपेश्वरी लिल्हारे, आलोक पाटिल ,गणेश नगपुरे ,योगेश सुलाकिया,चंदूलाल उपवंशी, छोटू लिल्हारे,कृष्ण कुमार दमाहे ,जितेंद्र लिल्हारे, थान सिंह मस्करे, चैनलाल उपवंशी,धुर्वेसन दशहरे,श्रवण कुमार उपवंशी एवं अन्य पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

डिजिटलीकरण की रफ्तार और 'डिजिटल जहर' का खतरा

आज हमारा देश भारत तेजी से डिजिटाइजेशन की ओर अग्रसर है, और कहना ग़लत नहीं होगा कि इसमें स्मार्टफोन विशेषकर एंड्रॉयड का सबसे बड़ा योगदान है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वैश्विक स्तर पर जहां एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 3.9 अरब (390 करोड़) है, वहीं भारत में वर्ष 2025–2026 के अनुमान के अनुसार कुल स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 75 करोड़ (750 मिलियन) तक पहुंच चुकी है। इनमें से लगभग 89%–90% स्मार्टफोन एंड्रॉयड आधारित हैं। अर्थात सरल शब्दों में कहें तो भारत में करीब 65–70 करोड़ लोग एंड्रॉयड फोन का उपयोग कर रहे हैं।यह भी कहा जा सकता है कि आज हर 10 में से लगभग 9 लोग एंड्रॉयड फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। वास्तव में, हमारे देश में सस्ते डेटा प्लान, किफायती स्मार्टफोन और डिजिटल सेवाओं का विस्तार इस तेज़ी के प्रमुख कारण हैं। हालांकि, इस डिजिटल क्रांति का एक चिंताजनक पहलू भी सामने आ रहा है–'डिजिटल जहर' अर्थात मोबाइल और स्क्रीन की बढ़ती लत, जो विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के लिए गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। आंकड़े इस समस्या की भयावहता को स्पष्ट करते हैं। क्या यह चिंताजनक बात नहीं है कि हमारे देश में 0–5 वर्ष के बच्चे प्रतिदिन औसतन 2.2 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा से लगभग दोगुना है। वहीं, 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चे भी औसतन 1.2 घंटे स्क्रीन देखते हैं, जबकि उनके लिए स्क्रीन टाइम शून्य होना चाहिए। इतना ही नहीं, यदि हम यहां पर स्कूल जाने वाले बच्चों की बात करें, तो एक अध्ययन के अनुसार 62.5% बच्चों में मध्यम से उच्च स्तर की स्क्रीन लत पाई गई है, और उनका औसत स्क्रीन टाइम लगभग 4 घंटे प्रतिदिन है। एक अन्य रिपोर्ट बताती है कि भारत के 74% छात्र रोजाना 2 घंटे से अधिक स्क्रीन का उपयोग करते हैं, जिनमें से 21% बच्चे 4 घंटे से भी अधिक समय मोबाइल, गेमिंग या सोशल मीडिया पर बिताते हैं। लगभग 70% माता–पिता का मानना है कि उनके बच्चे वीडियो और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के आदी हो चुके हैं। और भी चिंता की बात यह है कि 64% बच्चे सोशल मीडिया और गेमिंग के आदी हैं, जबकि केवल 20% बच्चों में किसी प्रकार की डिजिटल लत नहीं पाई गई है।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार आज के समय में भारत में लगभग 90त्न किशोरों के पास स्मार्टफोन की पहुंच है और 76% बच्चे मनोरंजन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। आर्थिक सर्वेक्षण 2025–26 ने भी डिजिटल लत को बच्चों और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा बताया है, क्योंकि यह उनकी पढ़ाई, एकाग्रता और व्यवहार पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। इस डिजिटल लत के दुष्परिणाम भी स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं। मसलन, ध्यान में कमी, चिड़चिड़ापन, नींद की समस्या, पढ़ाई में गिरावट, सामाजिक दूरी, अकेलापन, मानसिक तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि हाल ही में राज्यसभा में भी इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया गया, जहां यह बताया गया कि कई बच्चे प्रतिदिन 7–8 घंटे मोबाइल स्क्रीन पर बिता रहे हैं। इससे उनकी शिक्षा, सामाजिक जीवन और नींद पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।विशेषज्ञों ने इस स्थिति को 'डिजिटल गुलामी' तक करार दिया है, क्योंकि बच्चे मोबाइल के बिना स्वयं को असहज महसूस करते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में सोशल मीडिया पर लाइक्स और कमेंट्स की होड़ बच्चों में हीन भावना, तनाव और अवसाद को बढ़ा रही है, वहीं ऑनलाइन बुलिंग जैसी समस्याएं भी उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही हैं।

भगवान राम के सबसे बड़े भक्त हैं हनुमान

हनुमान जयंति 1अप्रैल 26 पर विशेष

ज्योतिषीयों के सटीक गणना के अनुसार हनुमान जी का जन्म 58 हजार 112 वर्ष पहले त्रेतायुग के अन्तिम चरण में चैत्र पूर्णिमा को मंगलवार के दिन चित्रा नक्षत्र व मेष लग्न के योग में सुबह 6.03 बजे भारत देश में आज के झारखण्ड राज्य के गुमला जिले के आंजन नाम के छोटे से पहाड़ी गाँव के एक गुफा में हुआ था,कहा जाता है किवर्षों की घोर तपस्या के बाद माता अंजना ने एक विलक्षण बुद्धि के बालक को जन्म दिया। चत्रै शुक्ल पूर्णिमा मंगलवार को मध्य रात्रि में अंजना के गर्भ से भगवान शिव अपने रुद्रदेह को त्याग कर वानररुप हनुमान बन कर अवतरित हुए। भगवान शिव ने ग्यारहवें रुद्र के रुप में अंजना के गर्भ से जन्म लिया, इसलिये शास्त्रों में हनुमानजी को रुद्रावतार कहा गया है।

माता अंजना पूर्वजन्म में पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा थी। रावण जब देवलोक गया तो इसके रूप और तेज को देख कर मोहित हो गया। रावण ने कामुक होकर इसका हाथ पकड़ लिया।अपना हाथ छुड़ा कर क्रोधित पुंजिकस्थली सीधे ब्रह्माजी के पास गई और कहा, 'आपका वरदान पाकर ऐसे दुष्ट स्वभाव के लोग देवलोक में विचरण करते रहते हैं और आपके शरणागतों के साथ अत्याचार, अनाचार करते हैं।' ब्रह्माजी ने रावण से कहा, 'यदि आज के बाद तुम किसी परायी स्त्री को बुरी नजर से देखोगे तो तुम्हारे सिरके टुकड़े-टुकड़े हो जायेंगे।' अप्सरा इससे संतुष्ट नहीं हुई। उसने ब्रह्माजी से कहा, 'मैं इससे स्वयं बदला लूँगी।' अत्रि मुनि के शाप के कारण इसी पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा ने कुंजर वानर के यहाँ जन्म लिया जिसका नाम अंजना (अंजनि) रखा गया। अंजना का विवाह वानरराज केसरी से हुआ। केसरी राक्षसों को मार कर ऋषियों की रक्षा किया करते थे। ऋषियों ने प्रसन्न होकर केसरीजी को आशीर्वाद दिया कि तुम्हारा होने वाला बालक बल, बुद्धि और विद्या से परिपूर्ण होगा। ब ?ा होकर श्रीराम का अनन्य भक्त बनेगा व सारे संसार में पूजनीय एवं वंदनीय होगा।अंजना और केसरी सुमेरु पर्वत से किष्किंधा चले गये। अंजना ने मतंग ऋषि के आश्रम में एक हजार वर्ष तक तपस्या की। इसके बाद सौ वर्ष तक वैंकटेश्वर पर्वत पर तपस्या की। इस अवधि में केसरीजी ने उन्हें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। जब अंजना तपस्या कर रही थी तो त्रिदेव उनके पास पहुँचे। अंजना ने उनसे वरदान माँगा कि मेरे होने वाले पुत्र की सभी शक्तियाँ आपकी शक्तियों से बढ़ कर हों । पुत्र इस संसार में असुरों का नाश करे और देवताओं की रक्षा करे। त्रिदेव ने तथास्तु कह दिया।सृष्टि के संहारक भगवान रुद्र ने अपने प्रिय हरि की अधिकाधिक सेवा करने व कलिकाल में भक्तों की रक्षा करने के लिये पवनदेव के पुत्र और वानरराज केसरी के क्षेत्रज पुत्र के रुप में अवतरित होने का निर्णय लिया। पवनदेव ने भी अंजना को वरदान दिया कि मैं अपनी बलरुपी वह शक्ति जिससे तीनों लोक कंपायमान हो जाते हैं, तुम्हारे पुत्र को प्रदान करुँगा।जन्म के समय इनका नाम मारुति रखा गया। यह माना जाता है कि, भगवान शिव ने पृथ्वी पर मनुष्य के रुप पुनर्जन्म 11वें रुद्र अवतार के रुप में हनुमान वनकर जन्म लिया; क्योंकि वे अपने वास्तविक रुप में भगवान श्री राम की सेवा नहीं कर सकते थे। मारुति को भूख लगी लेकिन कुछ खिलाने-पिलाने के लिये अंजना माता घर पर नहीं थी। उसी समय उदयाचल से उदित हो रहे अरुणाम सूर्य को मारुति ने मीठा फल समझ लिया। वे तुरन्त आकाश में उ? और सूर्य तक पहुँच गए। मारुति को सूर्य की ऊष्मा से बचाने के लिये पवनदेव उसी समय भी पीछे-पीछे चल रहे थे।राहु भी अपनी सेना सहित वहाँ पहुँच गया। मारुति ने इसे भी मीठा फल समझ लिया और उस पर लपके। राहु शिकायत करने इन्द्रदेव के पास पहुंच गया। इस बीच मारुति ने राहु की राक्षसी सेना का अंत कर दिया। मारुति ने सूर्य को मीठा फल समझ कर अपने मुख में रख लिया। इन्द्र ने मारूति पर वज्र से प्रहार किया तो वे मूर्छित हो गये। यह देखकर पवनदेव को क्रोध आ गया। उन्होंने तुरन्त प्राणवायु का संचार बंद कर दिया। चारों ओर हाहाकार मच गया। ब्रह्माजी सभी देवताओं के साथ पवनदेव के पास पहुँचे। उन्हांने मारुति को स्पर्श किया तो उन्हें होश आ गया।मारुति को बाल्यावस्था में ही इन्द्र, कुबेर यम, वरुण, ब्रह्मा आदि देवताओं ने अनेकों वरदान दियेऔर आशीर्वाद दिया कि तुम पर सभी अस्त्र-शस्त्र प्रभावहीन रहेंगे। देवताओं ने इन्हें इच्छा मृत्यु का वरदान भी दिया। सूर्यदेव ने गुरु बनकर विद्याज्ञान देने का वचन दिया। ब्रह्माजी ने पवनदेव से कहा, 'तुम्हारा पुत्र शत्रुओं पर हमेशा भारी प ?गा, युद्ध मेंअजेय रहेगा। श्रीराम-रावण युद्ध में अपनाशौर्य दिखा कर श्रीराम को अति प्रसन्नता प्रदान करेगा।' बाल-लीला करते समय मारुति ने राहु की सेना और साठ हजार मंदार नाम के राक्षसों का भी संहार कर दिया। इसलिये इनका एक नाम''राक्षसान्तक'' भी है।इन्द्र के वज्र प्रहार से मारुति की हनु (जबड़ा) टेड़ी हो गई। हनु वक्र हो जाने से इनका नाम हनुमान हो गया। ऐसे कार्य जो मनुष्य को ब्रह्म से विमुख करते हैं, उनका हनन कर सही मार्ग की ओर अग्रसर करने वाले को भी हनु (हनन करने वाला) कहते हैं। अपनी इस विशेषता के कारण भी ये हनुमान हैं।पाँच वर्ष की अल्प आयु में हनुमान विद्या अध्ययन के लिये अपने गुरु सूर्यदेव के पास पहुँच गए। सूर्यदेव ने मन में बालकों का खेल समझ कर बहाना किया। उन्होंने हनुमान से कहा, 'मेरा तेज बहुत प्रचंड एवं असहनीय है। पीठ के पीछे बैठा कर शिक्षा नहीं दी जा सकती है। मेरे रथ में तुम्हारे बैठने के लिये प्रचुर स्थान उपलब्ध नहीं है। शिष्य तो गुरु के चरणों में बैठा हुआ ही अच्छा लगता है। लेकिन स्थानाभाव के कारण यह सम्भव नहीं है।' प्रखर बुद्धि हनुमान को कहना पड़ा,'गुरुदेव आपका वेग तो मेरे एक कदम के बराबर है।' मैं आपको अपनी पीठ नहीं दिखाऊँगा।हनुमान ने भास्कर की ओर मुख करके पीठ की तरफ पैरों से प्रसन्नमन आकाशमार्ग में बालकों के खेल के समान गमन किया। मैं पीछे-पीछे पैर रख कर सदा आपके सन्मुख ही बना रहूँगा। आप कहते हैं कि आपका तेज असहनीय है, इसे मैं हर लूँगा और आप मेरे तेज से प्रकाशमान रहेंगे।हनुमान ने चौदह विद्याएँ चौदह दिन में सीख ली। इससे सूर्यदेव का तेज कम हो गया। गुरुशिष्य से प्रश्न पूछते थे लेकिन शिष्य द्वारा दिये गये उत्तर को समझ नहीं पाते थे। सूर्यदवे सोचनेलगे, इस चंचल वानर को विद्या प्रदान करने का वचन मैंने क्यों दिया होगा? अन्तत: सूर्यदेव ने श्रीहरि से विनती की, मेरे गुरु-पद की लाज अब आपके हाथ में है। श्रीहरि ने हनुमान को समझाया कि गुरु को पूरा सम्मान दो, शास्त्रों की मर्यादा रखो। तुम्हारी विद्या को इस संसार मेंलुप्त करनेवाला न कोई है और न कोई होगा।अपनी शिक्षा को जारी रखो। पुन: अपने गुरु के पास जाओ, उनकी मर्यादा का सम्मान करो। इस तरह श्रीहरि ने गुरु और शिष्य के बीच समन्वय स्थापित करा दिया। हनुमान ने अठ्ठारह मास तक अपने गुरु से शिक्षा ग्रहण की। इस अवधि मेंअपने गुरु को पूर्ण सम्मान दिया। गुरु की मर्यादा और सम्मान का पूर्ण खयाल रखा। हनुमान ने जिस आश्चर्यपूर्णतरीके से विद्याध्ययन किया वह वास्तव में तीनां लोकां को चकित कर देने वाला है।शिक्षा ग्रहण के इस अचरज भरे खेल को देखकर इन्द्रादि लेकपाल, विष्णु, रुद्र और ब्रह्मा की आँखें चौंधिया गई ।शिक्षा पूर्ण होते ही हनुमान ने विनम्र होकर अपने गुरु से गुरु-दक्षिणा माँगने के लिये निवेदन किया तो सूर्यदेव ने कहा,' मेरा पुत्र सुग्रीव वानररुप में तुम्हें मिलेगा। जब तक उसे प्रभु श्रीराम नहीं मिलें तब तक तुम उसकी रक्षा करना।' अपने गुरु की आज्ञा को हनुमान ने पूर्ण सम्मान प्रदान करते हुए आगे चल कर वानरराज सुग्रीव को भी पूर्ण सम्मान प्रदान किया, उनकी रक्षा की और उन्हें ब्रह्म से मिलाकर हमेशा के लिए भयमुक्त भी किया।हनुमान बचपन में बहुत चंचल थे और ऋषि-मुनियों के आश्रम में जाकर उन्हें बहुत परेशानकरते थे। उनकी इस चंचलता से माता-पिता भी बहुत परेशान थे। दण्ड के रुप में अंगिरा और भृगुवंशियों ने हनुमान को अपनी शक्तियाँ दीर्घकाल तक भूलने का शाप दे दिया। साथ ही यह भी अवगत करा दिया कि यदि कोई तुम्हें तुम्हारी शक्तियों का स्मरण करायेगा तो शक्तियाँ पुन: प्राप्त हो जायेंगी। भृगु ऋषियों द्वारा दिये गये इस शाप की जानकारी केवल जामवंतजी को ही थी। इस शाप के बाद हनुमान का व्यवहार बहुत ही सौम्य और शिष्ट हो गया।सुग्रीव के सचिव पद से ही प्रारम्भ होती है हनुमान चरित्र की यात्रा। यहीं इन्हांने अपने स्वामी श्रीराम को पहचाना और उनके दास बन गये। जामवंत हनुमान से कहते हैं- 'हे बलवान! क्या चुप साध रखी है, पवन पुत्र हो, बल में पवन के समान हो, बुद्धि, विवेक और विज्ञान की खान हो।श्रीराम के कार्य के लिये तुम्हारा अवतार हुआ है। जगत मेंऐसा कौन सा कठिन काम है जो तुमसेन हो सके।' यह सुनकर हनुमानजी पर्वत के आकार के अत्यन्त विशालकाय हो गये। जामवंत के मार्गदर्शन ने हनुमानजी की लघुता को प्रभुता में सुप्तावस्था से जाग्रत अवस्था में आ गयीं।परिवर्तित कर दिया। हनुमानजी की सभी शक्तियाँ हनुमानजी, श्रीरामजी के दास्यभक्ति रस में ऐसे डूबे कि स्वयं भगवान श्रीराम हनुमानजी केकृतज्ञ होकर स्वयं को उनका आजीवन ऋणी मान बैठे। हनुमान राक्षसान्तक हैं मनुष्यान्तक नहीं, इसका उदाहरण महाभारत का युद्ध है। हनुमान अर्जुनके रथ की ध्वजा पर बैठे हैं, गुरु द्रोणाचार्य और भीष्म पितामह के शस्त्र प्रहारां से पाण्डव सेनाभयभीत है। हताश-निराश अर्जुन, हनुमान से कहते हैं, 'आप इनके अस्त्र-शस्त्रों से इतने भयभीत क्यों हैं? 'हनुमान कहते हैं,' कौरवों की सेना में वीर तो हैं पर ऐसे वीर नहीं हैं जिनसे मैं युद्ध कर सकूँ। मेरी गर्जना को सुन कर तीनों लोकां के राक्षस काँपने लगते हैं। इस युद्ध में वीर तो हैं परराक्षस नहीं हैं। मनुष्यों पर बल प्रयोग और अपना पराक्रम प्रकट करने में बहुत संकोच हो रहा है। क्योंकि मैं मनुष्यान्तक नहीं हूँ।''भारत में पारथ के रथकेतु कपिराज'' हनुमान ने भीषण गर्जना करने से मना कर दिया।उन्होंने कहा, 'मैं अपनी किलकारी को भीम की गर्जना में मिला दूँगा। मेरी किलकारी का असरकौरव सेना पर ही होगा। आसपास मेंरह रहे अन्य सभी प्राणी-भयमुक्त बने रहेंगे।' हनुमान कीकिलकारी और भीम की गर्जना से कौरव सेना मूर्छित हो गयी। मूर्छा अर्जुन को भी आयी लेकिन उन पर हनुमानजी की कृपादृष्टि थी इसलिये बेहोश नहीं हुए। हनुमानजी ने कहा,' हे अर्जुन! मैं कौरवों की सेना पर प्रहार नहीं करुँगा। मैं भीम की गर्जना और तुम्हारे गाण्डीव की टंकार के साथ अपनी किलकारी मिला दूँगा जिससे कौरव सेना भयभीत हो जायेगी और तुम आसानी से उनका संहार कर सकोगे।

-संजय गोस्वामी

हर परिस्थिति में मुस्कराने की कला- दु:ख में सुख खोजने का जीवन-दर्शन

-कांतिलाल मांडोत

जीवन अपने आप में एक अनवरत प्रवाह है, जिसमें सुख और दु:ख दोनों ही साथ-साथ चलते हैं। जैसे दिन और रात का क्रम कभी रुकता नहीं, उसी प्रकार जीवन में प्रसन्नता और पीड़ा का आना-जाना भी स्वाभाविक है। मनुष्य सामान्यत: सुख की इच्छा करता है और दु:ख से बचना चाहता है, परंतु यह सत्य है कि दु:ख भी जीवन का अभिन्न अंग है। यदि हम केवल सुख की अपेक्षा करें और दु:ख आने पर विचलित हो जाएँ, तो हम जीवन के वास्तविक स्वरूप को समझ

ही नहीं पाते। जीवन का सौंदर्य इसी में है कि हम हर परिस्थिति में संतुलन बनाए रखें और मुस्कराते हुए आगे बढ़ते रहें।

मनुष्य को प्रकृति ने विवेक और बुद्धि का अद्भुत वरदान दिया है। यही कारण है कि वह कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी समाधान खोज सकता है। यदि वह चाहे तो दु:ख को भी सीख में बदल सकता है और पीड़ा को प्रेरणा में परिवर्तित कर सकता है। जिस प्रकार गंदगी से ऊर्जा उत्पन्न की जा सकती है और अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएँ बनाई जा सकती हैं, उसी प्रकार मनुष्य अपने जीवन के दु:खों को भी सकारात्मक दिशा दे सकता है। यह सब उसकी सोच और दृष्टिकोण पर निर्भर करता है।

दु:ख का मूल कारण बाहर नहीं, बल्कि भीतर छिपा होता है। जब मनुष्य अपने कर्तव्यों से विमुख हो जाता है, जब वह असावधानी और प्रमाद में जीने लगता है, तब वह स्वयं अपने दु:खों का कारण बनता है। प्रमाद का अर्थ है, वास्तविकता को न समझना, गलत को सही मान लेना और अपने विवेक का उपयोग न करना। जब हम अपने भीतर के इस प्रमाद को पहचान लेते हैं और उससे ऊपर उठने का प्रयास करते हैं, तब हम अपने जीवन को नई दिशा दे सकते हैं।

यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि रोना या विलाप करना किसी समस्या का समाधान नहीं है। दु:ख आने पर यदि हम निराश होकर बैठ जाएँ, तो हम स्वयं को और अधिक कमजोर बना लेते हैं। इसके विपरीत यदि हम धैर्य और साहस के साथ परिस्थितियों का सामना करें, तो वही दु:ख हमारे लिए शक्ति का स्रोत बन सकता है। जो व्यक्ति कठिनाइयों में भी मुस्कराना सीख लेता है, वही सच्चे अर्थों में जीवन का आनंद उठा पाता है।

इतिहास और धर्मग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जिन्होंने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और समता का परिचय दिया। उन्होंने अपने दु:खों को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया, बल्कि उन्हें आत्मविकास का माध्यम बनाया। यही कारण है कि वे आज भी आदर्श के रूप में स्मरण किए जाते हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि दु:ख स्थायी नहीं होते, वे भी समय के साथ समाप्त हो जाते हैं। इसलिए हमें उनसे घबराने के बजाय उनका सामना करना चाहिए।

जीवन में असफलता और कठिनाई का आना भी उतना ही आवश्यक है जितना सफलता का। यदि जीवन में केवल सुख ही सुख हो, तो उसका कोई विशेष महत्व नहीं रह जाता। दु:ख ही वह भूमि है, जहाँ से सुख के पुष्प खिलते हैं। जैसे कीचड़ में कमल खिलता है, उसी प्रकार दु:ख की परिस्थितियाँ ही हमें मजबूत बनाती हैं और सफलता का वास्तविक मूल्य समझाती हैं। इसलिए हमें दु:ख को शत्रु नहीं, बल्कि मित्र की तरह स्वीकार करना चाहिए, जो हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

समत्व भाव का अर्थ है, हर परिस्थिति में संतुलित रहना। जब हम सुख में अत्यधिक उत्साहित नहीं होते और दु:ख में अत्यधिक विचलित नहीं होते, तब हम समत्व की अवस्था में पहुँचते हैं। यह अवस्था हमें आंतरिक शांति प्रदान करती है और हमें स्थिर बनाती है। समत्व का अभ्यास करने से हम जीवन के उतार-चढ़ाव को सहजता से स्वीकार कर पाते हैं। दृष्टिकोण का परिवर्तन भी जीवन को बदल सकता है। जब हम अपनी सोच को सकारात्मक बनाते हैं, तो वही परिस्थितियाँ, जो पहले हमें दु:खद लगती थीं, अब हमें अवसर के रूप में दिखाई देने लगती हैं। यदि हम हर घटना में कुछ अच्छा खोजने का प्रयास करें, तो हमें जीवन में निराशा का अनुभव नहीं होगा। यह दृष्टि हमें भीतर से मजबूत बनाती है और हमें आत्मविश्वास से भर देती है। एक प्रेरणादायक तथ्य यह भी है कि समय हर घाव को भर देता है। चाहे दु:ख कितना भी बड़ा क्यों न हो, समय के साथ उसकी तीव्रता कम हो जाती है। यदि हम धैर्य बनाए रखें और अपने मन को सकारात्मक कार्यों में लगाएँ, तो हम धीरे-धीरे उस दु:ख से बाहर निकल सकते हैं। इसलिए कठिन समय में धैर्य रखना अत्यंत आवश्यक है। जीवन का वास्तविक आनंद तभी प्राप्त होता है, जब हम उसे पूरे उत्साह और सकारात्मकता के साथ जीते हैं। यदि हम हर छोटी-बड़ी बात पर निराश हो जाएँ, तो हम जीवन की सुंदरता को महसूस ही नहीं कर पाएँगे। इसके विपरीत यदि हम हर परिस्थिति में मुस्कराने का प्रयास करें, तो जीवन हमें अधिक सरल और सुखद प्रतीत होगा। अंतत: यही कहा जा सकता है कि दु:ख और सुख दोनों ही जीवन के शिक्षक हैं। दु:ख हमें सहनशीलता, धैर्य और आत्मबल सिखाता है, जबकि सुख हमें संतोष और प्रसन्नता का अनुभव कराता है। यदि हम दोनों को समान भाव से स्वीकार कर लें, तो हम जीवन के वास्तविक आनंद को प्राप्त कर सकते हैं। मुस्कराना केवल एक भाव नहीं, बल्कि एक कला है, जिसे अपनाकर हम अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं।

इसलिए आवश्यक है कि हम हर परिस्थिति में मुस्कराना सीखें, अपने मनोबल को मजबूत रखें और जीवन के हर अनुभव को सीख के रूप में स्वीकार करें। यही जीवन का सच्चा आनंद है और यही सच्ची सफलता भी।

आओ छल कपट और पापों से दूर रहकर सफ़ल जीवन जीने की प्रथा को प्रोत्साहित करें

वैश्विक स्तरपर इस सृष्टि में मानवीय जीव का उदय कब हुआ? शायद हम इस प्रश्न का उत्तर देने में असमर्थ होंगे, परंतु मेरा मानना है कि जिस तरह अनेकों पीढ़ियों से यह प्रवाह चलते आ रहा है और हमें भी हमारे बड़े बुजुर्गों, पूर्वजों से यह शब्द कहते सुनते आए हैं कि अभी कलयुग का जमाना आ गया है, पहले सतयुग था जहां सभी जीव सुखी सर्वसंपन्न थे, पुण्य ही पुण्य था, पाप का नामोनिशान ही नहीं था। परंतु आज कलयुग में पापों का बवंडर आ गया है, ऐसी अनेकों प्रकार की बातें हम अभी भी अपने बड़े बुजुर्गों से सुनते हैं। हालांकि उन्होंने भी उनका कुछ हिस्सा ही भोगा होगा और बाकी अपने पूर्वजों से सुना होगा, इस प्रकार एक दूसरे से इस तरह पीढ़ी दर पीढ़ी यह दास्तां चली आ रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हम अगर आज की स्थिति देखें तो वास्तव में पुण्य ऊपर पापों की भरमार हमें अधिक मिलेगी। शायद इसीलिए ही इस युग को कलयुग का नाम दिया गया है, क्योंकि आज की स्थितियों परिस्थितियों में पुण्य की अपेक्षा पापों की संख्या अधिक दिखती है। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, छल कपट पाप न कर बंदिया क्योंकि उनकी बुरीगत दुर्दशा दुखों के रूप में ब्याज सहित फ़ल उनके जीवनकाल में ही उन्हें वापस ज़रूर मिलता है।

साथियों बात अगर हम अपने व्यक्तिगत जीवन में झांक कर देखें तो हमारी आंख में कभी कोई तिनका या पैर में कांटा घुस जाता है, तो हमें कितनी तकलीफ झेलनी पड़ती है हम असहाय को उड़ते हैं,कभी-कभी मर्ग इतना बढ़ जाता है कि ऑपरेशन की स्थिति भी आती है इससे कहीं बढ़कर असहाय होकर आंख या पैर निष्क्रिय होने की भी संभावना हो जाती है। उसी तरह दबी हुई कपास में अगर आग लगे तो विभिशक्ता का अंदाजा लगा सकते हैं। अब हम इसका संज्ञान पाप की सजा को लेकर करेंगे तो फिर सिहर उठेंगे क्योंकि पाप करने वालों को उनकी बुरीगत दुर्दशा और दुखों के रूप में उन्हें इसी जीवनकाल में ब्याज सहित फल के रूप में जरूर वापिस मिलता है,जिसका मैंने खुदने ऐसे कई उदाहरण अपने शहर और बाहर में देखे हैं, इसलिए हमें इस बात को रेखांकित करने की ज़रूरत है कि जहां तक हो सके छल कपट और पापों से दूर रहकर सफ़ल जीवन जीने की प्रथा को प्रोत्साहित करें, पापों की व्याख्या हम नीचे के पैराग्राफ में अनेक सज्जनों की सोच को रेखांकित कर बता रहे हैं। साथियों बात अगर हम पापों की परिभाषा की करें तो वह विस्तृत रूप में है, परंतु फ़िर भी कुछ ज्ञात गतिविधियां इस प्रकार है, पाप सबसे पहले मनुष्य की दृष्टि से प्रवेश करता है तत्पश्चात विचारों को मलिन करता है और उसके बाद चरित्र को दूषित कर देता है। पाप वह कृत्य हैं, जो हमे रोगी बनाते हैं, हमें दुख देते हैं, पी?ा देते हैं, हमे या हमारे प्रियजनों को हिंसा का शिकार बनाते हैं, जैसे-आत्म-हिंसा, आत्म-हत्या की सोच हत्या, बलात्कार, अपहरण, चोरी, लूट, बेइज्जती मानसिक/शारीरक रोग,कष्टपूर्ण मृत्यु असहाय, भय-युक्त जीवन असुर/अमोक्ष मार्ग नशा करना, पर जीवों पर हिंसा मांसाहार, मार-पीट करना तामसिक आहार, गुरुओं, मिडिया के झूठ ?रेब, मक्कारी पर विशवास फिजूल में भय करना राग, द्वेष, ईर्षा, क्रोध, अहंकार धन-पद-काम-मान का लोभरिश्वत लेना धोखा देना, अन्याय सहन करना गुलामी, किसी दीन दुखिया का दिल दुखाना पाप है, किसी ब्राह्मण का उपहास करना पाप है, अपने माता पिता को तकलीफ़ देना या अत्याचार करना पाप है, किसी बेजुबान जानवर को मारना पाप है ,छल, कपट करना ये पाप है। अबला नारी या अबोध बालक की हत्या करना पाप है,अपने फायदे के लिए देश या परिवार से गद्दारी करना पाप है,ऐसे बहुत सारे काम है जो पापो की श्रेणी में आते है।कर्म अच्छा करना चाहिए जिससे हमारे ना रहने से लोगो को हमारी कमी महसुस हो और दूसरो के लिए एक प्रेरणा बन सको। साथियों इंसान दो चीजो से बना है एक जिस्म और दूसरा आत्मा यानी रूह। रूह एक ऐसी एनर्जी है जो इंसान को जिंदा रखती है जबकि

जिस्म एक मोहताज चीज है जिसे समय के अनुसार अलग अलग चीजों की जरूरत पड़ती है। इंसानी जिस्म में नट्स(इच्छा) पाई जाती है।इंसान पर शैतान पाप करने का वसवसा डालता है, तो नफ्स उस पाप की तरफ इंसान को धकेलता है जिस वजह से इंसान पाप करने लगता है।जिसको अपनी नफ्स(इच्छा) पर कंट्रोल हो जाए वो पाप की बजाए नेक काम करने लगता है।पाप कुछ और नहीं बल्कि ये है कि हमारे किसी काम से हमको ही या किसी को नुकसान पहुंचे, किसी के बहुत ही नेक विचार हैं, साथियों बात अगर हम खुद की करनी से संज्ञान लेकर खुद पाप की व्याख्या करें तो, अपने द्वारा किये कर्म को ना पहचाना। अर्थात कुछ करना भी गलत है ओर ना करना भी गलत है। केवल सही जानकर करना ही सही है। जैसे किसान जो बोने की सोचेगा फिर वही कर्म करेगा यानी बीज बोएगा ओर उसे वही प्राप्त होगा। ऐसा नहीं है कि बोया बेर ओर कुछ समय बाद आम प्राप्त करने की सोचे। ऐसा मात्र सोचने से नया कर्म बन जाता है ओर पिछला जो प्राप्त होगा वह भी सुख नहीं देगा। जैसे कोई सोचता है ये कर्म वर्म कुछ नहीं होता मनुष्य जीवन मिला है जो चाहे वो करो। वो अज्ञानता में जो चाहे बोता जा रहा है। ओर उसको वही मिलेगा जो स्वयं उसने बोया है चाहे कितना भी उछलकूद कर ले। इसे ही किस्मत कहते हैं। इसे कोई बदल या मिला नहीं सकता। अन्य योनी भोग जुनी होती है वहां कर्म नहीं बनते। केवल मनुष्य योनी कर्म योनी है। इस योनी में हम अपनी किस्मत खुद लिखते हैं। इसलिए हम स्वयं ईश्वर है किसी का कोई ईटंरफेयर नहीं। हमारी छट्टी यानी छ दिन होते ही हमारी सुरति संसार में लग जाती है और हमको सठियाते ही हमारे कर्म स्टैंड बाई मोड में आ जाते हैं। अर्थात बीच का समय हमारा अपनी किस्मत लिखने का होता है। ये मनुष्य जन्म हमको इतनी आसानी से नहीं मिला हुआ है इतना आसान हमको केवल अहंकार व माया के द्वारा लग रहा है। जब ये चीजें हमसे दूर हो जाएगीं तो हमको ऐहसास होगा। जब हम स्टैडबाई मोड में होगें। तब ततक हम अपनी किस्मत /पटकथा लिख चुके होगें। उसी टाईम से हमको वही मिलना शुरू हो जाएगा जो हमने बोया है। पहले हमको सही मिलेगा फिर भी धीरे धीरे धीरे पतन होता चला जाएगा। जो कर्म शेष रहेगें वो हमारी अगली योनी तय करेगें जिसमे हम यह कर्म भोग सके। अब हम भगवान् पर दोष लगाकर ओर दण्ड के कर्म न बनाएं। ये सृष्टि का एटोमैटीक सिस्टम है जो अटल है। तन्त्र मन्त्र पाठ पुजा योग ध्यान शब्द ज्ञान सब समझने के लिए होते हैं। पाखडं करने के लिए नहीं। क्योंकि बनाने वाले से हम कभी बड़े व बुद्धिमान नहीं हो सकते। ऐसा सोचना हमारा मात्र भ्रम होगा। जब तक जवान है तब तक भ्रम होगा। यह किसी के सराहनीय विचार हैं। साथियों बात अगर हम पाप की व्याख्या अपने धर्म या कर्तव्यों से जोड़कर करें तो, मेरे विचार में धर्म से आशय है हमारा कर्तव्य।उदाहरण के तौर पर एक पिता का अपनी बेटी के प्रति कर्तव्य, पुत्र का माता-पिता के प्रति कर्तव्य, पति-पत्नी का एक दूसरे के प्रति कर्तव्य, एक शिक्षक का अपने विधार्थियों के प्रति कर्तव्य, एक नागरिक का अपने देश के प्रति कर्तव्य, एक पीएम का अपने राष्ट्र और जनता के प्रति कर्तव्य, एक सैनिक का अपने देश के प्रति कर्तव्य, एक इंसान का दूसरे इंसान व पेड़ पौधों तथा प्रकृति के प्रति कर्तव्य, एक कामगार का अपने काम के प्रति कर्तव्य, एक विद्यार्थी का अपने विद्यार्जन, गुरुजनों और विद्यालय के प्रति कर्तव्य आदि। ये तो बात हो गई धर्म की, अब पाप या अधर्म की बात करते हैं, पाप/अधर्म समस्त ऐसे कृत्य हैं, जो हम अपने धर्म के विरुद्ध करते हैं।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरणका अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि छल कपट और पाप न कर बंदिया। आंख में पड़ा तिनका, पैर में घुसा कांटा,रूई में लगी आग से भी अधिक भयानक छल कपट और पाप है, ये करने वालों की बुरी गत,दुर्दशा,दुखों के रूप में ब्याज सहित फ़ल उनके जीवनकाल में ही जरूर मिलता है।

- किशन सनमुखदास भावनानी

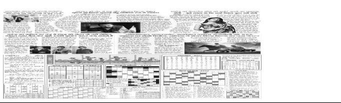

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। आयातित मालों की मलिगत अटकने की संभावना व पड़तल ऊँची जाने के मद्देनजर खाद्य तेलों में तेजी कायम रही। यद्यपि तिलहन बाजार बने रहे। दलहनों में चना मामूली लटक पर रहा। उड़द व मूंग में मजबूती रही। किराना जिंसों में शक्कर सुर्ख रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार आयातित मालों की पड़तल ऊँची बैठ रही है। डॉलर के मुकाबले रूपये में बन रही गिरावट का असर आयातकों पर है, जिससे खाद्य तेलों में बाजार जोरदार तेजी पर है। वहीं, तिलहनों में भाव बने हुए है। दलहनों में चना मामूली बड़त पर रहा। उड़द व मूंग में पूछपरख से भावों में सुधार का रूख रहा। उधर, किराना बाजार में ग्राहकी कमावेश अच्छी रही। शक्कर में बाजार बढ़त पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4125-4180, खोपरा गोला 340-400, खोपरा बूरा 3800-7000 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 260-270, मीडियम 270-280, बेस्ट 290-295, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 280-290, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-780, गरबल 725-730, मटरदाना 790-800, खसखस अनक्लीन 1200-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 450-1100, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 2000-2100, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 1675-1775, मीडियम 1825-1875, बेस्ट 1925-2050, एक्ट्रा बोल्ड 2250-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1575-1850, बेस्ट1900-2100, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 880-920, सिंगापुरी 820-840, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1500-1700, बेस्ट 1700-1800, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2800-2850, (160) 2800-2900, (200) 2900-3000, (250) 3000-3100

तेल- सींगदाना 1760-1780, मुम्बई 1780, राजकोट तेलिया 2770-2780, सोया साल्वेंट 1485-1490, सोया रिफाइंड 1555-1560, कपास्या 1440-1445, धूलिया 1450, कड़ी 1450,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1725-1750, मुम्बई पाम 1450-1455, मुम्बई सोया 1560,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2275, देवास-उज्जैन 2275, खंडवा-बुरहानपुर 2250, अकोला 3525 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7200-7400, रायडा 5800-6200, सोयाबीन 5500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5500-5550, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5760-5800, एवरेज 5600-5700, मूंग देशी 8100-8200, पाला 8200-8300, चमकी 8300-8400, नायलोन 8300-8400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, तुअर महाराष्ट्र 7800-8000, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7200-7500, काली मुंछ 8800-9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों कीमती धातुओं में बाजार कमजोर ही रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 231000, चाँदी (99) 230500, टंच 230000, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 149500,

कच्चे तेल की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल, ब्रेंट क्रुड 115 डॉलर के पार

नई दिल्ली। एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतें मंगलवार 31 मार्च को लगातार चौथे दिन बढ़ीं। पश्चिम एशिया में युद्ध और तनाव के कारण सप्लाई प्रभावित हो रही है, जिससे तेल की कीमतों में तेजी आई है। मई डिलीवरी के लिए ब्रेंट क्रूड 115.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि जून कॉन्ट्रैक्ट 108.96 डालर पर था। अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 105.96 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जो 9 मार्च के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होरमुज को प्रभावी रूप से बंद करने से स्थिति और गंभीर हो गई है। यह मार्ग दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत तेल सप्लाई और बड़ी मात्रा में गैस टैंकरों के लिए अहम है।

मिडिल ईस्ट तनाव पर आईएमएफ ने जारी की वैश्विक आर्थिक चेतावनी

नई दिल्ली। एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मिडिल ईस्ट में जारी तनाव को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है। आईएमएफ का कहना है कि यह संकट वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि धीमी कर सकता है और महंगाई बढ़ा सकता है। खासकर हाल ही में उबर रही अर्थव्यवस्थाओं को इसका गंभीर असर महसूस होगा। तनाव का सबसे बड़ा असर होर्मुज जलडमरूमध्य पर दिख रहा है, जिससे दुनिया का लगभग 25-30 फीसदी तेल और 20 फीसदी गैस गुजरती है। इससे बेंट क्रूड की कीमतें 115 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ईरान के तेल ठिकानों पर हमले की चेतावनी ने बाजार में अनिश्चितता और बढ़ा दी है। आईएमएफ ने कहा है कि संकट सिर्फ ईंधन तक सीमित नहीं रहेगा। खाड़ी देशों से फर्टिलाइजर सप्लाई में रुकावट और महंगे ईंधन के कारण कृषि लागत बढ़ेगी। इससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ेंगी, खासकर उन देशों में जहाँ परिवार अपनी आय का लगभग 36 फीसदी भोजन पर खर्च करते हैं। अगर संघर्ष लंबा खिंचता है, तो दुनिया को स्टैगफ्लेशन जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है, जहां महंगाई बढ़ती है और आर्थिक विकास धीमा होता है। इससे कर्ज महंगा होगा और वैश्विक आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। तेल आयातक बड़े देश जैसे भारत और यूरोप की अर्थव्यवस्थाएं, जो बाहरी कच्चे माल पर निर्भर हैं, सबसे अधिक प्रभावित होंगी। आईएमएफ का कहना है कि असर इस बात पर निर्भर करेगा कि यह तनाव कितने समय तक चलता है।

ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर टोल और सख्त नियम को दी मंजूरी

नई दिल्ली। एजेंसी। ईरान की संसद की सुरक्षा समिति ने हाल ही में स्ट्रेट आफ होर्मुज को लेकर एक अहम मैनेजमेंट प्लान को मंजूरी दी है। इस योजना में इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर टोल (शुल्क) लगाने का प्रस्ताव शामिल है। सरकारी मीडिया के अनुसार, योजना में सुरक्षा, जहाजों की सुरक्षित आवाजाही, पर्यावरण संरक्षण और वित्तीय प्रबंधन जैसे कई महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया गया है। प्रस्ताव के तहत टोल वसूली ईरानी मुद्रा रियाल में की जाएगी। साथ ही यूनाइटेड स्टेट और इजरायल के जहाजों के इस मार्ग से गुजरने पर रोक लगाने की बात कही गई है। इसके अलावा उन देशों के जहाजों को भी अनुमति नहीं दी जाएगी, जो ईरान पर एकतरफा प्रतिबंधों में शामिल हैं। योजना में ओमान के साथ मिलकर कानूनी ढांचा तैयार करने का भी उल्लेख है। इस बीच, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि अमेरिका भविष्य में इस जलमार्ग पर स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करेगा। उन्होंने संकेत दिया कि इसके लिए बहुराष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की जा सकती है। वहीं पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जलमार्ग को बाधित किया गया, तो अमेरिका ऊर्जा ढांचे पर कार्रवाई कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार प्रभावित हो सकता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ने की आशंका है।

भारत के लिए ऊर्जा संकट की चेतावनी, ईवी और रिन्यूएबल ऊर्जा में तेजी जरूरी

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने वैश्विक तेल बाजार को अस्थिर कर दिया है और भारत जैसे बड़े आयातक देशों के लिए खतरा और बढ़ गया है। एक की रिपोर्ट के मुताबिक, यह सिर्फ अस्थायी झटका नहीं, बल्कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा के लिए चेतावनी है। वर्तमान में भारत के पास पेट्रोलियम का केवल 5-6 दिन का स्ट्रेटेजिक रिजर्व है, जबकि एलपीजी की स्थिति और गंभीर है, क्योंकि देश अपनी जरूरत का 55 फीसदी आयात पर निर्भर करता है और स्टॉक सिर्फ 20-25 दिन का है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईवी अपनाना भारत के लिए सबसे बड़ा हथियार हो सकता है। अगर सरकार सब्सिडी फिर से लागू करती है, तो 2035 तक तेल आयात में लगभग 4.5 फीसदी की कमी लाई जा सकती है। ईवी का हिस्सा वर्तमान में 23 फीसदी है, जबकि सब्सिडी मिलने पर यह 34 फीसदी तक बढ़ सकता है। इससे न केवल खर्च कम होगा, बल्कि करंट अकाउंट घाटा भी घटेगा। हालांकि ईवी अपनाने की राह आसान नहीं है। वर्तमान में इसका उपयोग केवल 7 फीसदी है। चार्जिंग स्टेशन की कमी, बैटरी तकनीक की सीमाएं और ऊंची कीमतें बड़ी बाधा हैं। ऑटो (3-व्हीलर) में तेजी है और 2-व्हीलर में भी भविष्य में बढ़ोतरी की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार ईवी को बढ़ावा देने के लिए सरकार को सब्सिडी लागू करनी होगी, चार्जिंग नेटवर्क हर 25 किलोमीटर तक फैलाना होगा, घरेलू बैटरी और कंपोनेंट्स उत्पादन बढ़ाना होगा और सस्ते लोन के जरिए खरीद आसान बनानी होगी। भारत ने 2030 तक 500जीवी रिन्यूएबल ऊर्जा का लक्ष्य रखा है, लेकिन ट्रांसमिशन नेटवर्क की कमी और जमीन अधिग्रहण की दिक्कतें चुनौती बनी हुई हैं। छोटे स्तर पर सुधार और बैटरी स्टोरेज को मजबूत करना जरूरी है।

मेष- मेष राशि वालों के लिए दिन आपके जीवन में एक नई शुरुआत की दस्तक लेकर आया है। ऐसा लग सकता है जैसे किस्मत खुद आपके दरवाजे पर खड़ी हो। अगर आप घर, मकान या किसी बड़ी चीज़ की खरीदारी का विचार कर रहे हैं, तो यह समय बेहद शुभ संकेत दे रहा है। कार्यक्षेत्र में अचानक कोई ऐसी खबर या सरप्राइज मिल सकता है, जो आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएगा।

वृषभ- वृषभ राशि वालों के लिए दिन थोड़ा सतर्क रहने का इशारा दे रहा है। आपको अपने खानपान पर खास ध्यान देना होगा, खासकर तले-भुने खाने से दूरी बनानी होगी, क्योंकि यह आपकी सेहत को प्रभावित कर सकता है। घर के कामों में आप कुछ बदलाव करने का मन बनाएंगे, और ये बदलाव आगे चलकर आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे।

मिथुन- मिथुन राशि के जातकों के लिए आज का दिन प्रगति और नए प्रयोगों का दिन है। खासकर जो लोग बिजनेस से जुड़े हैं, उनके लिए आज नई तकनीक अपनाने का विचार बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। ऑफिस में अगर आपको कोई नई जिम्मेदारी सौंपी जाती है, तो उसे पूरी ईमानदारी और मेहनत से निभाएं, क्योंकि यही आपकी पहचान बनाने का मौका है।

कर्क- कर्क राशि वालों के लिए आज का दिन खुशियों की सौगात लेकर आया है। आपके जीवन में सुख-सुविधाओं की वृद्धि होगी और मन में एक अलग ही संतोष और आनंद महसूस होगा। आय के नए स्रोत खुल सकते हैं, जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगे। रचनात्मक कार्यों में आपका मन खूब लगेगा और आप कुछ नया करने की सोचेंगे।

सिंह- सिंह राशि वालों को आज आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आपकी आर्थिक स्थिति को लेकर मन में थोड़ी चिंता हो सकती है, लेकिन यह समय घबराने का नहीं, बल्कि सोच-समझकर निर्णय लेने का है। बिजनेस में आप कुछ बदलाव करेंगे, जो धीरे-धीरे सकारात्मक परिणाम देंगे। पढ़ाई और काम में एकाग्रता बनाए रखना बेहद जरूरी है।

कन्या- कन्या राशि वालों को आज का दिन सामाजिक रूप से आपको आगे बढ़ाने वाला है, लेकिन साथ ही एक चेतावनी भी दे रहा है। किसी सामाजिक कार्यक्रम में आपकी भागीदारी हो सकती है, जहां आपकी कोई पुरानी गलती सामने आ सकती है। इसलिए संभलकर और सोच-समझकर आगे बढ़ें। अपने आसपास के लोगों को पहचानना बेहद जरूरी है, क्योंकि हर कोई आपका शुभचिंतक नहीं होता।

तुला- तुला राशि वालों के लिए आज का दिन चुनौतियों के साथ-साथ अवसर भी लेकर आया है। नए लोगों से संपर्क आपको लाभ दिला सकता है, खासकर अगर आप निवेश करने की सोच रहे हैं। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल है। हालांकि, कोई काम बनते-बनते बिगड़ सकता है, जिससे थोड़ी निराशा हो सकती है। पिता की सलाह को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है।

वृश्चिक- वृश्चिक राशि वालों के लिए दिन मिश्रित फल देने वाला है। नौकरी की तलाश में भटक रहे लोगों को आज कोई अच्छी खबर मिल सकती है, जिससे उनके मन में नई उम्मीद जगेगी। हालांकि बड़े जोखिम उठाने से बचना होगा, क्योंकि आज का दिन सावधानी का संकेत भी दे रहा है। आपके मित्रों की संख्या बढ़ेगी और आप नए लोगों से जुड़ेंगे। अगर आप प्रॉपर्टी खरीदने का सपना देख रहे थे, तो वह आज पूरा हो सकता है। परिवार का सहयोग आपके लिए सबसे बड़ी ताकत बनेगा।

धनु- धनु राशि वालों का दिन आपको सेवा और भक्ति की ओर आकर्षित करेगा। आप दूसरों की मदद करने में आगे रहेंगे और इससे आपको मानसिक संतोष मिलेगा। खर्चों को लेकर थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है, इसलिए बजट बनाकर चलना ही समझदारी होगी। भगवान की भक्ति में आपका मन लगेगा और आप किसी जरूरतमंद दोस्त की मदद के लिए आगे आएंगे।

मकर- मकर राशि वालों के लिए दिन आर्थिक रूप से बेहद शुभ संकेत दे रहा है। लंबे समय से रुका हुआ काम आज पूरा हो सकता है, जिससे आपके मन में संतोष आएगा। निवेश के लिए समय अनुकूल है, लेकिन सोच-समझकर कदम उठाना जरूरी है। मौसम का असर आपकी सेहत पर पड़ सकता है, इसलिए खुद का ध्यान रखें।

कुंभ- कुंभ राशि वालों का आज का दिन आपको धैर्य और संयम की परीक्षा लेने वाला है। आपको अपने स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना होगा और छोटी सी समस्या को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। परिवार में किसी नए सदस्य के आगमन की खुशखबरी मिल सकती है। रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को आज कोई अच्छा अवसर मिल सकता है। धन-धान्य में वृद्धि होगी और माता-पिता के आशीर्वाद से आपके रुके हुए काम पूरे होंगे।

मीन- मीन राशि वालों का आज का दिन थोड़ा मिला-जुला रहेगा। अगर आप विवादों से दूरी बनाए रखते हैं, तो दिन आपके लिए बेहतर साबित होगा। दोस्तों के साथ समय बिताने और खुशी के पल बनाने का मौका मिलेगा। जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य आपको मानसिक शांति देगा। धन से जुड़ी परेशानियां धीरे-धीरे खत्म होती नजर आएंगी, जिससे आपके चेहरे पर राहत दिखेगी।

शब्दजाल - 8215

श	रा	अ	र	क्षा	बं	ध	न	झ	क	श
ना	वै	र	ह	र	म	त	द	हो	ली	त
ग	र	शा	झ	श	शि	हा	र	ल	ल	त्रा
पं	म	द	खी	श	मी	डो	शि	श	रा	क
च	र	द	ष	व	मि	री	श	व	र	ट
मी	ह	प	न	पे	पू	ह	न	शि	रा	ती
शं	र	म	अं	प	स	थ	दी	ल	बिं	त्रि
ब	रा	व	ल	ध	ड़	क	पा	कां	ज	दू
ग	ण	गौ	र	जी	ल	ड़ी	व	गो	र	द
र	ल	प	चा	गैं	ब	ल	ली	री	रु	थो
ग	णे	श	च	तु	र्थी	ब	श	त्रु	घ्न	ट

शब्दजाल में 'प्रमुख त्यौहारों' के 10 नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

महाशिवरात्रि, रामनवमी, होली, दीपावली, गणगौर, गणेश चतुर्थी, नागपंचमी, नवरात्रा, रक्षाबंधन, वैशाखी

शब्दजाल - 8214 का हल

अ	ट	र	प	ट	र	धि	क	र	प	इ
न	ग	क	म	इं	डे	ने	ह	ति	म	श्त
अ	दा	आ	ई	र	र	अं	ना	ह	प	फ
हु	ग	ल	मा	ज	क्ष	स	रा	ह	इ	र
ब	क्म	अ	नु	म	ति	क	र	क	त्ते	मा
द	अ	कि	र	क	दा	क	नि	र्दे	श	न
स	मा	दे	श	व	था	र	त	म	क	ग
आ	दे	श	र	न	प	य	रा	घु	ग	ला
अ	दि	ल	वा	ले	दा	र	जा	म	वी	दे
र	ज	ति	मा	हि	द	ह	ज	द	ल	र
बां	र	ल	प	रु	इ	जा	ज	त	र	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7159

1		2		■	3			■	4
	■		■	5		■	■	6	
7	8		■	■	9		10	■	
■		■	11	12		■	13		■
14		15	■		■	16		■	17
	■	18	19		■		■	20	
21	22	■		■	23		24	■	
■	25		■	26		■	27		■
28		■	29	■		■		■	30
31				■	32			■	

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-३
६. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीरान' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि, जेबा, अश्विनीभावे की 'आजा ये माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. जॉन, बिपाशा की एक फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेंद्र के किरदार का क्या नाम था-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. १९७१ के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-३
३. 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखों' गीत वाली फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबु' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7158

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

1 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2026 वर्ष का 91 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्दशी 07.07 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 16.18 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 14.51 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 07.07 बजे तदनन्तर विष्टि 19.21 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 12.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 04° 28' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872666 **जूलियन दिन** 2461131.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सव्वाल **तारीख** 12 **विशेष** पंगुनी उथिरम, बैंक अवकाश, हाटकेश्वर जयंती, गुरु हरकिशन पुण्यतिथि।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	06.36 बजे से
चंद्र	कन्या में	वृष	08.16 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.14 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.27 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.44 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.56 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.06 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.21 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.37 बजे से
		मकर	01.42 बजे से
		कुंभ	03.29 बजे से
		मीन	05.01 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः लड़ाई की जड़

एक बार एक बूढ़ा शहद से भरी मटकी लेकर जा रहा था। रास्ते में उसका पांव एक छोटे से पत्थर पर पड़ा तो वह लड़खड़ाया और थोड़ा शहद जमीन पर टपक गया। बूढ़ा तो संभल कर आगे चल दिया, मगर शहद पर कई मक्खियां आकर बैठ गईं। मक्खियों को एक गिलहरी ने देखा तो वह फौरन उन पर झपटी। मक्खियां उड़ गईं। तभी एक बिल्ली ने गिलहरी पर झपट्टा मारा। गिलहरी भी भाग गई। उसी समय एक कुत्ता गुर्राता हुआ बिल्ली की तरफ बढ़ा। बिल्ली तो भाग गई मगर अचानक एक और कुत्ता वहां आ गया। दोनों आपस में लड़ने लगे। इतने में इन कुत्तों के मालिक भी आ गए। वे अपने कुत्तों को बचाने में लग गए। जब कुत्ते शांत नहीं हुए तो वे एक दूसरे के कुत्ते को पीटने लगे, फिर आपस में ही झगड़ पड़े। बात बढ़ गई तो उनके घर वाले और दोस्त भी आ पहुंचे। कुछ देर बाद दोनों तरफ के मोहल्ले वाले भी लाठियां लेकर मैदान में आ डटे। दोनों गुटों में जमकर मारपीट होने लगी। कई लोग जख्मी हो गए। एक साधु ने उधर से गुजर रही एक बुढ़िया से पूछा, 'यह लड़ाई किसलिए हो रही है?' बुढ़िया कोई उत्तर नहीं दे सकी। साधु ने एक लड़के से पूछा तो उसने भी कोई जवाब नहीं दिया। खैर किसी तरह साधु को लड़ाई की असली वजह का पता चला तो उसने भीड़ को शांत होने का इशारा किया। लड़ाई रुक गई। साधु ने पूछा, 'बिना बात समझे लड़ने वाले को आप क्या कहेंगे?' सभी मौन थे। साधु ने फिर कहा, 'हमारे यहां लड़ाई की जड़ ही यही है कि लोग जानते ही नहीं कि वे किस बात पर झगड़ रहे हैं। जिस दिन लोगों में यह समझ आ जाएगी कि लड़ने के पहले लड़ाई की जड़ जान लें तो कभी झगड़ा-फसाद होंगे ही।

सूडोकु नवताल- 7468

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7467 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

शब्द पहेली - 8683

बाएँ से दाएँ

1. आदत, स्वभाव-4
4. सुरक्षित-4
7. जरुरतमंद-5
9. भीगा हुआ-2
11. मक्का-मदीना की यात्रा-2
12. सोना, धतुरा-3
14. धक्का देना-4
15. खानाबदोश, बंजारा-4
16. अंधेरा, अंधकार-3
18. खामी, बुरी आदत-2
19. ईसाई साध्वी-2
21. नायक का विलोम-5
25. करिश्मा, करामात-4
26. महीन व मंहगे कपड़े का एक प्रकार -4

ऊपर से नीचे

1. अंग्रेज, विदेशी-3
2. लीन, मगन-2
3. पैंदा, तला-2
4. रिश्तेदार-2
5. थूक, लेस-2
6. तहजीब, सलीका-3
8. देह, काया-3
10. टोने-टोटकों वाली किताब-5
11. स्वदेशवासी -5
12. कपड़े की दीवार-3
13. अनुमान, आकलन-3
17. राजी करना-3
18. चश्मा-3
20. अनुकृति-3
21. पत्र, चिट्ठी-2
22. होंठ, अधर-2
23. मृत्यु देवता, यमराज-2
24. बीता हुआ दिन-2

शब्द पहेली -8682 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

हनुमान जन्मोत्सव पर नये श्री राम मंदिर गुजरी चौक में संगीतमय सुन्दर काण्ड एवं महाप्रसादी वितरण

पद्मेश न्यूज। लांजी। धर्म नगरी लांजी में भक्ति श्रृद्धा आस्था के साथ श्री हनुमान जन्मोत्सव, प्रकटोत्सव कार्यक्रम 2 अप्रैल को आयोजित किये जायेंगे। श्री हनुमान मंदिरो की साज सज्जा पूर्ण की जा रही है धार्मिक अनुष्ठान, भण्डारे महाप्रसाद के लिये तैयारियॉ जोरो पर है। धार्मिक एवं सामाजिक संगठनो के द्वारा नगर एवं क्षेत्र के लगभग सभी हनुमान मंदिर में श्री हनुमान जन्मोत्सव का विशेष आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में नगर के नये श्री राम मंदिर गुजरी चौक लांजी में भी माँ सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा संगीतमय सुन्दर काण्ड एवं महाप्रसाद का आयोजन किया गया है। बतादे कि नये श्री राम मंदिर में स्थापित श्री हनुमान जी की प्रतिमा का प्रातः 7 बजे कपिल अग्रवाल एवं एस कुमार्स परिवार के द्वारा अभिषेक पूजन प्रसादी वितरण किया जायेगा। माँ सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में आदर्श महिला मण्डल के द्वारा संगीतमय सुन्दर काण्ड का पाठ किया जायेगा इसके पश्चात समिति के द्वारा महाआरती तथा शाम 7 बजे से महाप्रसाद का आयोजन किया गया है। संपूर्ण आयोजन के सेवार्थ माँ सिंह वाहिनी दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष मनीष लालू अग्रवाल, राजू गोस्वामी, संदीप अग्रवाल, उमाकांत उपराड़े, अमित पाण्डे, संतोष महोबिया, गिरीश अग्रवाल, संतोष भार्गव, पलाश गोस्वामी, सागर पाण्डे, मुकेश महोबिया, राजा वानखेड़े, पप्पू पाण्डे, तरूण किरनापुरे, जय श्रीवास्तव, सचिन मिश्रा, राजा कालबेले, ओपी चोरवाड़े, पंकज महोबिया, अतुल महोबिया, पार्थ पाण्डे, डॉ सुधांशु कलचुरी, अभय पाण्डे, डॉ हिमांशु कलचुरी, मोनू मिश्रा, विक्कू कालबेले, अरविंद मिश्रा, अनमोल खरगाल, प्रतीक गोस्वामी, अंकित सिंह बैस, हर्ष बक्शी, ओम कालबेले, वेदांत पालीवाल, तरूण उपाध्याय, कुणाल गोस्वामी, बादल घोरमारे, सौरभ अग्रवाल, अरविंद दुबे, सम्राट बैस, अंकू पाण्डे, आर्यन पाण्डे, यश अग्रवाल, आर्यन उके, कमलेश गुरदे, कार्तिक कचवाहे, मयंक कुशले, तनु दुबे, शांतनु मानकर, शानू पाण्डे, देवेश पाठक, संजू यादव, ऋषभ बदरी, दीशांत बडमे, सदानंद चोरवाडे, विजय पाण्डे, राज झा, तेजस बिलगौर, वैभव नगपुरे, हर्ष तिवारी, मोहित यादव, प्रशांत महोबिया, सचिन पाण्डे, महेन्द्र कौशिक, आकाश महोबिया ने समस्त धर्म प्रेमियो से उक्त कार्यक्रमों में पंहुचने की अपील की है।

मड़कापार पंचायत सचिव सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत किरनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मड़कापार के पंचायत सचिव यशवंतराव मलाये सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए सिविल अस्पताल लांजी में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों ने उच्चतर इलाज के लिए उन्हें रेफर कर दिया है। घटना मंगलवार, 31 मार्च 2026 को सुबह लगभग 10:30 बजे की बताई जा रही है। पंचायत सचिव यशवंतराव मलाये, जो ओटेकसा के निवासी हैं, अपनी मोटरसाइकिल पर रिसेवाड़ा पेट्रोल पंप से पेट्रोल भरवाकर वापस लौट रहे थे। बम्हनवाड़ा के समीप लांजी की ओर से आ रहे एक छोटे फोर व्हीलर वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर में यशवंतराव मलाये के पैर और एक हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से 108 एंबुलेंस को बुलाया गया और उन्हें तुरंत सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए उच्च केंद्र रेफर कर दिया है।

उच्च श्रेणी शिक्षक दुलीचंद बरगैया जी को सेवानिवृत्ति पर दी बिदाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला पितकोना संकुल डाबरी, विकासखंड बिरसा, जिला बालाघाट के उच्च श्रेणी शिक्षक एवं प्रधानपाठक दुलीचंद बरगैया जी 31 मार्च 2026 को शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हो गए। श्री दुलीचंद बरगैया जी की प्रथम नियुक्ति 23 जून 1986 को राजनांदगांव जिले में हुई थी। उन्होंने लंबे समय तक शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा प्रदान की। सरल स्वभाव और सौम्य व्यक्तित्व के धनी श्री बरगैया जी अपने सहयोगियों एवं विद्यार्थियों के बीच अत्यंत लोकप्रिय रहे। सेवानिवृत्ति अवसर पर पितकोना शाला में एक भावपूर्ण विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संकुल प्राचार्य ओमप्रकाश डोहरे (डाबरी), जनशिक्षक राधेश्याम घुले, घनश्याम बसोने, शिक्षकगण तुकाराम घोरमारे, कैलाश हरिणखेड, सपनील येड़े, विवेक कुमार खोगंल, तिलकचंद नारनौरे, प्रकाश बुर्रे, नरेश गजबे, डुडेश्वर गुरदे, मनोज मोरघडे, चदेले सर, सुशील येडे, महेश बिसेन, शिवकुमार बनोठे, निरंजन ठाकरे, किशन बागड़े, रूपलाल चौधरी, गामेश्वर हरिणखेड़े, अनिल कुमार मडावी, नवनीत गोड़ाने, बोरकर सर, संतोष रामटेक्कर, कृष्णकुमार लिल्हारे तथा अन्य शिक्षक साथियों ने भाग लिया। शाला प्रबंधन समिति के समस्त सदस्यों, ग्रामीणजनों तथा परिवार के सभी सदस्यों की उपस्थिति में श्री बरगैया जी को भावभीनी विदाई दी गई। सभी उपस्थितजनों ने दुलीचंद बरगैया जी के उज्ज्वल भविष्य, सुखमय एवं स्वस्थ जीवन की कामना की तथा ईश्वर से उन्हें दीर्घायु जीवन प्रदान करने की प्रार्थना की।

कारंजा में पहल आजीविका ने सामुदायिक बीज बैंक का किया शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी अन्तर्गत ग्राम पंचायत कारंजा में आजीविका मिशन अन्तर्गत सामुदायिक बीज बैंक संचालित किया जा रहा है जिसका शुभारंभ 31 मार्च को क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे ने फीता काटकर किया। बतादे कि मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत जिला पंचायत बालाघाट मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ एवं राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बालाघाट के जिला परियोजना प्रबंधक सुश्री स्वेता मेहतो के मार्गदर्शन में विकासखण्ड लांजी में संचालित पहल आजीविका संकुल स्तरीय संगठन ग्राम कारंजा में सामुदायिक बीज बैंक का शुभारंभ किया गया एवं प्राप्त बीजो को बढाने के लिए बीज बैंक सखी उमेश्वरी मच्छिरके द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। सामुदायिक बीज बैंक का शुभारंभ लांजी विधान सभा क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे द्वारा पूजन अर्चन एवं फिता काटकर किया गया। उक्त अवसर पर ग्रामीण आजीविका मिशन विकासखण्ड प्रबंधक राजाराम परते ने सामुदायिक बीज बैंक की महता एवं पारम्परिक बीजो को बढावा देने के लिए बीज संरक्षण हेतु बीज बचाने के लिए चर्चा की गई किसानो को गुणवंता पूर्ण बीज के उपलब्धता हो हल्दी , मिर्ची, धनिया, तुअर सफेद हल्दी एवं विभिन्न प्रकार के धान, गेंहू देशी सब्जी बीज जैसे कोदो, कुटकी, ज्वार, बाजरा, मंडिया, कुरथी, कासीसेमी, छोटी चना, सफेद मटर , पोपट, चना, काली तिल्ली मसुर, मूंग,मक्का, उड़द, आदि फसलो को बढावा देना एवं प्रोत्साहित करने हेतु सलाह दी गई। इस अवसर पर विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि निश्चित रूप से यह शासन की किसानो के लिये बेहतर पहल है। इससे किसानो को बेहतर बीज उपलब्ध हो पायेंगे और वे उत्कृष्ट एवं लाभकारी फसले प्राप्त कर सकते है। आगामी समय में हमारे द्वारा एक गोदाम का भी निर्माण किया जायेगा जो कि किसानों के लिये हितकारी होगा। कृषि विभाग से कृषि विस्तार अधिकारी सौरव मासुरकर ने इस नवाचार की सराहना करते हुए कहा की स्व सहायता समूहों की भागीदारी से परम्परागत खेती को बढावा मिलेगा और रसायनिक उर्वरकों व कीट नाशकों के दुषप्रभावों से बचा जा सकेगा उन्होंने विभाग की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पहल संकुल स्तरीय संगठन के अध्यक्ष सरीता मस्करे, सचिव स्वाति नगपुरे एवं संकुल स्तरीय संगठन में कार्यरत सीआरपी दीदी एवं विकासखण्डं स्तर में संचालित समस्त सीएलएफ के सक्रीय सदस्य, उपस्थित रहें।

भारत माता पब्लिक स्कूल लांजी का बोर्ड परीक्षा का परिणाम रहा सराहनीय

पद्मेश न्यूज। लांजी। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षा का परिणाम विगत 25 मार्च को घोषित किया गया जिसमें नगर में संचालित शिक्षण संस्था भारत माता पब्लिक स्कूल लांजी का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। विद्यालय में कक्षा आठवीं में कुल 18 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए जिसमें सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए इसी प्रकार कक्षा पांचवीं में कुल 47 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए जिसमें भी सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए इस प्रकार विद्यालय का पांचवीं और आठवीं का कुल परीक्षा परिणाम शत् प्रतिशत रहा।

कक्षा आठवीं एवं पांचवी में जिन छात्र छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन कर विद्यालय एवं अभिभावको का नाम गौरवान्वित किया है उनमे कक्षा आठवीं में सोनाक्षी महेश नौखरे 88.5 प्रतिशत के साथ प्रथम, ओजस लिकेश ऐड़े 87.5 प्रतिशत के साथ द्वितीय और प्रणवी आसाराम कुशले 86.1 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान को प्राप्त किया। इसी क्रम में भूमि भैयालाल हनौते ने 85.5 प्रतिशत, सृष्टि संजय कोठारे 84.66 प्रतिशत, उमैर इदारिस खान ने 83 प्रतिशत, भूमिका महेश नगपुरे ने 82.66 प्रतिशत, शिवम युवराज कुटे ने 82.1 प्रतिशत, भव्य भरतलाल नेवारे ने 81.1 प्रतिशत, हर्ष राधेश्याम घोरमारे ने 80.83 प्रतिशत, हिमांशु सतीश किरनापुरे ने 80 प्रतिशत प्राप्त किया। कक्षा पांचवीं में कु वंशिका नोहेश भटेरे 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, खुशी प्रमोद दहीकर 91.25 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान और अवनी ताराचंद दुरूगकर ने 90.25 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान को प्राप्त किया है, इसी क्रम में भाग्यश्री लिलाधर चिखले ने 90 प्रतिशत, धैर्य रतनलाल इनवाती ने 89.75 प्रतिशत, कनक शंकरलाल सोनवाने ने 89.5 प्रतिशत,वैभव किताबचंद बिसेन ने 86.25 प्रतिशत, प्रियांश शोभाराम रामटेक्कर 86 प्रतिशत, काम्या मनोज येरपुड़े ने 85 प्रतिशत, प्रियांशी विजय वंजारी 84.75 प्रतिशत, खुशी खुमराज ठकरेला ने 83.25 प्रतिशत, आरव रविन्द्र पनोरे ने 82.5 प्रतिशत, मिस्टी सजेन्द्र नेवारे ने 80.5 प्रतिशत, श्रेया सुभाष डहाटे ने 80.25 प्रतिशत, मयंक कैलाश पंचेश्वर ने 80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं परिवार का नाम गौरवान्वित किया है, उनकी इस सफलता पर विद्यालय के संचालक गुलाबचंद लोधी एवं बिनिश मैथ्यू तथा विद्यालय के शिक्षक चितरंजनदास दमाहे, निजिन रेज़ी, शिवम रामटेक्कर, पार्वती बापुरे, काजल पांडे, मधु खलखो, प्रियंका कुजुर, नीलम पांडे, अनु बिलावर, सोनाली मुरकुटे, घनप्रिया डोंगरे ,मोना महोबिया, लेखेश्वरी जाम्भुरे, असरिन खाखा, छाया बिसेन, प्रभा कांडुलना, निमंती कांडुलना,सारिका पालेवाल, सरिता बिहोने एवं समस्त स्टाफ ने बधाई प्रेषित की है।

पांढरवानी में उमड़ेगा आस्था का सैलाब, धूमधाम से मनाया जायेगा श्री हनुमान जन्मोत्सव 2 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी स्थित हनुमान दुर्गा मंदिर में आगामी 2 अप्रैल को संकटमोचन श्री हनुमान जी महाराज का जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में मनाया जायेगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर ग्रामीणों और विशेषकर युवाओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। चर्चा में आयोजन समिति के युवाओं ने बताया कि भगवान हनुमान जी का जन्मोत्सव का शुभारंभ 2 अप्रैल को ब्रम्हा मुहूर्त में सुबह 4 बजे विशेष पूजा-अर्चना के साथ किया जायेगा। इस दौरान हनुमान जी महाराज को सिंदूर और चमेली के तेल का लेप लगाकर विधि-विधान से चोला चढ़ाया जायेगा तत्पश्चात सामूहिक आरती और पूजा अर्चना की जायेगी। साथ ही यह भी बताया कि जन्मोत्सव के पावन अवसर पर मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम भी संपन्न होगें। जिसमें प्रात: 11 बजे से भक्तिमय स्वर में सुंदरकांड का पाठ किया जायेगा, दोपहर 3 बजे सुख-समृध्दि की कामना के साथ भव्य हवन-पूजन संपन्न होगा तत्पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि पांढरवानी में प्रतिवर्ष हनुमान जन्मोत्सव का यह कार्यक्रम आपसी जनसहयोग और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से आयोजित किया जाता है। युवाओं ने बताया कि हनुमान जी के प्रति अटूट श्रध्दा के कारण पूरा गांव इस दिन भक्ति के रंग में सराबोर रहता है। इस आयोजन से न केवल धार्मिक सद्भावना बढ़ती है, बल्कि ग्रामीण एकता को भी बल मिलता है। इस अवसर पर क्षेतीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील आयोजन समिति एवं ग्राम के युवाओं ने की है।

विकासखण्ड लांजी में 10 नये प्राथमिक शाला भवनों की मिली स्वीकृति

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी विकासखण्ड के लगभग 10 जीर्ण शीर्ण स्कूल भवनों के स्थान पर नये स्कूल भवन बनने जा रहे है जिसकी स्वीकृति भी मध्यप्रदेश शासन के द्वारा की जा चुकी है। नये स्कूल भवनों के स्वीकृत होने से निश्चित रूप से शिक्षा के स्तर को एक बेहतर आयाम मिलेगा। जिस पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुये जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति के अध्यक्ष अजय अवसरे ने कहा कि निश्चित रूप से नये स्कूल निर्माण से विद्यार्थीयो को एक बेहतर वातावरण मिलेगा, शिक्षा के स्तर में सुधार आयेगा। विद्यार्थियो को सुरक्षित एवं बेहतर शिक्षण वातावरण मिलेगा। क्षेत्र के जिन 10 स्कूलो में नये भवन निर्मित होने जा रहे है उनमें प्राथमिक शाला महाजन टोला टेड़वा, लागत18.25 लाख रुपये, प्राथमिक शाला बोरीकला लागत-10.61 लाख रुपये, प्राथमिक शाला छेरका टोला लागत- 18.25 लाख रुपये, प्राथमिक शाला अंधीयाटोला लागत 18.25 लाख रुपये, प्राथमिक शाला परसाटोला लागत 18.25 लाख रुपये, प्राथमिक शाला बकरामुंडी लागत 10.61 लाख रुपये, प्राथमिक शाला लाल टोली, साडरा लागत 10.61 लाख रुपये, प्राथमिक शाला भिमोड़ी लागत 18.25 लाख रुपये, प्राथमिक शाला भूरसाडोंगरी लागत 18.25 लाख रुपये, प्राथमिक शाला बेनेगांव लागत 10.61 लाख रुपये से निर्मित किये जा रहे है। अजय अवसरे ने कहा कि नवीन स्वीकृत यह 10 नये स्कूल भवन लांजी विकासखण्ड के शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पुराने स्कूल भवन बेहद ही जर्जर अवस्थाओं में पंहुच चुके है जिनके निर्माण की मांग लगातार उठ रही थी, विद्यार्थियो को इन पुराने भवनों में असुविधाऐं भी काफी हो रही थी वहीं शिक्षको को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में अब जब नये भवन स्वीकृत हो चुके है तो निश्चित रूप से विद्यार्थियों एवं शिक्षको को एक सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण मिलेगा। आधुनिक तौर पर निर्मित इन स्कूल भवनों में बेहतर कक्षाऐं, स्वच्छ पेयजल, शौचालय सहित अन्य व्यवस्थाऐ प्राप्त होगी अवसरे ने कहा कि निश्चित रूप से यह कदम शिक्षा के स्तर को नई उंचाईयॉ तक पंहुचाने में लाभकारी सिद्ध होगा। सभी स्कूल भवनों के निर्माण अतिशिघ्र प्रारंभ किये जाकर निश्चित समय में पूर्ण किया जाये ताकि विद्यार्थियो एवं शिक्षक को शिघ्रता से नवीन स्कूल भवनों का लाभ प्राप्त हो सके।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नगर में सार्वजनिक कुओं का किया निरीक्षण

नपा सीएमओ ने साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु शासन के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत स्वच्छ कुआं सुरक्षित जल, यही है स्वस्थ जीवन का संबल भावना को लेकर विशेष गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। यह अभियान १९ मार्च से प्रारंभ होकर ३० जून २०२६ तक जारी रहेगा। इसी क्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके द्वारा ३१ मार्च को नगर क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक कुओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुओं का चिन्हांकन करते हुए उनकी साफ सफाई का कार्य प्रारंभ कराया गया तथा आवश्यकतानुसार मरम्मत एवं जीर्णोद्धार के निर्देश दिए गए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके ने बताया कि अभियान के अंतर्गत नवीन जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल स्रोतों की सफ ाई एवं नवीनीकरण,जल गुणवत्ता परीक्षण, जल वितरण प्रणाली की सफ ाई, रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना, बंद पड़े हैंडपंपों की मरम्मत,सोकपिट निर्माण तथा पाइपलाइन लीकेज सुधार जैसे कार्य किए जा रहे हैं। नगर के सभी सार्वजनिक कुओं की साफ सफ ाइ, रंगाई.पुताई एवं आवश्यक मरम्मत कार्य कराए जाएंगे। जिससे गर्मी के मौसम में जल स्तर बना रहे और आम नागरिकों को स्वच्छ एवं पर्याप्त जल उपलब्ध हो सके। अभियान का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण, जल गुणवत्ता में सुधार तथा आमजन को स्वच्छ जल उपलब्ध कराना है। अभियान के दौरान कुओं में जमा कचरा, गाद एवं अपशिष्ट पदार्थों को हटाकर गहन सफाई की जा रही है। साथ ही आसपास के क्षेत्रों में साफ सफ ाई, कीटाणुनाशक छिड़काव एवं जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता गतिविधियाँ भी संचालित की जा रही हैं। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सरिता दांदरे ने कहा कि जल स्रोतों का संरक्षण सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस अभियान के माध्यम से पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित कर स्वच्छ एवं सुरक्षित जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने नागरिकों से अपील की कि वे जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें तथा कुओं में कचरा ना डालें।

मप्र, छग और राजस्थान के युवा विधायक सम्मेलन के समापन अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा

जब एमपी-सीजी अलग हुए तब विधायकों की आंखों में आंसू थे

भोपाल। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के युवा विधायकों के सम्मेलन के समापन अवसर पर मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि हरिवंश नारायण सिंह की उपस्थिति में ही कुछ दिन पहले स्पीकर कॉन्फ्रेंस में इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई थी और आज वह कार्यक्रम सम्पन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि रमन सिंह की अनुपस्थिति काफी खली, क्योंकि वे अस्वस्थ थे। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ एक समय में एक ही राज्य थे। हम लोग संगठन के काम से अविभाजित मध्य प्रदेश में प्रवास करते थे। उन्होंने आगे कहा कि एक समय ऐसा आया जब चुनाव से पहले कुछ लोग छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने की मांग कर रहे थे। इसके बाद राजनीतिक दलों के चुनावी घोषणा पत्र आए- कांग्रेस ने भी अपने घोषणा पत्र में यह वादा किया कि यदि उनकी सरकार बनेगी तो वे छत्तीसगढ़ राज्य बनाएंगे, और बीजेपी ने भी इसे अपने घोषणा पत्र में शामिल किया।

उन्होंने कहा कि स्वाभाविक रूप से जब छत्तीसगढ़ के गठन की बात आई, उस समय अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे। उस समय जब विभाजन की स्थिति बन रही थी, तो लोगों को लग रहा था कि राज्य अलग क्यों हो रहा है। लेकिन अटल जी ने कहा कि घोषणा पत्र में जो वादा किया गया है, उसे पूरा करना ही होगा। इसी क्रम में उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ दोनों राज्यों का गठन हुआ। मुझे वह क्षण आज भी याद है जब छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश विधानसभा से

अलग हुआ। उस दिन मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सभी विधायकों की आंखों में आंसुओं के अलावा कुछ नहीं था। इसीलिए आज भी दोनों राज्यों के बीच वही आत्मीयता बनी हुई है।

सम्मेलन में टेक्नोलॉजी और स्वच्छता पर भी बात हुई

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि दो दिनों तक चले इस सम्मेलन में अलग-अलग विचारधाराओं के विधायकों ने अपनी सीमाओं से ऊपर उठकर विषय के अंतर्गत अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि पहले से यह तय किया गया था कि पहली घंटी 8 मिनट पर और दूसरी घंटी 10 मिनट पर बजेगी, और दूसरी घंटी बजते ही हर व्यक्ति को अपना वक्तव्य समाप्त करना होगा। उन्होंने संतोष जताया कि सभी सदस्यों ने इस अनुशासन का पालन किया और इसके लिए उन्होंने सभी विधायकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि जब जनप्रतिनिधियों को अपने विचार रखने का अवसर मिलता है, तो वे स्वाभाविक रूप से समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं। यह उनका स्वभाव भी है। लेकिन इसके साथ ही सिर्फ समस्याएं उठाना ही नहीं, बल्कि राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ काम करना भी आवश्यक है और यह विचार विशेष रूप से युवा विधायकों से सामने आया। सम्मेलन में टेक्नोलॉजी के उपयोग, स्वच्छता कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने, सोलर एनर्जी को बढ़ावा देने, शिक्षा के विस्तार के साथ उसकी गुणवत्ता सुधारने, तथा आधारभूत संरचना के विकास जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि सभी की इच्छा होती है कि विकास हो, लेकिन सदस्यों ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि अधूरी संरचनाओं को पहले गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए, जिससे जनसुविधाएं बेहतर हों और जनकल्याण बढ़े। साथ ही, जनता की सीधी भागीदारी से लोकतंत्र को और मजबूत बनाने पर भी बल दिया गया। सभी सदस्यों ने अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए इस बात पर भी चिंता व्यक्त की कि अनुसंधान (रिसर्च) पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए चाहे वह सरकार के माध्यम से हो, विधानसभा के स्तर पर हो या फिर क्षेत्रीय विकास के लिए जनप्रतिनिधियों के माध्यम से। इसके अलावा, राज्य की वित्तीय स्थिति को और मजबूत बनाने, वित्तीय संस्थानों को सुदृढ़ करने, तथा देश की रक्षा व्यवस्था और सेवाओं को और सक्षम बनाने जैसे विषयों पर भी चर्चा में विशेष फोकस रहा।

किसी भी मंच पर 10 मिनट का समय पर्याप्त

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि उन्हें यह नहीं मालूम कि इस प्रकार की कॉन्फ्रेंस दोबारा कब होगी, लेकिन वे यह जरूर जानते हैं कि सभी विधायक युवा हैं और युवा होने के नाते उन्हें भविष्य में कई बड़ी कॉन्फ्रेंसों में भाग लेने और अपने विचार रखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि सामान्य तौर पर हम सभी को अपने अध्ययन का दायरा और बढ़ाना चाहिए। कई बार कम समय में हम विषय के मूल अर्थ को समझने के बजाय अन्य बातों में उलझ जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी मंच पर 10 मिनट का समय पर्याप्त होता है, बशर्ते विषय का गहराई से अध्ययन किया गया हो। उन्होंने बताया कि यदि हम अध्ययन को अपनी आदत बना लें और विषय से गहराई से जुड़ें, तो एक ही विषय पर लंबे समय तक प्रभावी ढंग से अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं। इसलिए हमारी कोशिश यह होनी चाहिए कि इस कॉन्फ्रेंस से हमने जो सीखा है, उसे आगे भी लागू करें। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन ने सभी को एक-दूसरे को समझने का अवसर दिया है। साथ ही, यह भी समझने का मौका मिला कि हमारी कमियां क्या हैं और कम समय में विषय को प्रभावी तरीके से कैसे प्रस्तुत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अक्सर व्यक्ति तब गलती करता है जब वह खुद को पूर्ण या मास्टर समझने लगता है। यदि किसी भी उम्र में व्यक्ति के भीतर विद्यार्थी भाव और सीखने की इच्छा बनी रहती है, तो सीखने की प्रक्रिया कभी रुकती नहीं है। उन्होंने कहा कि जिसमें विद्यार्थी भाव होता है, वह न केवल विषय को बेहतर तरीके से समझता है, बल्कि अपने व्यक्तित्व को भी निरंतर निखारता रहता है। अंत में उन्होंने कहा कि आज लगभग 40 लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए हैं, जिससे हम सभी को निश्चित रूप से प्रेरणा मिली है।

मप्र में प्रोफेसर्स की वरिष्ठता सूची गड़बड़ाई

दो हिस्सों में बंटे विभागीय कार्यालयों ने बढ़ाई उलझन

भोपाल । मप्र में उच्च शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली इस कदर गड़बड़ाई हुई है कि एक को सुधारने में दूसरी उलझन बढ़ जा रही है। खासकर प्रोफेसरों की वरिष्ठता सूची तो ऐसी गड़बड़ाई है कि किसी को कुछ समझ में ही नहीं आ रहा है। आलम यह है कि उच्च शिक्षा विभाग ने 2011 के बाद से असिस्टेंट प्रोफेसरों की वरिष्ठता सूची ही नहीं बनाई है, जबकि नियमानुसार यह ग्रेडेशन लिस्ट हर साल या अधिकतम 3 साल में जारी होनी चाहिए थी। हैरानी की बात यह है कि वर्ष 2024 में तत्कालीन आयुक्त निशांत वरवड़े के कार्यकाल में जो प्रोविजनल सूची जारी हुई थी, विभाग ने अब उसे रिजेक्ट कर दिया है। अब विभाग 2026 में वापस पीछे लौट गया और 2012 की प्रोविजनल सूची जारी कर दी है। एक ओर इससे प्रोफेसर्स की सीनियरिटी को लेकर असमंजस और बढ़ गया हैं।

नियमानुसार 2024 में जारी सूची को अद्यतन मानते हुए 2023 तक की स्थिति स्पष्ट मानी जा रही थी। इसके विपरीत 2026 में 2012 की प्रोविजनल सूची जारी होना यह दर्शाता है कि अभी विभाग को केवल 2011 तक की स्थिती स्पष्ट है। 2012 से नियमित तौर पर सूची न बनाना और अब पिछले दो साल में आयुक्त कार्यालय और मंत्रालय स्तर पर अलग-अलग कार्यवाही करना प्रश्न खडे करता है। सूत्रों के अनुसार नई सूची पर विभाग को ढेरों आपत्तियां मिल चुकी हैं। इन विसंगतियों के चलते आने वाले दिनों में कोर्ट केस बढने़ की पूरी संभावना जताई जा है, जिससे पूरी प्रक्रिया और अधिक उलझ सकती है।

सामने आ रही खामियां

इधर, 2012 की सूची में 2006 से 2009 के बीच के कई ऐसे शिक्षकों को असिस्टेंट प्रोफेसर बताया गया है, जो अब एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर बन चुके हैं। इन्हें वर्ष 2018 में डीपीसी की अनुशंसा के बाद प्रोफेसर का पदनाम दिया जा चुका था। पदनाम का लाभ लेकर 933 शिक्षक प्रोफेसर बन चुके हैं और आगे चलकर इनमें से कई एडिशनल डायरेक्टर, कुलगुरु व प्राचार्य जैसे पदों तक पहुंच गए। इन पदों पर रहते हुए उन्होंने अपने से वरिष्ठ प्रोफेसरों की गोपनीय प्रविष्टियां (सीआर) तक लिखीं। वहीं करीब 70 प्राफेसर जिन्हें यह लाभ नहीं मिला, उन्हें न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। अब 2025 में कोर्ट में विभाग ने कहा है कि भर्ती नियमों में पदनाम का कोई प्रावधान नहीं है। ऐसे में पदनाम के आधार पर हुए प्रमोशन, नियुक्तियां और उनसे जुड़े प्रशासनिक निर्णयों की स्थिति को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। भर्ती नियमों में हर दस साल में यूजीसी रेगुलेशन को समन्वित किया जाना चाहिए, लेकिन प्रदेश में लंबे समय से इसमें संशोधन नहीं किया गया। सूत्रों के अनुसार 1990 के बाद 2015 में केवल आंशिक संशोधन किया गया। अब कहीं 2018 के नियमों से प्रोफेसरों की सीआर लिखी जा रही है, जबकि कई प्रक्रियाएं पुराने नियमों से संचालित हो रही हैं। यही असंगति विभागीय निर्णयों को और उलझा रही है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नियमानुसार हर साल ग्रेडेशन यानी सीनियरिटी लिस्ट बननी चाहिए, लेकिन 2011 के बाद से सूची नहीं बनी। 2024 में तत्कालीन आयुक्त ने जो सूची बनाई थी, अब वह अस्तित्व में नहीं है। अभी विभाग ने जो 2012 की प्रोविजनल सूची जारी की है, प्रक्रियानुसार उसे फाइनल किया जाएगा। उसे बेसलाइन मानते हुए जल्द ही आगे के वर्षों की सूची तैयार की जाएगी। प्रांताध्यक्ष शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ प्रो. आनंद शर्मा का कहना है कि मंत्रालय और आयुक्त कार्यालय के बीच समन्वय की कमी स्पष्ट है। 2024 में प्रोविजनल सूची के बाद फाइनल सूची आनी चाहिए थी, लेकिन 2026 में 2012 की प्रोविजनल सूची जारी कर दी गई है, इससे असमंजस बढ़ा है। स्पष्टता के लिए विभाग का रूख किया जाता है लेकिन यहां तो उलझन ही उलझन है। वहीं एसीएस उच्च शिक्षा विभाग अनुपम राजन का कहना है कि विभाग की ओर से जारी 2012 की प्रोविजनल सूची को जल्द ही अंतिम स्वरूप दिया जाएगा। यही सूची फाइनल होगी।

4 दिवसीय स्कूल चलें हम अभियान आज से

भोपाल । मध्यप्रदेश में नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत बुधवार से स्कूल चलें हम अभियान के साथ होने जा रही है। चार दिन तक चलने वाले इस अभियान का फोकस सिर्फ औपचारिक शुरुआत नहीं, बल्कि अधिक से अधिक बच्चों को स्कूल से जोडऩे पर रहेगा। करीब 92 हजार सरकारी स्कूलों और 85 लाख विद्यार्थियों वाले इस बड़े तंत्र में नामांकन बढ़ाने, ड्रॉपआउट बच्चों को वापस लाने और शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने की कोशिश की जाएगी। राज्य से लेकर गांव स्तर तक कार्यक्रमों की रूपरेखा तय कर दी गई है।

पहले दिन बालसभा के जरिए बच्चों को स्कूल से जोड़ा जाएगा। दूसरे दिन भविष्य से भेंट कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। तीसरे दिन सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों के माध्यम से पालकों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी, जबकि चौथे दिन ऐसे बच्चों पर ध्यान दिया जाएगा, जो पढ़ाई में पिछड़ गए हैं।

गांव और बस्तियों में बच्चों की होगी पहचान

अभियान का सबसे अहम उद्देश्य स्कूलों में नामांकन बढ़ाना है। इसके लिए गांव और बस्तियों में ऐसे बच्चों की पहचान की जाएगी, जो अभी तक स्कूल से बाहर हैं। शिक्षकों और प्रशासनिक अमले को

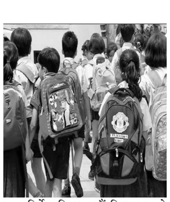

स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि हर बच्चे को स्कूल से जोडऩे की कोशिश की जाए। अभिभावकों का स्कूल स्तर पर स्वागत कर उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में बताया जाएगा। अभियान का राज्य स्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा। वहीं जिला स्तर पर प्रभारी मंत्री, सांसद और विधायक प्रवेशोत्सव कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इससे अभियान को व्यापक जनभागीदारी मिलने की उम्मीद है। स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कार्यक्रमों का आयोजन व्यवस्थित और प्रभावी तरीके से किया जाए।

पहले दिन बालसभा, किताबें भी मिलेंगी

1 अप्रैल को सभी स्कूलों में बालसभा का आयोजन होगा। इस दिन बच्चों को निश्शुल्क पाठ्य-पुस्तकों का वितरण भी किया जाएगा, ताकि सत्र की शुरुआत से ही पढ़ाई में कोई बाधा न आए। साथ ही बच्चों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था भी की गई है, जिससे स्कूल का माहौल उत्साहपूर्ण बने। अभियान के दूसरे दिन विद्यार्थियों को प्रेरित करने पर जोर रहेगा। इस दिन विभिन्न क्षेत्रों के सफल लोग जैसे खिलाड़ी, कलाकार, अधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता स्कूल पहुंचकर बच्चों से संवाद करेंगे। वे अपने अनुभव साझा कर पढ़ाई के महत्व को समझाएंगे और बच्चों को आगे बढऩे के लिए प्रेरित करेंगे। 3 अप्रैल को स्कूलों में सांस्कृतिक और खेल-कूद कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें पालकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और शिक्षा में उनकी भूमिका को मजबूत करने पर जोर रहेगा। जिन बच्चों की उपस्थिति 85त्न से अधिक रही है, उनके पालकों को सम्मानित भी किया जाएगा।

कमजोर छात्रों पर विशेष ध्यान

अभियान के आखिरी दिन ऐसे विद्यार्थियों की पहचान की जाएगी, जो कक्षोन्नति प्राप्त नहीं कर सके। उनके पालकों को समझाया जाएगा कि असफलता अंत नहीं है और लगातार प्रयास से बेहतर भविष्य बनाया जा सकता है।

मूंग खरीदी पर सरकार का रुख स्पष्ट नहीं, किसान चिंतित

समर्थन मूल्य पर खरीद की मांग, किसान बोले- लागत बढ़ी, व्यापारी सही दाम नहीं देते

भोपाल। मप्र के किसानों को ग्रीष्मकालीन मूंग की फसल की खरीदी को लेकर अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीद के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी नहीं किए गए हैं, जिससे किसानों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

किसानों का मानना है कि यदि मूंग की उपज की खरीदी समर्थन मूल्य पर नहीं होती है, तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान होगा। उन्हें आशंका है कि मंडियों में व्यापारी मनमाने तरीके से कम दामों पर मूंग खरीदेंगे, जिससे लागत निकालना भी मुश्किल हो जाएगा।

किसानों ने बताया कि मूंग की फसल में प्रति एकड़ 10 से 15 हजार रुपये की लागत आती है। समर्थन मूल्य पर कम से कम 8700 रुपये प्रति क्विंटल का भाव मिलता है, लेकिन यदि सरकार खरीद नहीं करती है, तो व्यापारी इसे मात्र तीन से चार हजार रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीदेंगे।

समर्थन मूल्य पर खरीदी की मांग की

किसानों ने कहा कि यदि समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीदी नहीं होती है, तो किसान आर्थिक रूप से टूट जाएंगे। उन्होंने मौसम की मार के साथ-साथ सरकारी नीतियों को भी किसानों की समस्याओं का कारण बताया। भारतीय किसान संघ ने सोशल मीडिया से मिली जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि सरकार द्वारा इस वर्ष मूंग की खरीदी न करने का निर्णय किसान विरोधी है, जिसका संघ घोर विरोध करता है। युवा किसान अंकित चोयल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मकालीन मूंग की उपज को समर्थन मूल्य पर खरीदने की जल्द घोषणा करने की मांग की है। किसान संदीप डाले ने बताया कि नरवाई (फसल अवशेष) प्रबंधन के कारण भी इस साल मूंग की लागत बढ़ गई है।

30 का ब्रेड 35 में मिलेगा, जूते-चप्पल भी होंगे महंगे

- आज से दैनिक उपयोग की चीजों पर 20 से 25 प्रतिशत की होगी बढ़ोतरी

भोपाल। मीडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध का असर अब आम जनता की जेब पर भी सीधा पडऩे लगा है। कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिसके कारण पेट्रोकेमिकल से बनने वाले बायप्रोडक्ट भी महंगे होते जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन बाधित होने से रॉ-मटेरियल की उपलब्धता भी कम हो गई है। ऐसे में 1 अप्रैल से दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली कई वस्तुओं के दाम बढ़ जाएंगे।

मध्य प्रदेश एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों और उद्योगपतियों ने बताया कि दैनिक जीवन में उपयोग करने वाले सामान पर 20 से 25 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी होने वाली है। जिन वस्तुओं की कीमतें बढ़ेंगी, उनमें ब्रेड, बिस्किट, जूते-चप्पल, प्लास्टिक जैसे उत्पाद सहित कई अन्य वस्तुएं भी शामिल हैं। अधिकांश कंपनियां नए रेट में काम को शुरू करने की प्लानिंग कर रही है। अब तक जो भी बिस्किट का पैकेट 5 रुपए का आता था, वह 6 रुपए का मिलने लगेगा। 30 रुपये का ब्रेड का पैकेट अब 35 रुपये में, 100 रुपये की चप्पल 120 रुपये में और 1 किलो सर्फ की थैली पर 15 से 20 रुपये की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

ब्रेड का पैकेट 3 से लेकर 6 रुपए तक महंगा होगा

उद्योगपति हरीश भाटिया ने बताया कि वॉर से पहले 90-95 रुपए प्रति किलो का पीपी प्रोडक्ट अब 170-172 रुपए हो गया है, जिससे फिनिश प्रोडक्ट महंगे हुए हैं। अप्रैल से 400 ग्राम ब्रेड 5-6 रुपए और कम वजन वाले पैकेट 3-4 रुपए महंगे होंगे। कुछ जगह रेट बढ़ चुके हैं, लेकिन अधिकतर कंपनियां पुराना स्टॉक खत्म होने के बाद अप्रैल से नए रेट लागू करेंगी।

साबुन-सोडे पर भी पड़ रहा असर

केमिकल फैक्ट्री संचालक कांता यादव ने बताया कि डिटर्जेंट में एसिड स्लरी मुख्य कच्चा माल है, जिसका 300 ग्राम तक इस्तेमाल प्रति किलो होता है। यह कच्चे तेल से बनता है और खाड़ी में बने हालात से इसकी कीमत और उपलब्धता पर असर पड़ा है। पहले मांग अनुसार सप्लाई मिलती थी, अब कम मिल रही है। इंदौर में 200 से अधिक यूनिट्स का टर्नओवर 4,000 करोड़ से ज्यादा है। स्लरी और पैकिंग महंगी होने से 1 किलो सर्फ 15-20 रुपए महंगा होगा।

रॉ मटेरियल 50 प्रतिशत तक महंगा हो चुका

एसोसिएशन ऑफ फुटवियर के प्रेसीडेंट गिरीश पंजाबी ने बताया कि एमपी की आर्टिफिशियल लेदर फुटवियर इंडस्ट्री पूरी तरह पेट्रोकेमिकल रॉ मटेरियल पर निर्भर है। इसके कारण फिनिश गुड्स 20-25 प्रतिशत तक महंगे होंगे।

निगम-मंडलों में नियुक्तियों की सूची तैयार

केंद्रीय नेतृत्व की मंजूरी मिलते ही होगी जारी

भोपाल । मध्यप्रदेश में निगम, मंडल, प्राधिकरण और आयोगों में राजनीतिक नियुक्तियों का लंबा इंतजार अब जल्द खत्म हो सकता है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में हुई बैठक में संभावित नामों की सूची लगभग तय कर ली गई है। इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिवप्रकाश और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल शामिल रहे। मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश संगठन के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ भी इस विषय पर विस्तार से चर्चा हुई। जानकारी के अनुसार इस सूची में 50 से ज्यादा नेताओं के नाम शामिल हैं। इससे पहले केंद्रीय नेतृत्व ने सूची वापस भेजकर कुछ और नाम जोडऩे को कहा था, जिसके बाद प्रदेश संगठन ने इसमें संशोधन किया। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस सूची को लेकर दिल्ली जा सकते हैं। केंद्रीय नेतृत्व की मंजूरी मिलने के बाद नियुक्तियों का ऐलान किया जाएगा। संभावना है कि अप्रैल के पहले सप्ताह में इन पदों पर नियुक्तियां हो सकती हैं।

जहां-जहां नामों को लेकर विवाद की स्थिति है, वहां फिलहाल नियुक्तियां टाली जा सकती हैं। बाकी पदों पर सहमति बनने के बाद प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। बता दें इससे पहले प्रदेश में 123 नगर परिषद और 46 नगर पालिका में 750 से अधिक एल्डरमैंनों की नियुक्ति की गई। साथ ही ग्वालियर से आने वाले फायर ब्रांड हिंदूवादी नेता जयभान सिंह पवैया को राज्य वित्त आयोग का अध्यक्ष बनाया।

4 और 5 को होगी संघ की समन्वय बैठक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की समन्वय बैठक 4 और 5 अप्रैल को भोपाल के शारदा विहार में होगी। इसमें संघ के 37 अनुशांगिक संगठनों के साथ भाजपा भी शामिल होगी। समन्वय बैठक में पार्टी के ओर से प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल हो सकते हैं। समन्वय बैठक की तैयारियों को लेकर सीएम हाउस में हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और प्रदेश अध्यक्ष से चर्चा की। इस बैठक में संघ पदाधिकारी दीपक विस्पुते, वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल और कैलाश विजयवर्गीय मौजूद थे। भोपाल में होने वाली समन्वय बैठक में संघ के सह कार्यवाह अरुण कुमार भी शामिल होंगे। अरुण कुमार संघ और भाजपा में समन्वय का काम देखते हैं। माना जा रहा है कि इस बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री की नियुक्ति को लेकर भी चर्चा होगी। गौरतलब है कि संघ की प्रतिनिधि सभा की बैठक हाल ही में हुई है। ऐसे में राजधानी में होने वाली समन्वय बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस बैठक में संघ एक साल की कार्ययोजना पर भी चर्चा करेगा। इसके अलावा संघ अपने 32 अनुशांगिक संगठनों के दायित्वों में बदलाव को लेकर भी चर्चा करेगा। संघ की इस बैठक से पहले सत्ता और संगठन के बीच कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं। आरएसएस ने अपनी संगठनात्मक संरचना में बदलाव किया है। नई व्यवस्था के तहत प्रांत प्रचारक का पद खत्म कर दिया है। इसके स्थान पर संभागीय प्रचारक का नया पद बनाया गया है। हरियाणा के पट्टीकल्याणा (समालखा) में आयोजित संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में यह बदलाव हुआ था। भोपाल में होने वाली समन्वय बैठक में इस बदलाव पर भी चर्चा होगी। प्रदेश सहित देशभर में नई व्यवस्था मार्च 2027 से लागू हो जाएगी। संघ बदली संगठनात्मक संरचना को देखते हुए आगे की रणनीति तय करेगा।

सत्ता-संगठन में नियुक्तियों पर जोर

दरअसल प्रदेश में साल 2027 में नगरीय निकाय चुनाव होना है। इसके बाद विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो जाएगी। इधर, सरकार और संगठन पिछले कई महीने से राजनीतिक नियुक्तियां करने की तैयारी में जुटा है, लेकिन अब तक निगम मंडल और बड़े शहरों के विकास प्राधिकरणों में नियुक्तियां नहीं हो पाई हैं। संघ इनमें जल्द नियुक्ति का पक्षधर है। संघ की इच्छा को ध्यान में रख नगर पालिका और नगर परिषदों में 768 एल्डरमैन की नियुक्तियां की गई हैं। अब जल्द ही प्रदेश के 16 नगर निगमों में भी एल्डरमैन की नियुक्ति करने की तैयारी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को कार्यभार संभाले हुए करीब 8 महीने हो गए हैं। अब तक संगठन की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। समन्वय बैठक में इस पर चर्चा हो सकती है। कार्यकारिणी घोषित होने के बाद भाजपा प्रदेश कार्य समिति की बैठक आयोजित करेगी। भाजपा की पिछली कार्यकारिणी में 237 सदस्य थे। इस बार कार्यकारिणी में सदस्यों की संख्या बढ़ सकती है। दरअसल प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने संकेत दे दिए हैं कि अप्रैल में विस्तारित टीम के साथ पहली कार्यसमिति बैठक आयोजित होगी। इससे पहले सभी नियुक्तियां की जा रही है। इस बार कार्यकार्यकारिणी में युवा और नए चेहरों को शामिल करके पार्टी संगठन में नई ऊर्जा भरने की कोशिश में है। इसके लिए प्रदेश स्तर ही नहीं, अब जिला और मंडल स्तर पर भी संगठनात्मक गतिविधियां काफी तेज हो गई हैं।

टोल प्लाजा पर नकद भुगतान बंद, आज से लागू होगा नया नियम

-अब सिर्फ फास्टेग और यूपीआई से ही होगा टोल भुगतान, डिजिटल पेमेंट अनिवार्य

नई दिल्ली। देशभर में टोल भुगतान व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए 1 अप्रैल से सभी टोल प्लाजा पर नकद भुगतान पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। अब वाहन चालकों को टोल टैक्स चुकाने के लिए केवल फास्टेग या यूपीआई का ही उपयोग करना होगा। सरकार के इस फैसले का उद्देश्य टोल प्लाजा पर लंबी कतारों को कम करना और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना बताया जा रहा है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद बिना डिजिटल भुगतान के टोल प्लाजा पर पहुंचने वाले वाहन चालकों को जुर्माना भरना पड़ सकता है या उन्हें वापस भी लौटाया जा सकता है। अधिकारियों के अनुसार, जिन वाहन चालकों ने अभी तक फास्टेग सक्रिय नहीं कराया है, उन्हें तुरंत इसे अपनी गाड़ी पर लगवाना चाहिए। वहीं, स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके फोन में यूपीआई भुगतान सुविधा चालू हो। इसके अलावा, 1 अप्रैल से टैक्स, रेलवे और बाजार से जुड़े करीब 10 नए नियम लागू होंगे, जिनका सीधा असर आम लोगों पर पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम डिजिटल इंडिया पहल को मजबूती देगा, हालांकि ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में इसे लागू करने में शुरुआती चुनौतियां सामने आ सकती हैं। बदले नियमों से लोगों को खासा परेशान भी होना पड़ सकता है, जिस पर चिंता भी जाहिर की जा रही है।

आज होगा लखनऊ सुपरजायंटस और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

लखनऊ। यहां के इकाना स्टेडियम में बुधवार को लखनऊ सुपरजायंटस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। सुपरजायंटस के लिए सकारात्मक बात ये रहेगी कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। सुपरजायंटस की कप्तानी जहां ऋषभ पंत के पास है, वहीं दिल्ली की कमान अक्षर पटेल संभालेंगे। ऋषभ इस लीग में बेहतर बल्लेबाजी कर अपनी फिटनेस और फार्म हासिल करने का प्रयास करेंगे। वहीं अक्षर का प्रयास भी अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा था। पिछली बार दोनों ही टीमें प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाय थीं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच हुए सात मैचों में से दिल्ली ने चार जीते हैं जबकि तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं हाल के वर्षों में लखनऊ ने दिल्ली को तीन मैच हराकर दिखाया है कि वह भी बराबरी की दावेदार है। उसने 200 रन से अधिक रन बनाकर दिल्ली को कड़ी टक्कर दी है। ऐमें में अगर कैपिटल्स को इस बार जीत दर्ज करनी है तो उसे अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानना होगा। बेन डकेट के नाम वापस लेने ने उसे झटका लगा है। अब उसकी बल्लेबाजी शीर्ष क्रम में केएल राहुल और पथुम निसांका के अलावा पृथ्वी शॉ पर आधारित रहेगी। वहीं मध्यक्रम में टीम के

पास ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा और डेविड मिलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के फिट नहीं होने से टीम की गेंदबाजी की जिम्मेदारी लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव और आकिब नबी पर रहेगी। कप्तान अक्षर पर बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में में भी टीम को ओर से अधिक से अधिक योगदान देने की जिम्मेदारी रहेगी। टीम 2008 से ही लीग का हिस्सा है पर एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है। इस दौरान उसने कई कप्तान भी बदले हैं। दिल्ली के लिए इस मुकाबले में राहुल एक्स फैक्टर साबित हो सकते हैं। 145 आईपीएल मैचों में 46.21 के शानदार औसत से 5222 रन बनाने वाले राहुल इस टूर्नामेंट के सबसे लगातार प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाजों में से एक रहे हैं लखनऊ जैसी कठिन पिच पर राहुल की पारी को संभालने की क्षमता और भी ज्यादा कीमती साबित होगी। अगर वह टीम को एक मजबूत शुरुआत दे पाते हैं और अंत तक बल्लेबाजी करते हैं, तो इससे मध्य क्रम पर दबाव कम होगा और टीम एक अच्छा स्कोर खड़ा कर पाएगी। राहुल के जोड़ीदार के तौर पर पृथ्वी शॉ को मौका मिल सकता है। अभिषेक पोरेल ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया था। पोरेल ने 13 मुकाबलों में 146 के स्ट्राइक रेट से 301 रन बनाए थे। करुण नायर,ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर से भी इस सीजन टीम को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मिलर के आने से टीम का मध्यक्रम और ज्यादा संतुलित दिख रहा है। समीर रिजवी और आशुतोष शर्मा फिनिशर की भूमिका निभाते नजर आएंगे. वहीं, अक्षर पटेल और विपराज निगम बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान देंगे।

वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम कप्तान 2. ऋषभ पंत के अलावा बल्लेबाज निकोलस पूरन पर आधारित रहेगी। ऋषभ को लखनऊ सुपर जायंट्स ने पिछली बार 27 करोड़ में खरीदा था। उन्होंने आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी की थी पर वह अधिकतर समय रन नहीं बना पाये पर अंत में 118 रनों की शानदार पारी खेलते हुए 14 पारियों में कुल 269 रन बनाए थे। इस बार उनका लक्ष्य अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं सलामी बल्लेबाज निकोलस पूरन ने पिछले सत्र में एक आक्रामक सलामी बल्लेबाज के तौर पर 14 मैचों में 524 रन बनाये थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 196.25 का रहा था। इस बार भी टीम उनसे बेहतर प्रदर्शन चाहेगी।

लखनऊ सुपर जायंट्स को मिचेल मार्श और एडेन मार्करम से इस सत्र में टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं पूरन अपने बल पर किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं। हालांकि, कप्तान ऋषभ की फॉर्म लखनऊ टीम के लिहाज से काफी अहम होगी। लखनऊ का मिडिल ऑर्डर थोड़ा कमजोर दिख रहा है। मोहम्मद शमी, आवेश खान, एनरिक नॉर्टजे, मयंक यादव और मोहसिन खान के रूप में लखनऊ के पास अच्छे तेज गेंदबाज हैं। वहीं, स्पिन की जिम्मेदारी दिग्वेश राठी संभालेंगे, जिनका प्रदर्शन पिछले सीजन अच्छा रहा था।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :-

लखनऊ सुपर जाइंट्स :- ऋषभ पंत (कप्तान), आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीज्के, एडेन मार्करम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश महाराज सिंह, आवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, अर्जुन तेंदुलकर, मयंक यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिच नॉर्किया, जोश इंगलिस, अब्दुल समद, हिम्मत सिंह, नमन तिवारी, अक्षत रघुवंशी, मोहसिन खान, मनिमारन सिद्धार्थ, मुकुल चौधरी।

दिल्ली कैपिटल्स :- अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नीतिश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स,आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चामीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी दर, पाथुम निसांका, लुंगी एंगिडिगी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, अजय मंडल, टी नटराजन, माधव तिवारी, करूण नायर, साहिल पारख।

शाहीन के बचाव में उतरे रजा

लाहौर। पाकिस्तान सुपरलीग (पीएसएल) में होटल की सुरक्षा में सेंध के मामले में जहां लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी पर भारी जुर्माना लगाया गया है। वहीं इस मामले में शामिल रहे जिम्बाब्वे के खिलाड़ी सिकंदर रजा ने कहा है कि इसमें शाहीन नहीं बल्कि में दोषी हूं। शाहीन पर आरोप है कि सुरक्षाकर्मियों के मना करने के बाद भी वह अपने चार दोस्तों को होटल के अंदर ले गये थे। इसी कारण पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शाहीन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। वहीं रजा ने अफरीदी का बचाव करते हुए कहा है कि पूरी गलती मेरी है।

रजा भी पीएसएल में लाहौर कलंदर्स की टीम से खेल रहे हैं। पंजाब पुलिस की तरफ से पीएसएल के सीईओ सलमान नसीर के लिखे गए पत्र में सिकंदर रजा और शाहीन शाह अफरीदी पर होटल के सुरक्षा मानकों को तोड़ने का गंभीर आरोप लगाया गया है।

रजा ने आरोपों को खारिज करते हुए सफाई दी है कि जो 4 मेहमान होटल आए थे वे लंबे समय से उनके दोस्त और परिवार के सदस्य की तरह हैं। रजा ने शाहीन का बचाव करते हुए कहा कि मैंने ही शाहीन से कहा था कि उनके दोस्तों को अंदर लाने में सहायता करें। उनके मुताबिक शाहीन ने तो केवल उनकी सहायता की थी। रजा ने कहा, मेरे दोस्त और परिवार वाले आए थे और मेरे अनुरोध पर शाहीन ने उनकी सहायता की। अगर ये सब सुरक्षा मानक हैं तो मुझे इसकी जानकारी नहीं थी। और कुछ हद तक शाहीन भी इस बात को नहीं जानते थे। यहां दोषी तो मैं हूं, शाहीन नहीं। वह मेरे अनुरोध पर नीचे आए थे क्योंकि वहां करीबी लोग थे। मैं उनसे बिजनेस सेंटर में नहीं मिलना चाहता था। हम ऊपरी मंजिल पर 40 मिनट तक बैठे थे।

जडेजा ने बताया, गन शॉट सेलिब्रेशन का कारण

गुवाहाटी। राजस्थान रॉयल्स की टीम ने आईपीएल 2026 की शुरुआत जीत से की है। उसने पहले ही मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को हराया है। इस मैच में रॉयल्स की ओर से खेल रहे रविन्द्र जडेजा ने सीएसके के शिवम दुबे को आउट करने के बाद गन शॉट सेलिब्रेशन किया। ये पहली बार है जब जडेजा ने इस प्रकार से जश्न मानाया। वह अबतक तलवारबाजी वाला जश्न मानते आये हैं पर गन शॉट वाला नहीं। वहीं जडेजा ने इसका कारण भी बताया है। उन्होंने कहा कि मैं जानता था कि शिवम कैसे सोचते हैं। इसलिए मुझे पता था कि वह बड़ा शॉट खेलने का प्रयास करेगा और उसकी इसी योजना को विफल करने में मैं सफल रहा। इसी कारण मैंने जश्न मनाया।

इससे पहले तक सीएसके में रहे जडेजा पहली बार रॉयल्स से खेल रहे हैं। जडेजा ने अपनी पुरानी टीम के सामने खतरनाक गेंदबाजी की। 3 ओवर में 18 रन दिए और 2 विकेट लिए। इसमें सरफराज खान और शिवम दुबे का विकेट शामिल था। दोनों को एक ही

ओवर में जडेजा ने अपना शिकार बनाया। शिवम को आउट करने के बाद जश्न के कारण वह निगाहों में आये। जडेजा ने कहा, मैं उन्हें काफी लंबे समय से जानता हूं। मैं नेट्स में नियमित रूप से उन्हें गेंदबाजी करता रहा हूं। मैं जानता हूं कि वे कैसे सोचते हैं और क्या करना चाहते हैं। मैं इसके लिए तैयार था और मैंने ऑफ-स्टंप के बाहर गेंदबाजी करने की कोशिश की, क्योंकि मुझे पता था कि वे मेरे खिलाफ बड़े शॉट खेलने की कोशिश करेंगे। इस विकेट के साथ सीएसके संभल नहीं पाई और 127 रन पर पूरी टीम सिमट गई। उधर, आरआर ने 13वें ओवर में ही मैच फिनिश कर दिया।

जडेजा ने कहा, मुझे लगा कि विकेट थोड़ा फिसलन भरा था और गेंद घूम रही थी, इसलिए मुझे गेंदबाज़ी करने में बहुत आनंद आया। मेरा काम बस सही जगहों पर गेंद डालना था और बाकी काम पिच पर छोड़ देना था। खेल में आप किसी भी चीज़ को हल्के में नहीं ले सकते; लक्ष्य चाहे जो भी हो, आपको कड़ी मेहनत करने के साथ ही पूरे जुनून से प्रयास करना होता है।

कोच ने बताया सूर्यकुमार के इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरने का कारण

मुम्बई। मुंबई इंडियंस टीम में शामिल बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव आईपीएल सत्र के पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान में उतरे। सूर्या ने इस मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की पर पर वह फिल्डिंग के लिए मैदान में नहीं उतरे। इसके बाद से ही कई सवाल उठे हैं जिनको लेकर अब टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने सफाई दी है। जयवर्धने ने कहा कि टीम में सब कुछ ठीक है और किसी प्रकार की अटकलें लगायी नहीं जानी चाहिये। सूर्यकुमार को हल्की ग्रोइन समस्या थी, इसलिए उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा गया। जिससे वह चोट से बचे रहें। जयवर्धने के अनुसार वह फील्डिंग करने के लिए तैयार थे पर टीम प्रबंधन किसी प्रकार से उनकी फिटनेस को लेकर खतरा मौल नहीं लेना चाहता था। कोच ने साफ कहा कि बड़े खिलाड़ियों को पूरे सत्र के लिए फिट रखना जरूरी है, इसलिए ये सोचा-समझा फैसला था। सूर्या ने केकेआर के खिलाफ ने 8 गेंदों में 16 रन की तेज पारी खेली। उन्होंने शुरुआत में ही बाउंड्री लगाकर लय दिखाई, लेकिन 15वें ओवर में आउट हो गए। मुंबई इंडियंस का अगला मैच 4 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में होगा। और माना जा रहा है कि इस मैच में सूर्यकुमार इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नहीं बल्कि अंतिम ग्यारह में शामिल रहेंगे।

शुरुआती मैच में मिली हार से निराश नहीं रुतुराज

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने कहा है कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल के पहले ही मैच में मिली हार से सबक लेते हुए उनकी टीम वापसी करेगी। रुतुराज ने टीम का बचाव करते हुए कहा है कि सत्र की शुरुआत में गलती होना चल सकता है पर बाद में नहीं। अभी सत्र का पहला ही मैच हुआ है जिसमें मिली हार से टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है। इसलिए टीम में पर किसी प्रकार का मानसिक दबाव नहीं है। टीम आने वाले सत्र में प्रदर्शन के लिए तैयार है। वहीं मैच को लेकर उन्होंने कहा, मैं अधिक निराश नहीं हूं। इसका कारण है कि इस मैच की शुरुआत में हालात कठिन थे। हमारे टीम के लिए जोफ्रा आर्चर जैसे गेंदबाज का सामना करना आसान नहीं था। तब स्पिनरों को भी विकेट से सहायता मिल रही थी जिससे हालात और खराब थे। स्पिनर्स को भी मदद मिल रही थी। उन्होंने हालांकि माना कि टीम बाद में बेहतर बल्लेबाजी कर सकती थी पर असफल रही। उन्होंने कहा कि हम मैच को अंत तक ले जाना चाहते थे। हमारा लक्ष्य 150-160 तक पहुंचना था पर सफल नहीं रहे। उन्होंने माना कि टीम की बल्लेबाज विफल रही। पावरप्ले में टीम ने 41

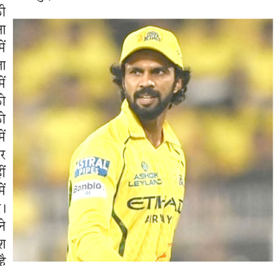

रनों के अंदर तीन विकेट खो दिये थे जिससे उसपर दबाव आ गया था। पारी में कोई भी साझेदारी 40 रन तक नहीं पहुंच सकी जिससे टीम अच्छा स्कोर नहीं बनाने से हार गयी। एक के बाद एक विकेट गिरने से टीम को संभलने का अवसर ही नहीं मिला। इस मैच में टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रहे और उसने शुरुआत में ही रुतुराज और संजू सैमसन के विकेट गंवा दिये। वहीं युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे शून्य पर ही आउट हो गये। मध्य क्रम भी असफल रहा। इम्पैक्स प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान भी 17 रन ही बना पाये। युवा खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने 18 रन बनाए। केवल जेमी ओवरटन ही टिककर खेल पाये। ओवरटन ने 36 गेंदों में 43 रन बनाये पर किसी भी बल्लेबाज ने उनका साथ नहीं दिया। शिवम दुबे 6 रन, नूर अहमद 1 रन और मैट हेनरी 5 रन बनाकर आउट हो गए, पूरी टीम 127 रन पर ऑल आउट हो गई। इसके बाद रॉयल्स ने वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी से आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। अब सीएसके की टीम गुरुवार को पंजाब किंग्स से खेलेगी। इस मैच में सभी की नजरे सीएसके पर रहेंगी।

फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ले सकते हैं संन्यास

टोक्यो। जापान ग्रां प्री में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने से निराश फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ने कहा है कि वह अब अपने भविष्य को लेकर विचार कर रहे हैं। वर्स्टापेन के अनुसार सारी जिंदगी आप रेस नहीं कर सकते और जीवन में आगे भी काफी कुछ है। इससे माना जा रहा है कि वह आने वाले दिनों में संन्यास का फैसला कर सकते हैं। इस सत्र के नियमों से भी वह परेशान नजर आये। चार बार के विश्व चैंपियन वर्स्टापेन ने भी माना है कि जापान ग्रां प्री में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। सुजुका सर्किट पर 11वें स्थान से शुरुआत करने के बाद वह आठवें स्थान तक ही पहुंच सके। इस सत्र में नियमों और इंजन के ढांचे को लेकर भी वह नाराज दिखे। रेस के दौरान एक ऐसा पल भी देखने को मिला जब उनकी गाड़ी की बैटरी तकरीबन समाप्त हो गई थी और इसी कारण वह पिछड़ गये। वहीं क्वालिफाइंग के बाद वर्स्टापेन ने कहा था कि उन्हें अपने भविष्य को लेकर कई चीजों पर विचार करना है। जब उनसे इस बारे में दोबारा पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि वह फॉर्मूला वन में अपने आगे के रास्ते को लेकर विचार कर रहे हैं। बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री रद्द कर दिए जाने से भी खिलाड़ियों को लंबा ब्रेक मिला है। वर्स्टापेन का कहना है कि वह इसी दौरान आने वाले समय में अपने भविष्य पर फैसला ले सकते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि जिंदगी केवल फॉर्मूला वन तक सीमित नहीं है और आगे कई रास्ते हैं। उनके इस बयान से साफ है कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो वह संन्यास भी ले सकते हैं।

दिल्ली को जीत दिलाने अक्षर पटेल को निरंतरता लानी होगी - इरफान पठान

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर ऑलराउंडर और कप्तान अक्षर पटेल के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है और अगर उन्हें अपनी टीम को जीत दिलानी है तो इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पठान के अनुसार पिछले सत्र में अक्षर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। पठान ने बताया है कि हाल के दिनों में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे बड़ी चिंता टीम के खिलाड़ियों का कमजोर प्रदर्शन रहा है। पठान ने किहा कि अक्षर पिछले सत्र के 12 मैचों में केवल 5 विकेट ले पाये और अन्होंने 263 रन बनाए। पठान ने कहा, पिछले साल अक्षर की गेंदबाजी में धार नहीं दिखी थी। उनका आत्मविश्वास हालांकि कप्तान बनने

के बाद बढ़ा होगा पर अगर वह अपनी तरफ से नियमित रूप से विकेट लेते हैं, तो उनकी टीम हावी हो जाएगी क्योंकि उनकी टीम के पास कुलदीप यादव जैसा विकेट लेने वाला गेंदबाज है। इसके अलावा विपराज निगम जैसे उभरता हुआ खिलाड़ी है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कहा, आपको अक्षर और कुलदीप जैसी स्पिन-गेंदबाजी की जोड़ी कहीं और देखने को नहीं मिलेगी। आपको इसमें विपराज का नाम भी जोड़ना होगा। विपराज के साथ उनके पास दो ऐसे अनुभवी खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार दो विश्व कप जीते हैं। भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों वाला ऐसा अनुभव आपको हर जगह नहीं मिलता। दिल्ली के लिए, ये सकारात्मक बात है। कैपिटल्स ने पिछले सत्र की शुरुआत काफी अच्छी करते हुए लगातार चार मैच जीते थे। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स , सनराइजर्स हैदराबाद , चेन्नई सुपर किंग्स और आरसीबी को हराया था पर उसके बाद मुंबई इंडियंस से हार गए और इससे टीम ने अपनी लय गंवा दी थी। यह टीम अपने पिछले 10 मैचों में से सिर्फ तीन ही जीत पाई और अंक तालिका में 5 स्थान पर रही। अब इस सत्र में टीम बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। उसे अपना पहला मुकाबला 1 अप्रैल को लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलना है। दिल्ली का लक्ष्य इस मैच को जीतकर अच्छी शुरुआत करना रहेगा।

आईपीएल की कवरेज के लिए आये ब्रिटेन के ब्रॉडकास्ट इंजीनियर की मौत

मुम्बई। आईपीएल कवरेज की जिम्मेदारी संभाल रहें ब्रॉडकास्ट इंजीनियर ब्रिटेन के इयान विलियम्स लैंगफोर्ड की अचानक हुई मौत से सनसनी फैल गयी है। लैंगफोर्ड को मुंबई के पांच सितारा ट्राइडेंट होटल में मृत पाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इयान 24 मार्च से ही होटल में ठहरे हुए थे। उन्हें भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ब्रॉडकास्ट इंजीनियर के तौर पर रखा था। वहीं

पुलिस के अनुसार आईपीएल मैचों के लिए बीसीसीआई के साथ ब्रॉडकास्ट इंजीनियर के रूप में काम करने वाले एक ब्रिटिश नागरिक की मौत का मामला सामने आया है। वह उम्र 76 वर्ष के थे। 29 मार्च को मैच के बाद इयान अपने होटल के कमरे में पहुंच गये थे पर जब 30 मार्च को उनके कमरे में फोन किया गया तो कोई जवाब नहीं मिला, इसके बाद होटल स्टाफ ने कमरे पर पहुंचकर आवाज दी। कोई जवाब न।

मिलने पर उन्होंने मास्टर चाबी से कमरा खोला और उन्हें फर्श पर मृत पाया गया। . होटल के डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

कार्तिक अन्य तेज गेंदबाजों के एक्शन की नकल न करें - स्टेन

मुम्बई (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के युवा तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी अपना गेंदबाजी एक्शन बार-बार बदल रहे हैं जिससे उन्हें नुकसान हो रहा है। स्टेन के अनसार जिस प्रकार से कार्तिक अन्य गेंदबाजों की नकल करने का प्रयास कर रहे हैं उससे उन्हें बचना होगा। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि किसी को नकल से कुछ लाभ जरुर मिल सकता है पर हर गेंदबाज के पास आना स्वयं का एक्शन होता है जिसे बनाये रखना चाहिये। आईपीएल के पहले ही मैच में कार्तिक ने केकेआर के खिलाफ अपने पहले ही मैच में सूर्यकुमार यादव का विकेट लिया था पर उन्होंने 43 रन भी अपनी गेंदबाजी में दिये। स्टेन ने यह भी कहा कि इस युवा में काफी प्रतिभा है और उसे इसका सही से इस्तेमाल करना चाहिये। इसके साथ ही धैर्य रखते हुए विकेट के लिए हड़बड़ी नहीं करनी चाहिये। स्टेन के अनुसार, विकेट लेने की एक प्रक्रिया होती है और खिलाड़ी को उसी पर ध्यान देना चाहिए, न कि हर गेंद पर विकेट लेने का प्रयास करना चाहिये। साथ ही कहा कि इस गेंदबाज को अपने पर भरोसा रखते हुए जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए।अब तक के आईपीएल कैरियर को देखें तो कार्तिक ने आईपीएल 2020 में राजस्थान के लिए खेलते हुए 10 मैचों में 9 विकेट लिए थे और तभी सभी का ध्यान उनपर गया था। साल 2021 में उन्होंने पंजाब के खिलाफ आखिरी ओवर में 4 रन बचाकर मैच जिताया था। पर इसके बाद चोट और टीम बदलाव की वजह से उनका करियर आगे नहीं बढ़ा। हैदराबाद, गुजरात के बाद अब वह केकेआर से खेल रहे हैं। टीम अगला मैच 2 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ है जिसमें भी उन्हें अवसर मिलना तय है।

पावरप्ले की कमजोरी नहीं ठीक कर पायी सीएसके

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम एक बार फिर पावरप्ले में कमजोर साबित हुई है। इसी कारण आईपीएल 2026 के अपने पहले ही मैच में उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके की आधी टीम शुरुआती छह ओवरों में ही मात्र 41 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी थी। पिछले साल भी उसने पावरप्ले में ही अपने विकेट गंवा दिये थे। कागज पर जहां टीम की बल्लेबाजी कमजोर नजर आती है, वहीं मैदान पर आते ही उसकी कमजोरी की पोल खुल गयी। टूर्नामेंट की शुरुआत पहले दो मैचों में पावरप्ले में बड़े स्कोर के साथ हुई थी। इससे यह साफ हो गया कि अब लीग में पावरप्ले बल्लेबाजी का स्तर काफी कुछ तय करता है। ऐसे में शुरुआत में ही करीब पांच विकेट गिरना दिखाता है कि मैच टीम के हाथों से निकल गया है।

इससे पहले आईपीएल 2025 में भी सीएसके का प्रदर्शन पावरप्ले में अच्छा नहीं रहा था। टीम पावरप्ले में 14 पारियों में 8.70 के रन रेट से 731 रन ही बना पायी थी। उसका औसत पावरप्ले स्कोर 52.21 रहा। सीएसके ने पिछले सत्र में पावरप्ले में 29 विकेट खोये यानी हर पारी में औसतन 2.07 विकेट, जबकि डॉट बॉल प्रतिशत 42.66 फीसदी रहा।पावरप्ले के पहले हाफ में ही काफी कुछ तय होता है। 1 से 3 ओवर में सीएसके ने सिर्फ 7.76 की रन रेट से रन बनाए और 49.60 फीसदी गेंद डॉट खेली। सीएसके के लिए चिंता की बात सिर्फ कम स्कोर नहीं है। असली चिंता यह है कि इस विकेट गिरने का तरीका पिछले साल जैसा ही है। आईपीएल 2025 में सीएसके की पावरप्ले बल्लेबाजी इसलिए खराब थी क्योंकि वह कम स्कोरिंग और ज्यादा नुकसान वाली थी।

एफआईएच नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

लुसाने। भारतीय महिला हॉकी टीम न्यूजीलैंड के आकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएच नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी। हॉकी नेशंस कप प्रो लीग से बाहर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीमों का शीर्ष स्तरीय टूर्नामेंट है। इसमें विजेता टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में खेलने का अवसर मिलता है।भारतीय महिला हॉकी टीम पिछले सत्र में नौ टीमों में आखिरी स्थान पर रहने के बाद से ही प्रो लीग से बाहर हो गई थी। भारत के अलावा इसमें मेजबान न्यूजीलैंड, अमेरिका, जापान, कोरिया, चिली, स्कॉटलैंड और फ्रांस भी भाग लेंगे।

जनगणना 2027 का पहला चरण आज से शुरू...

हो जाएं तैयार 33 सवालों के उतर देने के लिए

देश में पहली बार जनगणना में खुद अपनी जानकारी आनलाइन भरने की सुविधा

नई दिल्ली। जनगणना 2027 का पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से शुरू हो रहा है। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल और आधुनिक तकनीक से हो रही है। पहले चरण को हाउस लिस्टिंग कहा जाएगा, जिसमें मकानों और घरों से जुड़ी जानकारी जुटाई जाएगी। मकानों की गिनती में इस बार जियो-रेफरेंसिंग तकनीक का इस्तेमाल होगा, जिससे हर घर की सटीक लोकेशन सीधे डिजिटल मैप पर दर्ज होगी। मोदी सरकार का कहना है कि इससे कोई मकान छूटेगा नहीं और किसी घर की गिनती दो बार भी नहीं होगी। हाउस लिस्टिंग के बाद फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना का दूसरा चरण शुरू होगा। इस बार पहली बार आजादी के बाद जाति से जुड़ा डेटा भी जुटाया जाएगा। इससे पहले ऐसा 1931 की जनगणना में हुआ था।

जनगणना 2027 में लोगों को यह सुविधा दी गई है कि वे स्वयं अपने घर की जानकारी ऑनलाइन भर सकते हैं। इसके लिए पोर्टल पर जाना होगा। जानकारी भरते ही स्क्रीन पर एसई आईडी दिखाई देगी, जिसे बाद में जनगणना कर्मी को दिखाना होगा। इस प्रक्रिया में ध्यान रखने योग्य कुछ बातें हैं। एक मोबाइल नंबर से केवल एक घर रजिस्टर होगा। मुखिया का नाम बाद में बदला नहीं जा सकेगा।

मोदी सरकार से साफ कर दिया हैं कि जनगणना डेटा को अत्यंत संवेदनशील माना गया है और इस डेटा को बैंकिंग सिस्टम जैसी सुरक्षा दी जाएगी। इसकी निगरानी नेशनल क्रिटिकल इंफॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेंटर करेगी। डेटा को अति संवेदनशील सूचना बुनियादी ढांचे (सीआईआई) की श्रेणी में रखा गया है, जिससे यह पूरी तरह गोपनीय रहेगा और आरटीआई के दायरे से बाहर होगा। इस डेटा को किसी सरकारी योजना या अदालत में साक्ष्य के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। डेटा लीक होने पर राष्टीय सुरक्षा से जुड़े कानूनों के तहत कार्रवाई होगी। जनगणना का आधिकारिक आंकड़ा 1 मार्च 2027 की मध्यरात्रि के आधार पर तय माना जाएगा। जनगणना में इस बार कुछ महत्वपूर्ण बदलाव भी किए गए हैं। अगर कोई जोड़ा लंबे समय से साथ रह रहा है, तब उस जोड़े को विवाहित युगल माना जाएगा, भले ही वे विवाह के बंधन में न बंधे हों। इसके अलावा जनगणना कर्मी आपसे मासिक आय, बैंक बैलेंस, आधार, पैन, बैंक खाता नंबर या ओटीपी जैसी निजी जानकारी नहीं पूछने वाले है।

यह 33 सवाल मकान और परिवार की आधारभूत जानकारी को डिजिटल रूप में सुरक्षित करने और पूरी तरह कवर करने के लिए हैं। इससे सरकार को न केवल घरों की सटीक संख्या पता चलेगी, बल्कि परिवार की संरचना, सुविधाओं और डिजिटल पहुँच का भी स्पष्ट चित्र मिलेगा। नवीन डिजिटल प्रणाली से यह जनगणना तेज़, सुरक्षित और सटीक होगी, जिससे देश की आवासीय और जनसंख्या डेटा का भरोसेमंद आंकड़ा तैयार होगा।

पहले चरण में पूछे जाने वाले 33 सवाल.........जिन सवालों को तीन श्रेणियों में बांटा गया

1. मकान और उसकी बनावट

भवन संख्या (नगरपालिका/स्थानीय प्राधिकरण का नंबर)

जनगणना मकान नंबर

मकान में इस्तेमाल की सामग्री (मिट्टी, लकड़ी, सीमेंट, पत्थर आदि)

दीवार की सामग्री (घास, ईंट, पत्थर, कंक्रीट आदि)

छत की सामग्री (खपरैल, टिन, लोहे की चादर, कंक्रीट आदि)

मकान का उपयोग (आवासीय, दुकान या अन्य)

मकान की स्थिति (अच्छी, रहने योग्य या जर्जर)

घर का नंबर (परिवार के लिए)

परिवार में रहने वाले लोगों की संख्या

2. परिवार और मुखिया की जानकारी

परिवार के मुखिया का नाम

मुखिया का लिंग (पुरुष / महिला / थर्ड जेंडर)

मुखिया अनुसूचित जाति (एससी) से है या नहीं

मुखिया अनुसूचित जनजाति (एसटी) से है या नहीं

मुखिया किसी विशेष समुदाय से है या नहीं (जाति संबंधी जानकारी)

मकान का मालिकाना हक (अपना या किराए का)

परिवार में विवाहित जोड़ों की संख्या

3. सुविधाएं और संसाधन

परिवार के पास कमरों की संख्या

पीने के पानी का स्रोत (नल, हैंडपंप, कुआं आदि) और क्या पानी का स्रोत भवन के अंदर या बाहर है

बिजली का स्रोत (बिजली, केरोसिन, सौर ऊर्जा आदि)

शौचालय की उपलब्धता और उसका प्रकार

गंदे पानी की निकासी (ड्रेनेज) की व्यवस्था

स्नान (नहाने) की सुविधा

रसोई की उपलब्धता और एलपीजी/ पीएनजीकनेक्शन

खाना पकाने का ईंधन (गैस, लकड़ी, कोयला आदि)

रेडियो/ट्रांजिस्टर की उपलब्धता

टेलीविजन की उपलब्धता

डिजिटल उपकरण (इंटरनेट, लैपटॉप/कंप्यूटर, मोबाइल/स्मार्टफोन)

वाहनों की उपलब्धता (साइकिल, स्कूटर/मोटरसाइकिल/मोपेड, कार/जीप/वैन)

नेटफ्लिक्स, गेम एवं डिजिटल सर्विस भारत में होंगी महंगी

मुंबई,। जिनेवा में हुई वैश्विक व्यापार संधि से जुड़ी बैठक में सदस्य देशों के बीच डिजिटल सेवाओं पर शुल्क को लेकर सहमति नहीं बन सकी। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के तहत पिछले 28 वर्षों से इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क नहीं लगाने की व्यवस्था लागू थी, लेकिन इस बार इसे आगे बढ़ाने पर आम राय नहीं बन पाई। ऐसे में अब सदस्य देशों को डिजिटल सेवाओं पर शुल्क लगाने का अधिकार मिल सकता है।

इस फैसले का असर भारत सहित कई देशों पर पड़ने की संभावना है। यदि भारत सरकार डिजिटल सेवाओं पर सीमा शुल्क लागू करती है, तो नेटफ्लिक्स, स्पॉटिफाई, ऑनलाइन गेम डाउनलोड, सॉफ्टवेयर और अन्य स्ट्रीमिंग सेवाएं महंगी हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार को अब तक इस व्यवस्था के कारण सालाना करीब 4,700 करोड़ रुपये के संभावित राजस्व का नुकसान हो रहा था। शुल्क लगाने से यह राजस्व वसूला जा सकेगा।

हालांकि, डिजिटल प्लेटफॉर्म कंपनियां अतिरिक्त कर या शुल्क का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल सकती हैं, जिससे आम लोगों को ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। मनोरंजन, गेमिंग और सॉफ्टवेयर सेवाओं का खर्च बढ़ने की आशंका है। सरकार का मानना है कि तेजी से बढ़ते डिजिटल बाजार में समान कर व्यवस्था जरूरी है, ताकि घरेलू और विदेशी कंपनियों के बीच संतुलन बना रहे। अब सभी की नजर इस पर है कि भारत डिजिटल सेवाओं पर कब और कितना शुल्क तय करता है, क्योंकि इसका सीधा असर करोड़ों इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की जेब पर पड़ सकता है।

बीजेपी ने जारी की 13 उम्मीदवारों की चौथी लिस्ट, मैनागुड़ी में उम्मीदवार बदला

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अपने 13 उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी कर दी। इस सूची में उत्तर 24 परगना जिले की बागदा सीट से केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर की पत्नी सोमा ठाकुर का नाम शामिल है।

साथ ही, भाजपा ने बंगाल चुनावों के लिए 287 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं, जिनके लिए मतदान दो चरणों में होगा। पार्टी ने मैनागुड़ी निर्वाचन क्षेत्र में भी अपना उम्मीदवार बदलकर कौशिक रॉय के स्थान पर दलीम रॉय को मैदान में उतारा है। पार्टी ने हावड़ा दक्षिण से श्यामलाल हाटी, नटबारी से गिरिजा शंकर रॉय और सीताई से आशुतोष बर्मा को उम्मीदवार बनाया है। उत्तम कुमार बनिक मगराहट पुरबा से, देबांशु पांडा फाल्टा से, देबाशीष धर सोनारपुर उत्तर से और रंजन कुमार पॉल पंचला से चुनाव मैदान में है। इसके अतिरिक्त, संतोष पाठक, जिन्होंने हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं, को पार्टी ने कोलकाता के चौरंगी विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है।

उम्मीदवारों की पूरी सूची

1. सिताई (एससी) आशुतोष बर्मा
2. नटबारी गिरिजा शंकर रॉय
3. बागदा (एससी) सोमा ठाकुर
4. मगराहाट पुरबा (एससी) उत्तम कुमार बनिक
5. फाल्टा देबांगशु पांडा
6. सोनारपुर उत्तर देबाशीष धार
7. चौरंगी संतोष पाठक
8. हावड़ा दक्षिण श्यामल हाटी
9. पांचला राजन कुमार पॉल
10. चांदीपुर पीयूष कांति दास
11. गरबेटा प्रदीप लोढ़ा
12. मेमारी मानव गुहा
13. बाराबनी अरिजीत रॉय
14. मयनागुरी दलीम रॉय

पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा और परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे। बंगाल की 294 सीटों वाली विधानसभा में 2011 से ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। पहले चरण में पुरुलिया, बांकुरा, झाड़ग्राम, बीरभूम, पूर्वी और पश्चिमी मिदनापुर, जलपाईगुड़ी, मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तरी और दक्षिणी दिनाजपुर, पश्चिमी बर्धमान, दार्जिलिंग, कूचबिहार, अलीपुरद्वार और कालिम्पोंग में मतदान होगा। दूसरे चरण में पूर्वी बर्धमान, नादिया, उत्तरी और दक्षिणी 24 परगना, हावड़ा, हुगली और कोलकाता में मतदान होगा।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

रघोली दल्ली नार नल के जंगल में एक युवक की फांसी पर लटकी लाश बरामद

मोहित द्वारा शराब की नशे में फांसी लगाने की संभावना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की बिरसा थाने की सालेटेकरी पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम रघोली दल्ली नार नाला के पास जंगल में एक युवक की फांसी पर लड़की लाश बरामद की गई। जिसकी पहचान मोहित पिता स्वर्गीय राधेलाल मेश्राम 29 वर्ष ग्राम कोपेभाटा चौकी सालेटेकरी निवासी के नाम से की गई। इस युवक द्वारा शराब की नशे में फांसी लगाकर आत्महत्या की जाने की संभावना व्यक्त की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहित मेश्राम तीन भाई और एक बहन है और वह मजदूरी करता था। यह भी बताया गया है कि मोहित मेश्राम शराब पीने का आदी था। 28 मार्च की शाम 5 = 0 0 बजे मोहित मेश्राम शराब के नशे में था और वह साइकिल मैं घर से निकला था। किंतु वह रात्रि में नहीं आया। परिजनों ने मोहित मेश्राम की खोजबीन किये। किंतु वह नहीं मिला। 29 अप्रैल को 11=00 बजे ग्राम रघोली दल्ली नार नाला के पास जंगल में एक महिला महुआ बिने गई थी। जिसे वहा पर एक मोटरसाइकिल खड़ी देखी। खबर मिलते ही मोहित मेश्राम के परिवार के लोग पहुंचे। देखें मोहित मेश्राम आम के पेड़ में फांसी पर लटका हुआ था। जिसने कपड़े की रस्सी पेड़ में बांधकर फांसी लगा ली थी। सूचना मिलते ही साले टेकरी पुलिस चौकी प्रभारी धन सिंह धुर्वे अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और मृतक मोहित मेश्राम का शव पेड़ से नीचे उतरवाये। पंचनामा कार्यवाही पश्चात मोहित मेश्राम का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। इस युवक द्वारा शराब के नशे में फांसी लगाकर आत्महत्या की जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। आगे मर्ग जांच सालेटेकरी चौकी प्रभारी श्री धुर्वे द्वारा की जा रही है।

एम्बुलेंस में पहुंची पुलिस, भमोड़ी घाट पर अवैध रेत खनन पर दबिश

फिल्मी स्टाइल में कार्रवाई, एंबुलेंस बनाकर भमोड़ी रेत घाट पहुंची टीम, 4 ट्रैक्टर जब्त, सात मालिकों पर प्रकरण दर्ज

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

भमोड़ी रेत घाट पर उस समय हड़कंप मच गया, जब अचानक सायरन बजाती एक एंबुलेंस मौके पर पहुंची। पहले तो लोगों को लगा कि कोई मरीज जिंदगी और मौत से जूझ रहा है, लेकिन जैसे ही एंबुलेंस के दरवाजे खुले, अंदर से डॉक्टरों की जगह खाकी वर्दीधारी पुलिसकर्मी बाहर निकले। पुलिस की इस अनोखी रणनीति ने अवैध रेत खनन में लगे लोगों को संभलने का मौका तक नहीं दिया। कुछ ही पलों में पुलिस ने पूरे घाट की घेराबंदी कर दी और कार्रवाई करते हुए 4 ट्रैक्टरों को अवैध रेत खनन करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। हालांकि मौके का फायदा उठाकर कुछ आरोपी फरार होने में सफल रहे। इस अचानक की गई कार्रवाई से घाट पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया । पुलिस की इस सिंघम स्टाइल कार्रवाई की बहुत चर्चा हो रही हैं । बताया जा रहा है कि वैनगंगा नदी क्षेत्र में लंबे समय से अवैध रेत खनन की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद पुलिस ने यह रणनीति अपनाकर कार्रवाई को अंजाम दिया।

जिले में इन दिनों अवैध रेत उत्खनन और परिवहन को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। रेत घाटों के ठेके अभी नहीं होने के कारण सभी घाट प्रशासन के नियंत्रण में हैं, इसके बावजूद कुछ लोगों द्वारा चोरी-छिपे रेत निकालने और बेचने का सिलसिला जारी है। इस पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस और संबंधित विभाग लगातार कार्रवाई कर रहे हैं, लेकिन तस्कर नए-नए तरीके अपनाकर बच निकलने की कोशिश कर रहे हैं। इसी कड़ी में ग्रामीण थाना पुलिस ने अवैध रेत खनन के खिलाफ एक अनोखी और फिल्मी अंदाज में कार्रवाई कर सबको चौंका दिया। पुलिस ने इस बार सीधे दबिश देने के बजाय रणनीति बदलते हुए एंबुलेंस का सहारा लिया, ताकि कार्रवाई की भनक पहले से तस्करों तक न पहुंच सके।

एंबुलेंस बनाकर पहुंची पुलिस, घाट पर मचा हड़कंप

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि भमोड़ी रेत घाट में एक साथ 20 से 25 ट्रैक्टर अवैध रूप से रेत उत्खनन में लगे हुए हैं। पूर्व में कई बार दबिश देने के बावजूद सफलता नहीं मिलने के कारण इस बार पुलिस ने अलग रणनीति अपनाई। बताया जा रहा है कि पुलिस टीम दो से तीन एंबुलेंस में सवार होकर सायरन बजाते हुए घाट की ओर रवाना हुई। एंबुलेंस को देखकर किसी को शक नहीं हुआ कि उसमें पुलिस बल मौजूद है। जैसे ही एंबुलेंस घाट पर पहुंची, अचानक वाहन रुक गए और उनमें से पुलिसकर्मी बाहर निकलने लगे। यह दृश्य देखकर मौके पर मौजूद ट्रैक्टर चालक और मजदूरों में हड़कंप मच गया।

पुलिस को देख ट्रैक्टर लेकर भागे चालक

अचानक हुई इस कार्रवाई से घबराकर कई ट्रैक्टर चालक अपने वाहन लेकर मौके से फरार हो गए। कुछ ने तो रेत खाली कर जंगल की ओर रुख कर लिया, ताकि पुलिस की पकड़ से बच सकें। पुलिस ने मौके से कुछ ट्रैक्टरों को जब्त किया, जबकि कई वाहन चालक भागने में सफल रहे।

ड्रोन से की निगरानी, 07 ट्रैक्टर मालिकों पर कार्रवाई

इस कार्रवाई में पुलिस ने आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया। घाट पर ड्रोन कैमरे के माध्यम से निगरानी की गई और भाग रहे ट्रैक्टरों की गतिविधियों पर नजर रखी गई। ग्रामीण थाना प्रभारी रमेश जाट ने बताया कि पूर्व में जब भी पुलिस टीम घाट पर पहुंचती थी, तब तक तस्करों को सूचना मिल जाती थी और वे मौके से फरार हो जाते थे। इसी कारण इस बार गोपनीय तरीके से कार्रवाई की गई। हालांकि पूरी सफलता नहीं मिल पाई, लेकिन मौके से करीब 4-5 ट्रैक्टरों पर कार्रवाई की गई है और लगभग 07 ट्रैक्टर मालिकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

कार्रवाई बनी चर्चा का विषय

पुलिस की यह अनोखी कार्रवाई पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। लोगों का कहना है कि इस तरह की रणनीति अपनाकर ही अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। हालांकि बड़ी संख्या में ट्रैक्टर चालक पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल रहे, जिससे यह भी स्पष्ट होता है कि अवैध रेत खनन का नेटवर्क काफी सक्रिय और सतर्क है।

इन ट्रैक्टर-ट्रॉली पर हुई कार्यवाही

थाना प्रभारी नवेगांव उपनिरीक्षक रमेश जाट के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम मौके पर पहुंची और चार अलग-अलग टीमों ने चारों दिशाओं से घेराबंदी कर कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान मौके से कुल 7 ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त किए गए, जिनमें 4 पावर ट्रेक कंपनी और 3 आयशर कंपनी के वाहन शामिल हैं। पुलिस द्वारा सभी ट्रैक्टर मालिकों एवं चालकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), 317(5), मध्यप्रदेश गौण खनिज अधिनियम तथा मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। जिसमे पावर ट्रेक – TO53616744FL, पावर ट्रेक – TO53458191FH,पावर ट्रेक – TO53571285FK, पावर ट्रेक – TO53570886FK, आयशर — 929813118175, आयशर – 920214191995, आयशर – 929813118180 पर कार्यवाहीं की गयी हैं ।

ग्राम अर्नामेटा में कृषक की विद्युत करंट से मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चांगोटोला थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम अर्नामिटा में इसी ग्राम के एक कृषक रमेश पिता सेवक राम चौहान 59 वर्ष की विद्युत करंट से मौत हो गई ।31 मार्च को यह घटना खेत में विद्युत कनेक्शन लेने के दौरान हुई। चांगोटोला पुलिस ने इस कृषक की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अर्नामेटा निवासी कृषक रमेश चौहान अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। 30 मार्च 10=30 बजे रमेश चौहान अपने खेत आया और खेत पड़ोसी कृषक गंगा तुरकर के खेत से अपने खेत में विद्युत कनेक्शन ले रहा था। तभी वह उसकी विद्युत करंट की चपेट आ गया। जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के कुछ देर बाद रमेश चौहान के परिजन खेत पहुंचे देखे वह खेत में पड़ा हुआ था और उसके शरीर में विद्युत करंट से झुलसे के निशान थे। सूचना मिलते ही चांगोटोला थाना प्रभारी शशांक राणा अपने स्टाफ के साथ ग्राम अर्नामेटा पहुंचे और मौके की कार्रवाई की ।मृतक कृषक रमेश चौहान की लाश पंचनामा कार्यवाही पश्चात लामता के अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

ग्राम जरेरा के जोधी टोला में दो लोगों से की गई मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम जरेरा के जोधीटोला में दो व्यक्ति को उभारी से मारपीट कर घायल कर दिया गया। वीरेंद्र पिता मानसिंह धुर्वे 40 वर्ष और सुनील पिता इंद्रजीत धुर्वे 29 वर्ष दोनों गांव भटेरा बालाघाट निवासी है जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वीरेंद्र धुर्वे ड्राइवरी करता है। 31 मार्च को सुबह वीरेंद्र धुर्वे अपने गांव के सुनील विश्वकर्मा के साथ ग्राम जरेरा के जोधीटोला में गेहूं कटवाने के लिए गए थे। और खाना खा रहे थे। तभी समीर शुक्ला सहित दो व्यक्ति ऑटो से आए और वीरेंद्र धुर्वे को पुरानी रंजिश को लेकर अश्लील गाली गुप्ता करते हुए दोनों उसे उभारी से मारपीट करने लगे। बीच बचाव करने के लिए सुनील विश्वकर्मा आया तो उसे भी मारपीट कर घायल कर दिए ।सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची । जिन्हें देखकर समीर शुक्ला सहित दोनों व्यक्ति वहां से फरार हो गए। मारपीट में घायल वीरेंद्र धुर्वे और सुनील विश्वकर्मा को इलाज हेतु डायल 112 से जिला अस्पताल लाये। जहां उनका इलाज किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने वीरेंद्र धुर्वे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

राजीनामा करने कोर्ट नहीं पहुंचने पर एक व्यक्ति ने पत्नी पर चलाई चाकू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक महिला ने अपने पति के विरूद्ध राजीनामा करने कोर्ट नहीं पहुंचने पर उसे चाकू से मार कर घायल करने का आरोप लगाई। यह घटना पारिवारिक विवाद के चलते हुई। नगर के वार्ड नंबर 13 गंगानगर बूढ़ी में हुई ।मारपीट में घायल महिला फिजा खान पति आबिद खान 33 वर्ष वार्ड नंबर 13 गंगानगर निवासी का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार फिजा खान मजदूरी करती है। पारिवारिक विवाद के चलते एक मामला कोर्ट में चल रहा हैऔर आबिद खान कोर्ट में राजीनामा करवाना चाहता है। 30 मार्च की शाम फिजा खान अपने घर के पीछे चबूतरे में पड़ोस की महिलाओं के साथ बैठकर बातचीत कर रही थी। इस समय उसका पति आबिद खान आया और बोलने लगा कि मेरे हालात को देखकर हंस रही है और और बोलने लगा कि राजीनामा करने कोर्ट में क्यों नहीं आई और दो दिन से कहां थी। फिजा खान ने उसे बोली कि मैं खाला सास के घर गई थी। फिजा खान के इतना कहते ही, आबिद खान आवेश में आकर उसे अश्लील गालियां देते हुए अपनी पेंट की जेब से चाकू निकाला और फिजा खान को मारने दौ ?ा, चाकू का वार फिजा खान के दाहिने हाथ की अंगुली में लगा तभी पड़ोसी रमजान खान ने आकर आबिद खान के हाथ से चाकू छुड़ाया। मोहल्ले वालों ने बीच बचाव किये। हालांकि महिला को चाकू से मामूली चोटे आई। इसी दौरान डायल 112 पहुंची। जिसे देखकर आबिद खान वहा से फरार हो गया। डायल 112 से फिजा खान को जिला अस्पताल लाकर उसका इलाज करवाया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने फिजा खान का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट